दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 ▸▸ अंक 212 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, शुक्रवार 01 मई, 2026
वैशाख शुक्ल पक्ष 15, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

बुद्ध पूर्णिमा आज

ऑफ बीट

करिश्मा के बच्चों को हाई कोर्ट से मिली राहत

दिल्ली हाई कोर्ट ने कारोबारी संजय कपूर की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में अहम अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत ने अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चों समाइरा और कियान को राहत देते हुए संपत्ति के किसी भी तरह के हस्तांतरण, बिक्री या वितरण पर रोक लगा दी है। साथ ही संजय कपूर के बैंक खातों को भी फ्रीज करने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश जस्टिस ज्योति सिंह की पीठ ने करिश्मा कपूर के बच्चों की ओर से दायर याचिका पर सुनाया। अदालत ने माना कि वसीयत को लेकर प्रथम दृष्टया संदेह का मामला बनता है, इसलिए जब तक इसकी सत्यता स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक संपत्ति को सुरक्षित रखना जरूरी है। इस फैसले से संजय कपूर की मौजूदा पत्नी प्रिया कपूर को बड़ा झटका लगा है।

TATA IPL आईपीएल में आज

राजस्थान बनाम दिल्ली

समय : रात 7.30 बजे से

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: गुजरात ने बेंगलुरु को 4 विकेट से हराया।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस आज

नोएडा: 8 मई तक धारा-163, ड्रोन से निगरानी

नोएडा, जेएनएन। अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस को देखते हुए गौतमबुद्धनगर पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। नोएडा पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 8 मई तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 लागू कर दी है। इस दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्रों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी की व्यवस्था की है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए करीब 50 से अधिक स्थानों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही, पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लोगों को लगातार दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में पूरे कमिश्नरेट को 11 जोन और 49 सेक्टर में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग सेक्टरों में पुलिस बल तैनात किया है।

जबलपुर: बरगी डैम में डूबा क्रूज छह के शव मिले, 19 को बचाया

लापरवाही: लाइफ जैकेट नहीं पहने थे आधे से ज्यादा सैलानी

जागरण, जबलपुर। अचानक चली तेज हवाओं से जबलपुर के बरगी बांध में पर्यटकों से भरा क्रूज डूब गया। हादसे के बाद 6 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। डेढ़ दर्जन लोगों की जान बचाने में रेस्क्यू टीम कामयाब रही है। प्रशासन और पुलिस के तमाम आला अधिकारी मौके पर सक्रिय हैं। अंधेरा होने के कारण बड़े-बड़े टार्च की रोशनी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लापता लोगों की तलाश देर रात तक जारी रही। परिवार और परिचित भी आधी रात तक नर्मदा की लहरों में अपनों को खोजते रहे।

गुरुवार शाम यह बड़ा हादसा बरगी बांध के खमरिया टापू के पास हुआ। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम का क्रूज में शाम की ट्रिप के लिए 29 पर्यटकों को टिकट जारी करने का दावा किया है। इनके अलावा क्रूज कैप्टन व स्टॉफ भी सवार थे। क्रूज जैसे ही डैम के बीचों बीच खमरिया टापू के पास पहुंचा, तेज हवाओं ने घेरा बना लिया। करीब 40 किमी/घंटा की गति से चलीं तेज हवाओं में क्रूज डगमगाने लगा और पलट गया। सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। 15 लोग लाइफ जैकेट होने से तैरते हुए बच निकले और थोड़ी देर बाद ही किनारे पर आ गए। रात करीब 12 बजे तक मृतकों की संख्या बढ़कर 6 हो ■ शेष पृष्ठ 9 पर

बचाव कार्य के लिए पहुंचीं पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें।

तेज हवाओं के बीच नहीं मिला किसी को संभलने का मौका

मामले में पर्यटन निगम और क्रूज स्टॉफ की लापरवाही भी सामने आई है। आधे से ज्यादा लोग बिना जैकेट के क्रूज पर सवार हो गए थे। रेस्क्यू टीम द्वारा सुरक्षित निकाले गए क्रूज कैप्टन महेश के मुताबिक 60 सीटर क्रूज में पर्याप्त लाइफ जैकेट और सुरक्षा उपकरण मौजूद थे। हवाओं की गति इतनी तेज थी कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। तेज आंधी में सवारियां को जैकेट दिए गए, लेकिन वे उसे पहन नहीं सकीं। दो महिलाओं सहित जो चार शव मिले हैं, वे भी जैकेट नहीं पहने थे। वहीं जो चार लापता लोग रेस्क्यू टीम को मिले, वे भी बिना जैकेट के थे। दिल्ली से परिवार सहित यूमने आई सिया नामक लड़की अपनी मां व भाई को तलाश रही है। उसका कहना है कि मां ने लाइफ जैकेट पहनी थी, लेकिन भाई नहीं पहने था। क्रूज डूबने लगा तो मां ने भाई को जकड़ लिया। इसलिए उम्मीद है कि दोनों सुरक्षित होंगे। सवाल उठता है कि बिना जैकेट के स्टॉफ ने बैठा कैसे लिया?

सवारियों की संख्या पर संशय

क्रूज में सवार लोगों की संख्या भी देर रात तक घटती-बढ़ती रही। सर्च ऑपरेशन में जुटे अधिकारी-कर्मचारी संख्या 40 से ज्यादा बताते रहे। वहीं मरने वालों और लापता की संख्या पर भी अलग-अलग बयान आते रहे। यह क्रूज 20 साल पुराना बताया जा रहा है। इसे रस्सी से खींचकर घाट तक लाने की कोशिश चलती रहीं। गैस कटर से काटा ताकि आसानी से किनारे आ सके। देर रात लापता की संख्या 10 बताते गई।

मुख्यमंत्री ने सहायता राशि का ऐलान किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस हादसे को पीड़ादायक बताया है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों को हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। हादसे में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। स्थानीय प्रशासन की सहायता से रेस्क्यू फोर्स सक्रिय है।

हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हुई है। उनकी डेड बॉडी मिल गई हैं। शेष लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। एसडीआरएफ, पुलिस, होमगार्ड प्रशासन और लोकल सपोर्ट की मदद से बचाव अभियान जारी हैं। 15 लोग सुरक्षित हैं और उन्हें मेडिकल सहायता दी गई है। एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच रही है। पुलिस, प्रशासन और मेडिकल की टीम मौके पर मौजूद है।

● **प्रमोद वर्मा**, आईजी जबलपुर

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा

चलती कार में पांच जिंदा जले, मिलीं सिर्फ हड्डियां

जागरण, श्योपुर। प्रदेश के श्योपुर का एक परिवार राजस्थान के अलवर में बुधवार देर रात दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। चलती कार में आग लगने से ड्राइवर समेत एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जल गए। हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर लक्ष्मणगढ़ के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक अर्टिगा कार दिल्ली से कोटा जा रही थी। इसी दौरान कार के इंजन से आग की लपटें उठीं। कुछ ही सेकंड में पूरी कार आग की चपेट में आ गई। लोग बाहर नहीं निकल पाए और जिंदा जल गए। आग बुझाने के बाद कार में सिर्फ हड्डियां मिलीं। गाड़ी चला रहा कार मालिक विनोद मेहरा आग लगते ही जान बचाने बाहर कूदा लेकिन उसकी भी मौत हो गई। चश्मदीदों के मुताबिक करीब 30 मिनट तक कार सुलगती रही। श्योपुर निवासी संतोष अपनी सास पार्वती की बीमारी ठीक होने पर मन्नत पूरी करने परिवार सहित वैष्णो देवी के दर्शन करने गया था। लौटते समय हादसे में पार्वती (55), संतोष (35) और उसकी पत्नी शशि (30) और बेटी साक्षी (9) की मौत हो गई। सभी श्योपुर के चैनपुरा गांव के रहने वाले थे। कार में आग लगने के बाद ड्राइवर विनोद कुमार मेहर खिड़की से कूदा। वह करीब 80 प्रतिशत झुलस चुका था, उसे पिनान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जयपुर रेफर किया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

सीएनजी के कारण तेजी से भड़की आग

अलवर एएसपी प्रियंका रघुवंशी के मुताबिक लक्ष्मणगढ़ पुलिस को रात में कार में आग लगने की जानकारी मिली थी। सूचना के तत्काल बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई थी। आग बुझाने में करीब 15 मिनट का समय लगा। आशंका है कि सीएनजी के कारण आग तेजी से भड़की थी। दुर्घटना के बाद मृतकों के परिजन शवों को लेने के लिए अलवर रवाना हो गए हैं। इधर, श्योपुर में मृतकों के घर पर प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। तहसीलदार मनीषा मिश्रा ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। मृतक संतोष के साढ़ू के अनुसार, परिवार सास पार्वती की बीमारी ठीक होने के बाद मन्नत पूरी करने गया था। संतोष के साढ़ू शवों को लेने के लिए अलवर पहुंच गए हैं। यहां से जांच शवों को श्योपुर लाया जाएगा।

होर्मुज से भारत के जहाजों पर कोई रोक नहीं: ईरान

10 हजार भारतीयों की सुरक्षा को बताया प्राथमिकता

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने भारत के लिए राहत भरी खबर दी है। भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली ने साफ कहा है कि मौजूदा संघर्ष के बावजूद होर्मुज से भारतीय जहाजों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे मित्र देशों के जहाज सुरक्षित रूप से इस मार्ग से गुजर रहे हैं।

फतहाली ने एक इंटरव्यू में कहा कि जो देश ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई में शामिल नहीं हैं, उनके जहाज सामान्य रूप से होर्मुज से गुजर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कई भारतीय जहाज हाल के दिनों में इस रास्ते से सुरक्षित निकले हैं, हालांकि सभी जहाजों को अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करना जरूरी है। ईरानी राजदूत ने कहा कि ईरान में रह रहे करीब 10 हजार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपने नागरिकों और भारतीयों के बीच कोई भेदभाव नहीं करता। सभी समुदायों को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है और वे अपने धार्मिक स्थलों पर स्वतंत्र रूप से पूजा-अर्चना कर सकते हैं। फतहाली ने चाबहार पोर्ट को भारत-ईरान संबंधों के लिए बेहद अहम बताते हुए कहा कि यह परियोजना लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। इस रेल लिंक के पूरा होने के बाद चाबहार पोर्ट सीधे ईरान के राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

एआई फोटो पोस्ट कर घिरे ट्रंप

ट्रंप ने हाल ही में अपनी एक एआई-जनरेटेड तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। इसमें हाथ में राइफल लिए नजर आ रहे हैं। तस्वीर पर 'नो मोर मिस्टर नाइस गॉय' लिखा हुआ था, जिसे ईरान के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर ट्रंप की जमकर आलोचना हो रही है। कई यूजर्स ने इसे गैर-जिम्मेदाराना करार दिया।

ईरान पर हमले की तैयारी में अमेरिका ट्रंप के सामने रखे गए 3 सैन्य विकल्प

ईरान के साथ बातचीत में आए गतिरोध के बीच अमेरिका एक बार फिर ईरानी ठिकानों पर हमले की योजना बना रहा है। यह जानकारी तब सामने आई है, जब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम जारी है। ए एंड आईओएस ने बुधवार को दो अनाम सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए एक नई योजना तैयार की है। इसमें बताया गया है कि गुरुवार को सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इन नई योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे।

हरगिज नहीं छोड़ेंगे न्यूक्लियर प्रोग्राम: मुजतबा खामेनेई

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा है कि उनका देश अपनी परमाणु और मिसाइल क्षमता से किसी भी हाल में पीछे नहीं हटेगा। उनका यह लिखित बयान ईरान के सरकारी टीवी पर पढ़कर सुनाया गया। खामेनेई ने कहा कि ईरान 'परमाणु और मिसाइल ताकत' को देश की संपत्ति मानता है और हर हाल में उसकी रक्षा करेगा। अमेरिका के सैन्य ठिकाने (बेस) इतने कमजोर हैं कि वे खुद की सुरक्षा भी ठीक से नहीं कर सकते। ऐसे में वे इस इलाके के दूसरे देशों को सुरक्षा देने का दावा कैसे कर सकते हैं। इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने पूर्ण नियंत्रण का दावा किया है।

हवाई किराये में उतार-चढ़ाव

केंद्र को दिया 8 मई तक हलफनामा देने का निर्देश

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने हवाई किराये में 'अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव' और निजी एयरलाइनों द्वारा वसूले जा रहे अतिरिक्त शुल्कों के मामले में केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में पूछा कि आखिर हलफनामा दाखिल करने से सरकार को क्या रोक रहा है और 8 मई तक हर हाल में जवाब देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र से कहा कि वह एक आवेदन के साथ विस्तृत हलफनामा दाखिल करे, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद अब तक जवाब क्यों नहीं दिया गया और अतिरिक्त समय की मांग किस आधार पर की जा रही है। केंद्र सरकार के वकील ने मध्य-पूर्व की बदलती परिस्थितियों का हवाला देते हुए समय मांगा।

कृषि कर्मयोगी उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला में बोले- सीएम

गुजरात की तरह समृद्ध हो रहा प्रदेश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से गुजरात को अग्रणी और विकसित राज्य बनाया है। अब हमारी सरकार भी नर्मदा के जल से प्रदेश को समृद्ध बना रही है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश भी गुजरात की तरह समृद्ध बनेगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को रविन्द्र भवन में आयोजित कृषि कर्मयोगी उन्मुखीकरण प्रशिक्षण एवं कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के 16 विभाग कृषि कल्याण वर्ष में मिलकर काम कर रहे हैं। उद्यानिकी, सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य पालन जैसे कई विभागों को जोड़कर सरकार किसान कल्याण के लिए आगे बढ़ रही है। किसानों के लिए कार्य करते हुए नए प्रयोगों के साथ अपने मन के नए अंकुरण और कोमलता को जीवंत रखने की आवश्यकता है। राज्य सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता के बलबूते कई असंभव कार्यों को लक्ष्य तक पहुंचाया है। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से पशुपालन विभाग के लिए किए गए प्रयास इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। किसानों को अब 8 से 7 रुपए प्रति लीटर ज्यादा दूध के दाम मिलने लगे हैं।

सीएम ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से किसानों को नई तकनीक का लाभ मिलता है। कार्यशाला के माध्यम से प्रदेश के किसानों को नए तकनीक से फसलों का उत्पादन करने की जानकारी मिलेगी। इससे जहां उनकी लागत कम होगी, तो उपज भी पहले की तुलना में ज्यादा होगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। सीएम ने कहा कि सभी कृषि कर्मयोगी सरकार के साथ मिलकर संपूर्ण श्रद्धा के साथ इस कार्य में सहभागी बनें। प्रदेश में अब किसान नरवाई न जलाकर उसका भूसा बना रहे हैं और लाभ कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बारिश के बाद होने वाली रबी की फसल पहले भगवान भरोसे होती थी,लेकिन आज खेत-खेत तक नहरों के माध्यम से सिंचाई सुविधा और पंप से सिंचाई के लिए बिजली पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि ■ शेष पृष्ठ 9 पर

रेप पीड़िताओं के गर्भपात पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा समय सीमा में बदलाव करने पर विचार करे केंद्र

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने रेप पीड़िताओं के गर्भपात से जुड़े कानून पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार से कहा है कि वह समय सीमा में बदलाव पर विचार करे। अदालत ने कहा कि मौजूदा 24 हफ्ते की सीमा हर परिस्थिति में न्यायसंगत नहीं है, खासकर तब जब मामला नाबालिग और यौन शोषण से जुड़ा हो।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने 15 साल की एक नाबालिग के 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन की अनुमति देने के अपने फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि कानून को समय के साथ बदलना चाहिए और नाबालिग को जबरन मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में निर्णय का अधिकार पीड़िता के पास होना चाहिए। यह टिप्पणी

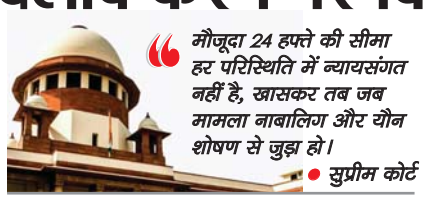

मौजूदा 24 हफ्ते की सीमा हर परिस्थिति में न्यायसंगत नहीं है, खासकर तब जब मामला नाबालिग और यौन शोषण से जुड़ा हो।
● सुप्रीम कोर्ट

उस याचिका पर आई, जिसमें एम्स ने 30 हफ्ते की गर्भावस्था में गर्भपात के फैसले पर आपत्ति जताई थी। एम्स का तर्क था कि इस अवस्था में भ्रूण विकसित हो चुका होता है और अबॉर्शन से नाबालिग की जान को खतरा हो सकता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'आपका सारा ध्यान भ्रूण पर है, उस बच्ची पर नहीं जिसने यह दर्द सहा है।' अदालत ने इसे 'भ्रूण बनाम नाबालिग' की स्थिति बताते हुए कहा कि पीड़िता की मानसिक और शारीरिक स्थिति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

गंभीर आरोप में भी है त्वरित सुनवाई का हक

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि किसी आरोपी से त्वरित सुनवाई के मौलिक अधिकार को केवल आरोपों की गंभीरता के आधार पर नहीं छीना जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि सुनवाई में लंबी देरी होने पर आरोपी जमानत का हकदार बन जाता है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और उज्जवल भुइयां की बेंच ने यह टिप्पणी उप्र के एक हत्या मामले की सुनवाई के दौरान की। मामले में आरोपी नौ सालों से विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद था। यह तथ्य सामने आते ही सुप्रीम कोर्ट ने पहली ही सुनवाई में आरोपी को जमानत दे दी।

जेन जी वर्ल्ड गेम्स में दिखने वाला 'खाना' महज ग्राफिक एलिमेंट नहीं बल्कि अनुभव और भावना

वीडियो गेम बने यादों और सांस्कृतिक जुड़ाव का जरिया

नई दिल्ली, जेएनएन। डिजिटल दुनिया में वीडियो गेम्स महज मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे, बल्कि अब वे भावनाओं, यादों और सांस्कृतिक जुड़ाव का जरिया बनते जा रहे हैं। खासकर जेन जी पीढ़ी के लिए गेम्स में दिखने वाला 'खाना' अब सिर्फ एक ग्राफिक एलिमेंट नहीं, बल्कि अनुभव, पहचान और भावनात्मक जुड़ाव का हिस्सा बन चुका है। यह अब एक भावनात्मक अनुभव है जो खिलाड़ियों को जोड़ता है, उनकी यादों को जगाता है। डिजिटल स्क्रीन के भीतर 'वर्चुअल खाना' असल जिंदगी के खालीपन को भरने की कोशिश करता है- जहां हर खिलाड़ी 'घर' तलाश रहा है। 2000 के दशक में पर्बल प्लेस जैसे गेम्स बच्चों के लिए कल्पनाओं की दुनिया थे। इसमें केक बनाना, रंगीन टॉपिंग सजाना और ऑर्डर पूरा करना एक मजेदार गतिविधि थी। उस दौर में गेम्स में खाना सिर्फ सजावट और खेल

का हिस्सा था—हल्का, रंगीन और आनंद देने वाला।

समय के साथ गेमिंग की दुनिया बदली। 2010 के बाद के गेम्स जैसे रोबोलोएक्स या सर्वाइवल-आधारित गेम्स में खाना एक जरूरी संसाधन बन गया। यहां भोजन का मतलब था- जीवित रहना। खिलाड़ी को अपने अवतार की 'हेल्थ' और 'हंगर' मैनेज करनी पड़ती थी।

इस तरह अब खाना महज देखने या बनाने की चीज नहीं रहा, बल्कि रणनीति का हिस्सा बन गया। यह बदलाव महज गेम डिजाइन का नहीं, बल्कि उस पीढ़ी के सोचने के तरीके का भी संकेत था- जहां जीवन में प्रतिस्पर्धा और संघर्ष बढ़ रहा था। विशेषज्ञ मानते हैं कि गेम्स में भोजन का यह विकास सजावट से सर्वाइवल, फिर जुड़ाव और अंत में यादों तक दरअसल जेन जी की मानसिकता और सामाजिक अनुभवों को दर्शाता है।

कोविड के बाद: खाना बना जुड़ाव का माध्यम

कोविड-19 महामारी के दौरान गेम्स जैसे जेनशिन इम्पैक्ट और पेंटिमेंट ने भोजन को एक नए रूप में पेश किया। इन गेम्स में खाना सिर्फ ऊर्जा नहीं देता, बल्कि संस्कृति और रिश्तों का प्रतीक बनता है। खिलाड़ी वर्चुअल दुनिया में अलग-अलग देशों के व्यंजन देखते और अनुभव करते हैं। भोजन के जरिए वे एक-दूसरे से जुड़ते हैं, बातचीत करते हैं और साझा अनुभव बनाते हैं।

खाना और यादें: सबसे गहरा रिश्ता

गेम्स में खाना अब 'यादों' का माध्यम बन गया है। वेनबा इसका प्रमुख उदाहरण है। यह गेम एक भारतीय प्रवासी मां की कहानी दिखाता है, जो खाना बनाकर अपने घर और संस्कृति को जिंदा रखने की कोशिश करती है। इस तरह के गेम्स में इडली, बिरयानी या मसालों की खुशबू सिर्फ दृश्य नहीं होती, बल्कि खिलाड़ियों के लिए अपने घर, परिवार और बचपन की यादें ताजा कर देती है।

आज की पीढ़ी डिजिटल दुनिया में सिर्फ खेल नहीं रही, बल्कि वहां अपनी पहचान, रिश्ते और भावनाएं भी तलाश रही है। खाना इस प्रक्रिया में एक मजबूत प्रतीक बनकर उभरा है। वीडियो गेम्स में खाना अब सिर्फ 'पॉइंट्स' बढ़ाने का जरिया नहीं रहा।

आईसीएसई-आईएससी के रिजल्ट जारी

10वीं में 98% व 12वीं में 99 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास

नई दिल्ली, जेएनएन। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एक्जामिनेशन (सीईएससीई) ने आईसीएसई (कक्षा 10) और आईएससी (कक्षा 12) परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस साल 10वीं में 98.18 फीसदी और 12वीं में 99.13 फीसदी छात्र सफल हुए हैं। कुल मिलाकर 4 लाख से अधिक छात्रों ने इन परीक्षाओं में हिस्सा लिया, जिसमें से लगभग 2.6 लाख छात्र 10वीं के थे। छात्र अपना रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट **results.cisce.org** पर जाकर देख सकते हैं। इसके लिए यूनिक यूआईडी और इंडेक्स नंबर दर्ज करना होगा। डिजिलॉकर, उमंग और एसएमएस से भी मार्कशीट डाउनलोड की जा सकती है। आईसीएसई (10वीं) में पास होने के लिए कम से कम 33 फीसदी और आईएससी (12वीं) में 35 फीसदी अंक अनिवार्य हैं।

टॉपर्स लिस्ट नहीं जारी

बोर्ड ने इस साल भी टॉपर्स या मेरिट लिस्ट जारी नहीं की है। सीईएससीई का मानना है कि इससे छात्रों पर अनावश्यक दबाव कम होता है। 2024 और 2025 में भी यही नीति अपनाई गई थी। आखिरी बार 2023 में मेरिट लिस्ट जारी हुई थी, जिसमें 5 छात्रों ने संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया था।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश में जल्द ही तीन सौर परियोजनाएं होंगी स्थापित

विसं, भोपाल। मध्यप्रदेश में जल्द ही 110 मेगावाट क्षमता की तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। जिसे पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा किया जाएगा। इससे प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह जानकारी ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने पारंपरिक ऊर्जा के साथ अब गैर वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन की ओर भी कदम बढाया है। उन्होंने बताया कि यह परियोजनाएं मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के तीन प्रमुख ताप विद्युत गृहों श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (40 मेगावाट), अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई (40 मेगावाट) और संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर (30 मेगावाट) में स्थापित की जाएगी। तोमर ने बताया कि इस रणनीति से परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन, लागत में कमी व संचालन दक्षता में वृद्धि होने की संभावना है। गौरतलब है कि इन संयंत्रों से उत्पादित विद्युत का संचालन केंद्र सरकार की फ्लेक्सीबिलिटी योजना के अंतर्गत किया जाएगा। यह योजना सौर ऊर्जा को तापीय या जल विद्युत के साथ जोड़कर 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी। इस समेकित मॉडल के माध्यम से नवकरणीय ऊर्जा की अनियमितता को संतुलित करते हुए ग्रिड की स्थिरता और विश्वसनीयता को भी बढ़ाया जाएगा।

रौतेल ने संभाला अजजा आयोग का कार्यभार

विसं, भोपाल। भाजपा नेता रामलाल रौतेल ने गुरुवार को मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष के पद का पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके साथ सदस्य बनाए गए भगत नेताम तथा मंगल सिंह धुर्वे ने अपनी जिम्मेदारियां संभाल ली। अनुसूचित जनजाति वर्ग के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए 1995 में आयोग का गठन किया गया था। रौतेल आयोग में दो बार अध्यक्ष के पद पर रह चुके हैं। रौतेल वर्ष 1990 से वर्ष 2020 तक संगठन के विभिन्न पदों पर रहे। वर्ष 2003 एवं वर्ष 2013 में रौतेल विधानसभा क्षेत्र अनुपपूर से दो बार विधायक रह चुके हैं। भगत सिंह नेताम बैहर, बालाघाट से दो बार विधायक रहे हैं। जबकि मंगल सिंह धुर्वे बैतूल जिले से वर्ष 2016 से 2018 तक विधायक के पद पर कार्यरत रहे।

तबादलों से रोक हटने पर संशय, विशेष परिस्थितियों में 10 प्रतिशत हो सकेंगे

जनगणना सहित दूसरे महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुए तबादले नहीं करने पर सहमति

विशेष संवाददाता, भोपाल। इस वर्ष तबादले के इंतजार में बैठे राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों को निराशा हाथ लग सकती है। दरअसल राज्य सरकार इस बार तबादलों पर लगे प्रतिबंध हटाने के मूड में नहीं है। जरूरी हुआ तो 10 प्रतिशत स्थानांतरण करने की मंजूरी दी जा सकती है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में राज्य सरकार ने नई तबादला नीति बनाकर अधिकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण किए थे। ढाई महीने यह प्रक्रिया जारी रही थी, लेकिन उसके बाद फिर बादलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कर्मचारियों को इस बार भी जून-जुलाई में तबादलों से प्रतिबंध हटने की उम्मीद है। मंत्रियों और विधायकों ने भी मुख्यमंत्री से कुछ दिनों के लिए बैन पर विराम लगाने का आग्रह किया है। हालांकि सीएम ने इस पर अब तक कुछ स्पष्ट आदेश नहीं दिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ बैठक हो चुकी है, जिसमें जनगणना प्रक्रिया जारी होने सहित दूसरे महत्वपूर्ण कार्यो को ध्यान में रखते हुए फिलहाल तबादले नहीं करने पर सहमति बनी हैं। लेकिन इस बात पर भी विचार किया गया है कि विशेष परिस्थितियों में एक माह के लिए स्थानांतरण पर लगी रोक को हटाया जा सकता है, लेकिन इसमें केवल 10 प्रतिशत ही तबादले किए जा सकेंगे। सीएम के निर्देश के बाद मुख्य सचिव जैन ने ऐसी संभावनाओं को ध्यान में रखकर सामान्य प्रशासन विभाग से नए सिरे से गाइडलाइन तय करने को कहा है। जीडीए सूत्रों की मानें तो यदि ऊपर से आदेश मिलता है, तो मई या जून माह में एक माह के लिए तबादलों पर लगी पाबंदी पर राहत दी जा सकती है। प्रदेश में 1 मई से जनगणना का सर्वे शुरू होने के कारण कर्मचारियों की व्यस्तता रहेगी, जिसके चलते तबादले जून के आसपास किए जा सकते हैं। बताया गया है कि हर जिले में 15 से 20 प्रतिशत कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी लगाई गई है। जनगणना का कार्य टाइम-बाउंड है और केन्द्र सरकार इसकी लगातार मॉनिटरिंग करती है। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही या देरी के लिए राज्य सरकार की जिम्मेदारी होगी।

कैबिनेट में लाना होगा प्रस्ताव

यदि सरकार एक माह के लिए प्रतिबंध हटाने की मंशा जताती है, तो सामान्य प्रशासन विभाग का प्रस्ताव कैबिनेट में लाया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि मई के दूसरे या तीसरे सप्ताह में इस संदर्भ का प्रस्ताव मंत्रिपरिषद की बैठक में लाया जा सकता है, जहां से सहमति बनने के बाद ही तबादले कब से होंगे, इस पर निर्णय होगा।

प्रभारी मंत्रियों को मिलेंगे अधिकार

बताया गया है कि यदि तबादले किए जाते हैं, तो सभी विभागों में कुल तबादलों को कैडर स्ट्रेंथ के सिर्फ 10 प्रतिशत तक सीमित रखा जा सकता है। इसके लिए प्रभारी मंत्रियों को अधिकार मिलेंगे। बताया गया है कि कलेक्टर्स के माध्यम से प्रभारी मंत्रियों को प्रस्ताव भेजे जाएंगे, जिनके अनुमोदन के बाद ही आदेश जारी होंगे। आवेदकों से ऑन लाइन आवेदन मांगे जाएंगे।

4 साल बाद 2025 में आई थी नीति

वर्ष 2025 में 4 साल बाद डॉ. मोहन यादव सरकार ने नई तबादला नीति लागू की थी, जिसमें कड़े नियम बनाए थे। इसके चलते कई अधिकारी कर्मचारी स्थानांतरण नहीं करा पाए थे। इनमें से कुछ ने पदस्थापना स्थल पर निर्धारित समय पूरा नहीं किया,जिससे आवेदन निरस्त कर दिए गए थे। इस वर्ष ये कर्मचारी पदस्थापना काल पूरा कर चुके हैं, अब स्थानांतरण चाहते हैं, लेकिन यह मंशा तभी पूरी होगी, जब शासन द्वारा तबादलों पर से प्रतिबंध हटाया जाए।

पुलिस भर्ती में 2070 महिलाओं का चयन, आवंटित की गई यूनिट

आधार हिस्ट्री, फिटनेस और दस्तावेजों की होगी जांच

मुख्य संवाददाता, भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा वर्ष 2025 की पुलिस आरक्षक भर्ती का अंतिम परिणाम जारी करने के बाद पीएचक्यू की चयन एवं भर्ती शाखा ने चयनित उम्मीदवारों को उनकी इकाइयों का आवंटन कर दिया है। इस भर्ती की सबसे खास बात शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं को दिया गया 35 प्रतिशत आरक्षण रहा। पीएचक्यू से मिली जानकारी के अनुसार आरक्षक (जीडी) के कुल 7500 पदों में से न्यायालय के आदेशानुसार 13 प्रतिशत पदों की सूची को रोककर शेष 87 प्रतिशत पदों का परिणाम घोषित किया गया। इसमें कुल 6520 उम्मीदवार सफल रहे, जिनमें 4450 पुरुष और 2070 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। मध्य प्रदेश में पहली बार एक साथ इतनी बड़ी संख्या में महिला आरक्षकों का चयन हुआ है।

एक माह में पूरी होगी भर्ती

पीएचक्यू ने चयनित उम्मीदवारों के लिए इकाई आवंटन की लिस्ट गुरुवार को ईएसबी की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। उम्मीदवार पोर्टल से अपनी यूनिट की जानकारी लेकर वहां उपस्थित होने के संबंध में जरूरी निर्देश भी डाउनलोड कर सकेंगे। पीएचक्यू ने सभी संबंधित इकाइयों को सख्त निर्देश दिए हैं कि नियुक्ति की शेष औपचारिकताएं और कार्यवाही एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाएं। पिछली बार 2023 की आरक्षक भर्ती में आधार कार्ड अपडेशन के जरिए हुए फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद, इस बार सभी आवेदकों को अपने मूल दस्तावेजों के साथ मोबाइल में आधार अपडेशन की हिस्ट्री भी पुलिस यूनिट के अधिकारियों को दिखानी होगी। इसके अलावा संबंधित यूनिट में ही इन अभ्यर्थियों का फिटनेस टेस्ट होगा, जिसे पास करने के बाद ही उन्हें ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा।

छात्राओं की समस्याएं हल नहीं हुईं तो 8 दिन बाद घेराव: पटवारी

नर्सिंग छात्राओं की पंजीयन समस्याओं से कराया अवगत

विसं, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल के चेयरमैन से मुलाकात की और उन्हें बालाघाट की नर्सिंग छात्राओं के पंजीयन से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराते हुए निराकरण करने का आग्रह किया। यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस 8 दिन बाद कार्यालय का घेराव करेगी। पटवारी ने चेयरमैन से मिलने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह मामला पूरी तरह से छात्राओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है, ऐसे में कांग्रेस किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जिन छात्राओं ने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है, उनका समय पर पंजीयन होना उनका अधिकार है,उनका समय पर पंजीयन होना चाहिए। यह जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की बनती है,कि वह इस पूरे मामले को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत कराए।

अनुसूचित विभाग की हुई बैठक

इधर प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में गुरुवार को कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की प्रदेश कार्यकारणी एवं जिलाध्यक्षों की बैठक हुई,जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, कांग्रेस कार्य समिति सदस्य कमलेश्वर पटेल और विभाग के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप अहिरवार मौजूद रहे। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और सामाजित न्याय की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ी है। अनुसूचित जाति विभाग संगठन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के करोड़ो वंचित , दलित और पिछड़े समाज की आशाओं का आधार है। इसकी रक्षा और सामाजित समता की स्थापना के लिए कांग्रेस निरंतर संघर्ष करती रहेगी।

झरनों और जलस्रोतों की गिनती में देरी पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने जताई नाराजगी, सीएस को भेजा पत्र

ईएनसी के अल्टीमेटम के बाद जल संसाधन विभाग के इंजीनियर जुटा रहे जानकारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में झरनों और जलस्रोतों (वाटर बॉडीज) की गिनती में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय ने कड़ी नाराजगी जताई है। मंत्रालय के सचिव वीएल कांताराव ने प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र लिखकर कहा है कि वॉटर रिसोर्स सेंसस के तहत अब तक झरनों, नदियों और सिंचाई परियोजनाओं की पूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई है। इस पत्र के बाद मुख्य सचिव ने जल संसाधन विभाग के एसीएस राजेश राजौरा को निर्देश दिए कि वे विभाग के अधिकारियों से इस लापरवाही का जवाब मांगें और जल्द से जल्द काम पूरा करवाएं। इसके अलावा जलस्रोतों की गिनती से जुड़े कृषि विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और नगरीय प्रशासन विभाग को भी सीएस ने वॉटरबॉडीज की जानकारी तत्काल भेजने के निर्देश दिए हैं।

केंद्र सरकार ने 31 मई की डेडलाइन तय की

छोटे, मध्यम और बड़े सिंचाई प्रोजेक्ट्स की गणना का काम जल संसाधन विभाग के पास है। उनके एरिया में आने वाले झरनों की गिनती भी जल संसाधन के स्टाफ को ही करनी है। इसको लेकर विभाग के प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा सख्त रुख अपना चुके हैं। उन्होंने सीएस के पत्र के बाद 22 अप्रैल को मुख्य अभियंताओं और परियोजना संचालकों को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि केंद्र से कई बार रिमाइंडर के बावजूद फील्ड स्टाफ सक्रिय नहीं हुआ, जो खेदजनक है। उन्होंने स्टाफ को निर्देश दिए थे कि इस काम को पूरा किया जाए और उसकी जानकारी उनके ऑफिस को भी भेजी जाए। इसके बाद अब यह जानकारी जुटाई जा रही है। झरनों समेत सभी वॉटर बॉडीज की गिनती के लिए केंद्र सरकार ने 31 मई की डेडलाइन तय की है।

जियो टैगिंग के साथ तस्वीरें भी होंगी अपलोड

देश में पहली बार हो रही इस विशेष गणना के तहत मैदानी स्टाफ को मौके पर जाकर झरनों की जियो-टैगिंग करनी है और उनकी तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करनी हैं। इस काम के लिए राच्य में कृषि विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है, जिसमें कुल चार विभाग समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। ईएनसी विनोद देवड़ा का कहना है कि जल संसाधन विभाग ने अपने हिस्से का लगभग काम पूरा कर लिया है। गौरतलब है कि देश में पहली बार होने जा रही इस गणना के जरिए देशभर में अलग-अलग जलस्रोतों की लोकेशन और जानकारी के साथ वहां पानी की उपलब्धता को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। इस सेंसस के बाद जलशक्ति मंत्रालय इन जलस्रोतों के पानी के उपयोग से लेकर वहां पर्यटन स्थल आदि विकसित करने की भी योजना बनाएगा।

फिर अतिथियों से भरे जाएंगे स्कूलों के 70 हजार खाली पद, कल से ऑनलाइन भर्ती

जागरण, भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के खाली पड़े 70 हजार से ज्यादा पद अगले शैक्षणिक सत्र में भी अतिथि शिक्षक से ही भरे जाएंगे। इस बार पूरी भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन रहेगी। इसमें नए अतिथियों के लिए भर्ती प्रक्रिया 2 मई से शुरू की जाएगी। जबकि पुराने व अनुभवी अतिथि शिक्षक सत्यापन के बाद ही भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया का कार्यक्रम और गाइड लाइन जारी कर दी है। इस बार भर्ती प्रक्रिया 2 मई से शुरू की जाएगी। नए आवेदकों के लिए भर्ती प्रक्रिया अलग रहेगी तो पुराने अतिथि शिक्षक विभिन्न चरण पूरे करने के बाद भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। दोनों के लिए भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल 3.0 के जरिए संचालित की जाएगी। इस प्रक्रिया के जरिए प्रदेश के प्राथमिक से लेकर हायर सेकंडरी स्कूलों में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती की जाना है।

ओटीपी से होगा सत्यापन

इस ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए जिला और विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को मोबाइल नंबर अपडेट कराने और सत्यापन प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। संकुल प्राचार्य को ओटीपी के आधार पर ही सत्यापन करना होगा।

ऐसे पूर्ण होगी प्रक्रिया

विभाग द्वारा तय प्रक्रिया के तहत नए आवेदकों को अतिथि शिक्षक पोर्टल अपना पंजीयन कराना होगा। इसके लिए उन्हें न्यू रजिस्ट्रेशन ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। लॉगइन करने के बाद आवेदकों को अपने दस्तावेज जैसी- मार्कशीट, डिग्री, अनुभव प्रमाण पत्र आदि अपलोड करना होंगे। सारे दस्तावेज अपलोड कर अपनी प्रोफाइल लॉगआउट करना अनिवार्य है। इसके बाद सभी आवेदकों को अपने संकुल केंद्र में में जाकर प्राचार्य से दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। सत्यापन के बगैर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण नहीं मानी जाएगी। सत्यापन के बाद ही सभी आवेदकों का स्कोर कार्ड तैयार किया जाएगा और इसी के मेरिट की आधार पर इनका चयन किया जाएगा। वहीं पुराने अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया प्रोफाइल अपडेशन से शुरू होगी।

जनरेट होगा स्कोर कार्ड

प्रोफाइल अपडेट कराने के बाद ही पुराने अतिथि शिक्षकों का स्कोर कार्ड जारी होगा। उन्हें सत्यापन के दौरान अपनी डिग्री व मार्कशीट के अलावा अनुभव प्रमाण पत्र, टीईटी का प्रमाण पत्र अपलोड कराना होगा। सत्यापन के दौरान संकुल प्राचार्य आवेदक के मूल दस्तावेजों से मिलान कर जानकारी को पोर्टल पर स्वीकार या अस्वीकार करेंगे। जानकारी गलत पाई जाती है तो आवेदन रिजेक्ट कर दिया जाएगा, जिसे आवेदक दोबारा सुधार कर जमा कर सकता है। इसलिए पूरी सावधानी रखकर ही आवेदकों को अपना रिकॉर्ड अपलोड करना होगा।

होम्यापैथी कॉलेजों में शोध कार्यों को मिलेगा बढ़ावा

नगर संवाददाता, भोपाल। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. निशांत नमबीसन को राज्य होम्योपैथिक काउंसिल का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और साथियों का आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल की प्राथमिकताएं साझा कीं। डॉ. नमबीसन ने बताया कि उनका बैकग्राउंड रिसर्च से जुड़ा है, इसलिए प्रदेश के निजी होम्योपैथिक कॉलेजों में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके लिए जल्द सेमिनार आयोजित किए जाएंगे और रिसर्च मॉड्यूल तैयार किए जाएंगे, ताकि छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि होम्योपैथिक कोर्स पूरा करने वाले छात्रों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाया जाएगा। इसके लिए एक निश्चित समय सीमा तय करने की योजना है, जिससे छात्रों को अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े। निजी कॉलेजों में इंटीग्रेटेड एप्रोच को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें होम्योपैथी के साथ योग, संतुलित खान-पान और अन्य स्किल्स की जानकारी भी दी जाएगी।

संबल योजना के तहत पात्रों के खाते में सीएम ने अंतरित किए 600 करोड़

केन्द्र के अनुरूप प्रदेश में बनेंगे श्रम नियम : सीएम

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने 4 नई श्रम संहिताओं का प्रावधान किया है। राज्य सरकार भी इन संहिताओं के अनुरूप नियम तैयार कर लागू करेगी। श्रमिक हित में लागू की गई केंद्र और राच्य सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक श्रमिकों को दिलवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

सीएम गुरुवार को मंत्रालय में श्रमिक परिवारों को अनुग्रह सहायता राशि अंतरित करने के उपरांत अपना संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 27 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों के लिए 600 करोड़ रुपए की सिंगल क्लिक के माध्यम से पात्रों के खातों में अंतरित की। डॉ. यादव ने कहा कि श्रमिकों के हित में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं संचालित हैं। अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी संबल योजना का लाभ दिया जा रहा है। इनमें विभिन्न प्रकार की उपभोक्ता सामग्री पहुंचाने वाले गिग वर्कर्स और प्लेटफार्म वर्कर्स को भी शामिल किया गया है। उन्होंने प्रदेश में 3529 गिक वर्कर्स को पहली बार योजना का लाभ प्रदान करने के लिये विभाग की सराहना की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्रम स्टार रेटिंग की अनूठी पहल शुरू की गई है। इस व्यवस्था में औद्योगिक संस्थाओं द्वारा श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने का कार्य किया जा रहा है। श्रेष्ठ कार्य के लिए प्रतिष्ठानों को श्रम स्टार रेटिंग के माध्यम से आंकलन कर प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश में 554 कारखानों ने स्वेच्छा से श्रम स्टार रेटिंग की व्यवस्था को अपनाया है।इस अवसर पर श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उपस्थित थे। डॉ. यादव की श्रमिक हितैषी नीतियों में श्रम एवं पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री पटेल ने विश्वास व्यक्त कर श्रमिक कल्याण की प्राथमिकता के लिये आभार माना। पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में श्रमिकों के हित में प्रारंभ हुई योजना से अब तक एक करोड़ 83 लाख श्रमिक जुड़ चुके हैं।

बैठक — मंत्रालय से ज्यादा मैदानी अधिकारियों के काम पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया

गेहूं उपार्जन: नए कलेक्टर वाले जिलों पर मुख्यमंत्री का फोकस

विशेष संवाददाता, भोपाल। तकरीबन एक माह पहले हुई प्रशासनिक सर्जरी में 14 जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। इनमें से कुछ जिलों में पहली बार आईएएस कलेक्टर बनाए गए हैं। इन अधिकारियों की कार्यशैली की परख करने इन्हीं जिलों पर अपना फोकस बनाए हुए हैं। सूत्रों की मानें तो सीएम गेहूं उपार्जन की वस्तुस्थिति जानने के लिए इन्हीं जिलों में अचानक पहुंच सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से ज्यादा मैदानी अधिकारियों के कामकाज पर ज्यादा ध्यान देना शुरू कर दिया है। विशेषकर कलेक्टर सरकार की योजनाओं और विकास कार्यो पर कितनी रुचि रखते हैं, इस का सीएम सचिवालय द्वारा नियमित आंकलन किया जा रहा है। सीएम अगली कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस से पहले स्वयं अधिकारियों की परफार्मेंस रिपोर्ट तैयाक करेंगे। सीएम ने इसकी शुरूआत गेंहू उपार्जन से की है। जिसमें वे स्वयं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए औचक निरीक्षण पर निकलेंगे।

पहले दिन दो खरीदी केंद्र पहुंचे सीएम

इसकी शुरुआत गुरुवार को खरगोन जिले में मंडलेश्वर तहसील के कतरगांव और शाजापुर जिले के ग्राम मकोड़ी में गेहूं उपार्जन केंद्र से की। इन दोनों खरीदी केन्द्र में सीएम अचानक पहुंचे और उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि गेहूँ उपार्जन से संबधित सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। डॉ. यादव ने कतरगांव में कृषक सुरेश पाटीदार की 55 क्विंटल गेहूं की खरीदी के बाद ई-उपार्जन पोर्टल पर उनकी प्राप्ति ऑनलाइन जनरेट करवाई और कृषक को भुगतान राशि 1 लाख 44 हजार 374 रूपये का प्राप्ति पत्र सौंपा।

सीएम ने किसानों से किया संवाद, ली भुगतान की जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपार्जन केन्द्र कतरगांव में किसान व पशुपालक भागीरथ मालवीय तथा अन्य किसानों से संवाद भी किया। डॉ. यादव ने यहां स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्थायें और किसानों को ओटीपी के माध्यम से किये जा रहे भुगतान की जानकारी प्राप्त की। किसानों से शासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान, सुविधा एवं उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी तरह सीएम ने शाजापुर जिले के ग्राम मकोड़ी में श्यामा गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। डॉ. यादव ने बारदानों पर छपाई कर रही स्व-सहायता समूह की महिला संगीता बाई से छपाई के बारे में पूछा। उन्होंने मुख्यमंत्री लाडली बहना और शासन की अन्य योजनाओं से मिलने वाली राशि के बारे में भी जानकारी ली।

नए मापदंड लागू करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि उपार्जन/खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। गेहूं खरीदी के नए मापदंड जारी हुए है वह लागू हो जाएं। उन्होंने उपार्जन केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

किसानों को तकनीक नहीं न्याय चाहिए: सिंघार

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि किसान गेहूं बेचने के लिए लाइन पर खड़ा है, फिर भी उसका गेहूं नहीं बिक पा रहा है। किसानों को तकनीक नहीं न्याय चाहिए, इसके लिए सरकार को तत्काल टोकन और रसीद के आधार पर खरीदी शुरू करनी चाहिए। गेहूं उपार्जन को लेकर अपने वक्तव्य में सिंघार ने कहा कि किसानों के खेत कट गए, मंडियों भर गई,लेकिन किसानों की झोली खाली है। सर्वर डाउन होने की वजह से स्लॉट बुकिंग बंद होने से किसानों को उनकी फसल बेचने के लिए नंबर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की कागजी किसान नीति और विचौलिया प्रेमी सिस्टम ने हालात ऐसे कर दिए हैं कि किसान मेहनत करें और फायदा कोई और उठाए। सिंघार ने कहा कि सरकार की नीति को किसान देख रहा है और समय आने पर वह इसका जवाब भी देगा।

समाज को मूल संस्कृति से भटकाते हैं विपक्षी दल: हेमंत

विसं भोपाल। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि विपक्षी दल जनजातीय समाज की मूल संस्कृति से भटकाने का काम करती है। जनजातीय समाज इतना अच्छा है कि अपने लिए कुछ नहीं मांगता। यह लोग राष्ट्र और समाज के उत्थान और तरक्की के लिए कार्य करते हैं। खंडेलवाल को पार्टी दफ्तर में आयोजित अनुसूचित जनजाति मोर्चा की कामकाजी बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोर्चा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं को अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महती भूमिका निभा रहे हैं। मोर्चा कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियां व संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि मोर्चा पदाधिकारी व कार्यकर्ता जनजातीय समाज के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी संगठन से जोड़ने के लिए कार्य करें। पार्टी पदाधिकारी समाज के लोगों के साथ बैठें और उन्हें बताएं कि प्रदेश सरकार जनजातीय समाज के लिए कई उल्लेखनीय कार्य कर रही है।

Reliance
Growth is Life

SMART BAZAAR

स्मार्ट बाज़ार का एक ही उसूल हमेशा करेंगे फुल पैसा वसूल.

खुला बिरयानी बासमती चावल 1 kg / क्लासिक कोलम स्टीम चावल 26 kg
₹43.42 /kg
स्मार्ट कीमत ₹91/ ₹1129
एमआरपी ₹1800
बचाइए ₹671
बाज़ार मूल्य ₹100

गुड लाइफ जीरा 500 g / चीनी 5 kg
₹48.40 /kg
स्मार्ट कीमत ₹149/ ₹242
एमआरपी ₹300 / ₹300
बचाइए ₹151 / ₹58

गैलेक्सी चक्की / आशीर्वाद शुद्ध चक्की आटा 10 kg
स्मार्ट कीमत ₹309/ ₹469
खरीदें कोई भी 10 kg आटा और पाइए ₹40 छूट किसी भी खाद्य तेल पर
एमआरपी ₹450 / ₹548
बचाइए ₹141 / ₹79

इंडिपेंडंस सोयाबीन तेल 750 g / सुपर सर्वोत्तम राइस ब्रान तेल 815 g
स्मार्ट कीमत ₹132/ ₹139
एमआरपी ₹185 / ₹189
बचाइए ₹53 / ₹50

पैक्ड दालें संपूर्ण श्रेणी
न्यूनतम 25% छूट
एमआरपी ₹60 या उससे अधिक

ब्रांडेड हार्ड और सॉफ्ट ट्रॉली (चुनिंदा श्रेणी)
फ्लैट 85% छूट
एमआरपी ₹7999 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹1199 या उससे अधिक

बिस्किट्स बड़ा पैक 225 g या उससे अधिक/ लोटे चोको पाई 336 g (चुनिंदा प्रकार)
BUY ANY 2 GET ANY 1 FREE
एमआरपी ₹75 या उससे अधिक /युनिट

कोल्ड ड्रिंक्स और ज्यूसेस 1. 2 L या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार)
BUY ANY 2 GET ANY 1 FREE
एमआरपी ₹70 या उससे अधिक /युनिट

साबुन 125 g x 5 युनिट (मल्टी पैक) (चुनिंदा प्रकार)
BUY ANY 1 GET ANY 1 FREE
एमआरपी ₹299 या उससे अधिक

एरियल / एंज़ो 5 kg / टाइड डिटर्जेन्ट 8 kg (चुनिंदा प्रकार)
फ्लैट 40% छूट
एमआरपी ₹600 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹360 या उससे अधिक

रेड लेबल लीफ टी 1 kg
बचाइए ₹140
एमआरपी ₹520 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹380 या उससे अधिक

सांची देसी घी 1 L
स्मार्ट कीमत ₹579
एमआरपी ₹620
बचाइए ₹41

फुल पैसा वसूल सेल
29th APR-3rd MAY

टूथपेस्ट 300 g (चुनिंदा प्रकार)
न्यूनतम 40% छूट
एमआरपी ₹204 या उससे अधिक

Women's, Men's & Kids' Wear
UP TO 70%* OFF
*Select Merchandise

Ulhaas HAPPY LiVING
Raymond Home myTRIDENT
डबल बेडशीट सेट (चुनिंदा प्रकार)
90% छूट
एमआरपी ₹1199 या उससे अधिक
स्मार्ट कीमत ₹120 या उससे अधिक

अब खुल गया है उज्जैन: OPK बिज़ेस पार्क, श्री माधव क्लब के पास, सिंधी कॉलोनी, रेलवे स्टेशन रोड. इटारसी : LKG प्लाजा, वर्धमान पब्लिक स्कूल के सामने, सोना सावरी नाका, सूरज गंज.

भोपाल: डीबी सिटी मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, ज़ोन 1, एमपी नगर • विरशा एसटीसी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, महेंद्र फ्यूल पॉइंट के सामने, रोहित नगर, बावड़िया कलां मेन रोड, गुलमोहर कॉलोनी • देवाशीष भवन, संतोष विहार कॉलोनी, अयोध्या बायपास रोड बैतूल: किलेदार प्लाजा, ओम शक्ति TVS शोरूम के पास, गुरुद्वारा रोड़ गंज इन्दौर: मल्हार मेगा मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, ए बी रोड • फ़ीनिक्स सिटाडेल मॉल, ग्राउंड फ्लोर, MR 10 जंक्शन • ईज़री वेस्टएंड, लोअर ग्राउंड फ्लोर, AB. रोड, राजेंद्र नगर, हुकमाखेड़ी ग्वालियर : दीनदयाल सिटी मॉल, एमएलबी रोड, लश्कर • केशर टावर्स, रेसकोर्स रोड़ डीबी सिटी मॉल के पास, • रोलेक्स स्कवेयर, सिटी सेन्टर, एयरटेल ऑफिस के पास • संचू टॉवर, HP पेट्रोल पंप के सामने, एयरपोर्ट रोड, महाराजपुरा जबलपुर: साउथ एवेन्यू मॉल, ग्राउंड फ्लोर, ग्वरीघाट रोड़ • अशोक लेलैंड के पास, गुलजार होटल के सामने, महानद्रा, शास्त्री ब्रिज कटनी : सिटी मॉल, रेल्वे स्टेशन के पास, बरही रोड रतलाम: इम्पीरियल मॉल, ग्राउंड फ्लोर, 80 फीट रोड, हनुमान ताल छतरपुर: टिकरिया स्कवेअर, बजाज शोरूम के पास, नौगांव रोड़ उज्जैन: द कॉसमॉस मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, नानाखेड़ा नर्मदापूरम : दुबे कॉम्प्लेक्स, होटल संत कृपा पैलेस के सामने, सतरस्ता छिंदवाड़ा : व्यंकटेश मॉल, नागपुर रोड़, हाईट, ईआयसी चर्च के सामने गुना : सांई सागर हाईट्स, मारुति शोरूम के पास, कमला पेट्रोल पम्प के सामने, ए.बी. रोड़ हरदा : जी.पी मॉल, ग्राउंड फ्लोर, बस स्टेण्ड रोड़ खण्डवा : ट्रेड हाउस, पदम नगर, पुलिस थाने के सामने, इन्दौर रोड़ सागर : पेरेडाइज होटल के पास, जबलपुर रोड़, मकरोनिया • सनराईस प्लाजा, बुंदेलखण्ड मेडिकल कॉलेज के पास, तिली अशोकनगर : अमाया मॉल, HDFC बैंक के पास, सेन चौराहा, विदिशा रोड़ सतना : मोदी टॉवर, पीवीआर सिनेमा के सामने, पन्ना रोड़ ब्यावरा : एमएसएम आर्केड, बैंक ऑफ बड़ोदा के पास, पुराना ए.बी. रोड़ नागदा : अग्रवाल कॉम्प्लेक्स, देव पैलेस होटल के सामने, महाराणा प्रताप चौराहा. खरगोन : गोपाल कुंज कॉम्प्लेक्स, गोपाल तोल कांटे के पास, बिस्टान रोड, शिवपुरी : जनक एम्पायर, क्वॉलिटी होटल के पास, महल कॉलोनी,एबी रोड, विदिशा : लैंडमार्क टॉवर, एक्सीलेंस स्कूल के पास, सांची रोड, सीहोर: एमसीआर बिज़नेस पार्क 2, द रॉयल होटल के पास, गंगा आश्रम, इंदौर भोपाल रोड. राजगढ़: संस्कृति कॉम्प्लेक्स, संस्कृति पैलेस होटल के पास, बायपास रोड. पांढुरना: तेजस प्लाज़ा, पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह के सामने, महावीर वार्ड. पन्ना: केशव राजा मॉल, SP निवास के सामने, सिविल लाइन रोड.

अपना नजदीकी स्टोर पता करने के लिये स्कैन करें

SMART BAZAAR

ऑफ़र यहाँ भी उपलब्ध
fresh Signature.
SMART SUPERSTORE

10% INSTANT DISCOUNT# SBI card
#Min. Trxn.: ₹3,500; Max. Discount: ₹500 per Trxn. per credit card; Validity: 29 Apr - 03 May 2026. T&C Apply.

BAJAJ FINANCE
Get ₹1500 gift voucher on shopping of ₹5000 or more with Bajaj Easy EMI.
Valid Once Per Customer from 29th April to 03rd May 2026

नियम तथा शर्तें लागू। ऑफर स्टॉक खत्म होने तक वैध। सभी ऑफ़र्स को सूचना दिए बिना बदला जा सकता है। प्रोडक्ट्स की दिखाई गई तस्वीरें / फोटोग्राफ्स केवल प्रतिनिधित्व के लिए हैं। होमवेअर और अपैरल ऑफ़र्स चुनिंदा स्मार्ट बाजार और स्मार्ट सुपरस्टोर पर वैध। बजाज फाइनेंस ऑफर केवल स्मार्ट बाजार और स्मार्ट सुपरस्टोर परवैध हैं। सभी प्रोडक्ट्स की एमआरपी में सभी टैक्स शामिल हैं। छूट प्रतिशत को ऑफर मूल्य के लगभग प्रतिशत तक राउंड ऑफ किया गया है। सभी ऑफ़र्स 3 मई 2026 तक मान्य हैं। सभी विवाद केवल मुंबई में स्थित न्यायालयों के अनन्य क्षेत्राधिकार के अधीन हैं।

संक्षिप्त खबरें

अनुसूचित जाति आयोग सदस्य का भेल कॉलेज में किया गया सम्मान

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष एवं नवनियुक्त अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य बारेलाल अहिरवार राज्य मंत्री दर्जा का जन भागीदारी समिति के सदस्यों एवं महाविद्यालय परिवार के द्वारा स्वागत किया गया।

अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य बारेलाल अहिरवार का उच्च शिक्षा विभाग के एडी डॉ मथुरा प्रसाद एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय जैन, जन भागीदारी समिति सदस्य तेज सिंह ठाकुर ने साल श्रीफल फूल माला से स्वागत किया। प्राचार्य डॉ जैन ने बताया कि हमारे महाविद्यालय के लोकप्रिय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार को मध्य प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य पद पर मनोनीत कर राज मंत्री दर्जा दिया है।

इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के छात्रों और अभिभावकों का हुआ सम्मान

भोपाल। इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल भोपाल ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की एआईएसएसई परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए मेधावी छात्रवृत्ति और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रों के शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए कई श्रेणियों में वित्तीय पुरस्कार और सम्मान प्रदान किये गए। शीर्ष पांच स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों जिसमें लावण्या वार्षणेय ने 99.2 प्रतिशत प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवान्वित बढ़ाया। सूची में कमशः अदिति मोरेश्वर, गौरांश पाटीदार, तारिका सिंह, भुवि दुबे ने द्वितीय स्थान, तृतीय स्थान, चतुर्थ स्थान, एवं पंचम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय द्वारा 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसमें वित्तीय पुरस्कार, ट्रॉफी, स्कॉलर बैज, स्कॉलर टाई, और मैरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। विशेष उपलब्धि के रूप में जिन बच्चों ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किये उन छात्रों को सब्जेक्ट एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया। समारोह की खास बात यह रही कि केवल छात्रों को ही नहीं, बल्कि उनकी सफलता के आधार स्तंभ रहे अभिभावकों को भी मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अवधपुरी शराब दुकान हटाने के लिए रहवासियों ने दिया 5 दिन का अल्टीमेटम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी के अवधपुरी क्षेत्र में स्थित शुभालय विलास रहवासी सोसायटी के सामने संचालित शराब की दुकान को हटाने की मांग को लेकर 26 दिनों से धरना जारी है। रहवासियों ने अब शासन-प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। रहवासियों का कहना है कि यह दुकान पिछले एक साल से रहवासी इलाके में चल रही है। पिछले साल भारी विरोध के बाद प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि अगले वर्ष दुकान नहीं खुलेगी, लेकिन इस साल फिर से इसे इसी क्षेत्र में दुकान खोल दी गई। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि एक महीने से चल रहे प्रदर्शन के बावजूद अब तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उनकी सुध लेने तक नहीं पहुंचा। गुरुवार को रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 5 दिनों के भीतर शराब की दुकान को नहीं हटाया गया, तो अवधपुरी क्षेत्र के लगभग 10,000 लोग सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेंगे।

पिकअप की टक्कर से किसान की मौत

जागरण, भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र में पिकअप ने किसान को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय राजू गुर्जर पति भंवर उनदरई गांव में रहते थे। वह खेती-किसानी करते थे। गुरुवार सुबह साढ़े 10 बजे वह घर से खेत जा रहा थे। जहां गांव के जोड़ के पास गोदिया सनखेड़ी की ओर आ रहे पिकअप ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए की नई पहल

भोपाल। भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने संपर्क केंद्र पर वीडियो बातचीत के माध्यम से भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) में सहायता सेवा शुरू करने की घोषणा की। भारतीय बैंकिंग अपनी तरह की यह अग्रणी पहल, सुनने या बोलने में अक्षम ग्राहकों को विशेष रूप से प्रशिक्षित आईएसएल जो वीडियो बातचीत के ज़रिए ग्राहकों की सहायता करेंगे, के माध्यम से बाधारहित बैंकिंग सहायता प्राप्त करने मे बनाएगी। यह सेवा पाँच प्रमुख ग्राहक सेवा केंद्रों बैंक ऑफ बड़ौदा की वेबसाइट, बॉब वर्ल्ड मोबाइल बैंकिंग ऐप, का बैंकिंग, फिजिटल शाखाएं तथा आदि जो बैंक का जेन एआई-पावर्ड चैटबॉट है, के माध्यम से उपलब्ध है। जो वीडियो कॉल फीचर का चयन करेंगे, उनके पास वॉइस के साथ वीडियो कॉल और सांकेतिक भाषा के साथ कॉल का विकल्प होगा। सपोर्ट के लिए, बैंक ने एक विशेष भर्ती अभियान शुरू किया है ताकि भारतीय सांकेतिक भप्रशिक्षित ग्राहक सेवा सहयोगियों को नियुक्त किया जा सके और सुनने या बोलने में अक्षम ग्राहकों को प्रभा प्रदान की जा सकें।

यूको बैंक की मजबूत बढ़त, मुनाफा 22 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

भोपाल। 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में बैंक ने शानदार वित्तीय प्रदर्शन करते हुए सभी प्रमुख मानकों पर मजबूती दिखाई है। बैंक का कारोबार बढ़कर 5,90,314 करोड़ पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14.95 प्रतिशत अधिक है। इसमें सकल अग्रिम 19.44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,62,752 करोड़ और कुल जमा 11.59 प्रतिशत बढ़कर 3,27,563 करोड़ हो गया है। जमा संरचना में भी बैंक की स्थिति मजबूत हुई है। कासा जमा 12.46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,17,752 करोड़ तक पहुंच गया। इसमें बचत जमा 1,01,025 करोड़ और चालू जमा 16,727 करोड़ रहा। कासा अनुपात में 74 बेसिस पॉइंट्स का सुधार दर्ज करते हुए यह 38.65 प्रतिशत हो गया है, जो बैंक की बेहतर फंडिंग स्थिति को दर्शाता है। लाभप्रदता के मोर्चे पर भी बैंक ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

जनगणना के पहले चरण में 7.33 लाख परिवारों ने दी ऑनलाइन मकानों की जानकारी

आज से घर-घर जाएंगे 1.70 लाख प्रगणक और सुपरवाइजर, 30 मई तक होगी गिनती, पौने दो लाख कर्मचारियों की लगी ड्यूटी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। जनगणना के पहले चरण के दौरान 16 अप्रैल से 30 मई तक मकानों की स्व-गणना संपन्न हो गई है। गुरुवार देर रात तक कुल 7 लाख 33 हजार परिवारों ने अपने मकानों की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से दर्ज करा दी है। प्रभारी जनगणना निदेशक कार्तिकेय गोयल ने भोपाल में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार, 1 मई से प्रदेश में मकानों की गिनती के लिए घर-घर जाकर जानकारी जुटाई जाएगी। इस दौरान जिन लोगों ने स्व-गणना (सेल्फ असेसमेंट) के जरिए ऑनलाइन जानकारी दी है, उनका भी सत्यापन किया जाएगा। इस काम में लगभग 1 लाख 70 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिनमें 72 प्रमुख जनगणना अधिकारी होंगे, जबकि 440 जिला स्तरीय अधिकारी, 989 चार्ज अधिकारी, 3028 मास्टर और फील्ड ट्रेनर्स के अलावा 1 लाख 41 हजार प्रगणक और 24 हजार 300 सुपरवाइजर शामिल हैं। जिलों के कलेक्टरों को जिला जनगणना कमांडर बनाया गया है। जनगणना निदेशालय के अनुसार, प्रदेश को मकानों की गिनती के लिए कुल 1 लाख 37 हजार ब्लॉक में बांटा गया है। जनगणना अधिनियम के अनुसार, इन आंकड़ों का उपयोग टैक्स, पुलिस या किसी जांच प्रक्रिया में नहीं होगा और न ही इन्हें कोर्ट में किसी सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इन आंकड़ों से विकास की योजनाएं तैयार की जाएंगी। जनगणना के लिए गृह विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

डिजिटल होगी प्रक्रिया अभियान के दौरान जनगणना कर्मी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को जनगणना निदेशक कार्तिकेय गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों और नगर निगम आयुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बार की जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता इसका पूरी तरह डिजिटल होना है। प्रगणक अपने साथ एक टैब लेकर जाएंगे और इसमें मोबाइल ऐप के जरिए घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। बैठक में निर्देश दिए गए कि डेटा संग्रहण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनगणना के लिए जाने वाले सभी सरकारी अफसरों और कर्मचारियों को सुरक्षा के लिए फोटोयुक्त पहचान-पत्र जारी किए गए हैं। इसके अलावा, किसी भी तकनीकी समस्या या सहायता के लिए प्रशासन ने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया है। जनगणना निदेशालय सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और फेक न्यूज पर लगाम कसने के लिए जिलों में विशेष निगरानी टीमें भी तैनात करेगा।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष रणनीति

- **शहरी क्षेत्र:** बंद गेट वाली कॉलोनियों और अपार्टमेंट में गणना कार्य के लिए आवासीय समितियों के साथ समन्वय किया जाएगा ताकि कोई भी परिवार छूट न जाए।
- **ग्रामीण क्षेत्र:** गांवों में मुनादी और अन्य माध्यमों से जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि लोग स्वेच्छा से सही जानकारी साझा करें।
- **निगरानी:** दूरस्थ इलाकों तक अभियान की पहुंच सुनिश्चित करने और किसी भी क्षेत्र की दोहरी गणना रोकने के लिए एक मॉनिटरिंग तंत्र भी विकसित किया गया है।
- **अपील:** जनगणना निदेशालय ने लोगों से अपील की है कि वे जनगणना के लिए आने वालों को सही और सटीक जानकारी दें, ताकि सही डेटा सरकार तक पहुंच सके। इसके अलावा, जनगणना के नाम पर होने वाली किसी भी धोखाधड़ी को रोकने के लिए लोगों से जनगणना टीम का पहचान-पत्र मांगने की सलाह दी गई है।
- **सजा का भी प्रावधान:** इस बार की जनगणना के लिए सवालों की सूची पहले से ही तय कर दी गई है। यदि टीम के साथ किसी प्रकार की अभद्रता की जाएगी, तो आरोपी को तीन साल तक की जेल का प्रावधान है। इसके अलावा, टीम या प्रगणक द्वारा अवांछित सवाल करने पर उनके लिए भी सजा का प्रावधान रखा गया है। महिलाओं को अधिकार है कि यदि वे अगर न चाहें तो अपने पति या पूर्व पति का नाम टीम को बताने से इनकार कर सकती हैं।

लेनदेन को लेकर बीटेक छात्र से घर में घुसकर मारपीट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। लेनदेन को लेकर बीटेक छात्र से घर में घुसकर मारपीट की गई। आरोपी, उसका लैपटॉप छीनकर ले गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर बागसेवनिया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक, मूलतः नर्मदापुरम निवासी 21 वर्षीय ओम पटेल पिता सुभाष पटेल यहां शिक्षक कांग्रेस कालोनी बागसेवनिया में रहता है। वह एक निजी कालेज में बीटेक का छात्र है। उनसे पुलिस को बताया कि 26 अप्रैल की शाम सवा छह बजे वह अपने कमरे पर था। तभी 3-4 लड़के रूम के अंदर आए। उनके नाम मिलन चौधरी, राज पटेल थे, जिनको वह पहले से जानता है। मिलन का उसके बड़े भाई रितिक से रुपए का कुछ लेनदेन है। आते ही वह गालियां देने लगे। भाई के बारे में पूछा। ओम ने बताया कि वह यहां अकेला रहता है। भाई उसके साथ नहीं रहता। मिलन ने पैसों की बात की, तो ओम ने कहा कि तुम पैसे ले चुके हो, अब क्यों मांग रहे हो। इसको लेकर उन्होंने ओम के साथ मारपीट की। इसके बाद उसका लैपटॉप उठाकर ले गए। जाते-जाते धमकी दी कि किसी को लैपटॉप ले जाने की बात कही तो ठीक नहीं होगा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाजियों पर युद्ध की मार, 10 हजार रु. महंगा हुआ मक्का-मदीना का सफर

मप्र से 8 हजार श्रद्धालु गए हैं हज पर, 15 मई से पहले देना होंगे अतिरिक्त दस हजार

नगर संवाददाता, भोपाल। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध का सीधा असर इस बार की हज यात्रा पर देखने को मिल रहा है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज यात्रा के बीच एक आदेश जारी किया है। इस आदेश के मुताबिक प्रत्येक हाजी को दस हजार रुपए अतिरिक्त देना होंगे। यह आदेश उन हाजियों पर भी लागू है, जो आदेश निकलने से पहले हज पर जा चुके हैं। आदेश का पालन 15 मई तक करना होगा। यानि 15 से पहले प्रत्येक हज यात्री को दस हजार रुपए अतिरिक्त देना होंगे। इस आदेश का असर मध्य प्रदेश के करीब 8 हजार श्रद्धालुओं पर भी पड़ रहा है। यह सभी फिलहाल हज यात्रा पर जा चुके हैं।

हवाई ईंधन महंगा होने को बनाया कारण

हज कमेटी ऑफ इंडिया ने जारी आदेश में लिखा है कि मिडिल ईस्ट में मौजूद संकट और हवाई ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण हज यात्रा का सफर महंगा हो गया है। इसलिए इंडिया से हज पर जाने वाले हाजियों को प्रति हाजी दस हजार रुपए अतिरिक्त देना होंगे। जानकारी अनुसार मप्र से हज यात्रा पर जाने वाले प्रत्येक हज यात्री का खर्च करीब 3.5 लाख रुपए है। जो कि पिछले साल की तुलना में लगभग 50 हजार रुपए ज्यादा है। अब इस राशि में दस हजार रुपए और जुड़ गए हैं।

जब एडवांस बुकिंग, तो बढ़ोतरी कैसी

ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड के काजी सैयद अनस अली का कहना है कि जब हाजियों से करीब 8 पहले राशि जमा करा ली गई है तो इस तरह की बढ़ोतरी से उन्हें महफूज रखना चाहिए। कमेटी हाजियों की राशि पर मोटा ब्याज कमा रही है और इस तरह के खर्च भी लागू कर रही है, जो पूरी तरह गैर जरूरी है। हज कमेटी को यह फैसला तत्काल वापस लेना चाहिए।

समिति की बैठक में उठा रेल नीर व आरकेएमपी की पार्किंग का मुद्दा

डीआरएम कार्यालय में हुई रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की बैठक

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल रेल मंडल कार्यालय हबीबगंज में गुरुवार को मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्ष डीआरएम पंकज त्यागी ने की। बैठक में 15 सदस्यों में से कुल 10 सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति के सचिव एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भोपाल मंडल की उपलब्धियों एवं वर्तमान में प्रदान की जा रही यात्री सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। समिति सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्रों की समस्याएं और मांगों को अध्यक्ष रखा। नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा नामित सदस्य निलेश श्रीवास्तव ने समिति को बताया कि मैंने मंडल के 40 स्टेशनों का निरीक्षण किया। जहां स्वच्छता व शौचालय की व्यवस्था बहुत दयनीय स्थिति में है। साथ ही स्टेशनों व ट्रेनों में चल रहे अवैध वेंडरों के खिलाफ भी महत्वपूर्ण चर्चा की। गर्मी में आमजन को पानी की बहुतायत में

आवश्यकता पड़ती है किंतु यात्रियों को रेल नीर 14 के स्थान पर 15 की मिलती है साथ कई स्थानों पर रेल नीर के स्थान पर लोकल पानी 15-20 रुपए में बेचा जाता है। निलेश श्रीवास्तव ने रानी कमलापति स्टेशन की पार्किंग का विषय भी गंभीरतापूर्वक रखा। उन्होंने डीआरएम से मांग की कि इस स्टेशन पर बड़ी संख्या में अप-डाउनर्स आते जाते हैं। इन्हें रियायत दर पर अपना वाहन खड़ा करने की सुविधा दी जाए।

विधि, संस्कृति व शोध तकनीकों से जुड़ा व्यावहारिक अनुभव

छात्राओं ने भ्रमण में सीखी लाइब्रेरी की बारीकियां

जागरण, भोपाल। सरोजनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा 30 अप्रैल को छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी के मार्गदर्शन में एम.लिब. और बी.लिब. की 33 छात्राओं एवं 3 फैकल्टी सदस्यों ने इसमें सहभागिता की। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट के पुस्तकालय में विधि, संविधान और मानवाधिकार से जुड़ी सामग्री का अध्ययन किया। इसके साथ ही इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के पुस्तकालय में भारतीय संस्कृति, जनजातीय जीवन और मानवशास्त्र से संबंधित दुर्लभ दस्तावेजों का अवलोकन किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने छात्राओं को आधुनिक पुस्तकालय प्रणाली, ई-रिसोर्सेस और शोध तकनीकों की जानकारी दी। छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। भ्रमण के बाद प्राचार्य ने फीडबैक लेते हुए छात्राओं को उच्चवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मायके से लौटी महिला और पत्नी से विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में दो दिन पहले मायके से लौटी महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय आशा सांवले पति लालू बाजपेयी नगर में रहती थी। वह बंगलों में काम करती थी। 6 साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसकी दो बच्चियां है। उसका पति शराब पीने का आदी था। वह जो कमाती थी। वह उससे छीनने के बाद शराब पीने में उड़ा देता था। दो दिन पहले पति उसे मना कर मायके से घर लाया था। जिसके दूसरे दिन बुधवार शाम को आशा ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के वक्त बच्चियां घर के बाहर खेल रही थी। इधर, गौतम नगर थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय मोंटी अहिरवार पिता भूरालाल अटल अयूब नगर में रहता था। वह गणेश मंदिर के पास खिलौने की दुकान लगाता था। उसका ढाई साल का बेटा है। कुछ दिन पहले पत्नी से उसका विवाद हुआ था। जिसके बाद पत्नी बच्चे को लेकर मायके चली गई। जिसके चलते वह अक्सर परेशान रहता था। इस दौरान डिप्रेशन के चलते बुधवार शाम पांच बजे उसने अपने कमरे में पंखे से फांसी का फंदा बनाकर जान दे दी।

अंतर्नाद' का समापन : रिश्तों, सपनों और संघर्ष के बीच उलझी जिंदगी को मंच पर किया प्रस्तुत

जब आखिरी साल बना जिंदगी का आईना, `द फाइनल ईयर' ने दिखाई युवाओं की सच्चाई

जागरण, भोपाल। दुष्यंत संग्रहालय में चल रहे 'अंतर्नाद' नाट्य समारोह का समापन गुरुवार को नाटक 'द फाइनल ईयर' के भावपूर्ण मंचन के साथ हुआ। अंतिम दिन की यह प्रस्तुति केवल एक नाटक नहीं रही, बल्कि युवावस्था के उस मोड़ की अनुभूति बन गई, जहाँ सपने, रिश्ते और संघर्ष एक साथ टकराते हैं। उच्चवल सिन्हा के निर्देशन में मंचित इस नाटक ने दर्शकों को हँसी, खामोशी और भीतर तक उतरती संवेदनाओं के बीच झुलाते हुए एक गहरी छाप छोड़ी।

1 कमरा, 4 किरदार और आखरी साल : नाटक की कहानी एक कमरे के भीतर घटती चार किरदारों के जरिए आगे बढ़ती है, जो अपने-अपने सपनों, रिश्तों और असफलताओं के साथ जूझ रहे हैं। उनकी बातचीत में दोस्ती की गर्माहट भी है और टूटते भरोसे की टीस भी। बातचीत, टकराव और खामोशियों के बीच धीरे-धीरे उनके रिश्तों की परतें खुलती हैं। कभी हल्की हंसी के बीच अचानक गहराता सन्नाटा, तो कभी एक साधारण-सी बात से खुलते पुराने जख्म। यह एहसास कराती हैं कि हर मुस्कान के पीछे कोई अधूरी कहानी छिपी होती है। दिल टूटने की कसक, भविष्य की अनिश्चितता और अपने-अपने संघर्ष ये सब मिलकर दर्शकों को अपने ही जीवन के किसी मोड़ पर ले जाते हैं। यह कहानी बताती है कि 'फाइनल ईयर' सिर्फ पढ़ाई का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसे दौर की शुरुआत है, जहां हर फैसला जिंदगी की दिशा तय करता है।

संचालनालय, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, मध्यप्रदेश भोपाल के अंतर्गत अस्पताल सहायक के रिक्त पदों की भर्ती परीक्षा-2026 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि 07.05.2026 से 21.05.2026 तक | ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी | आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 07.05.2026 से 26.05.2026 तक

संभावित परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
24 जून 2026 बुधवार से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 08:00 से प्रात: 09:00 बजे तक	प्रात: 10:00 से 12:00 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 03:00 से 05:00 बजे तक (02 घंटे)

पद संख्या : 1200, न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता : कम से कम हाईस्कूल/दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत नियम पुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **संभावित परीक्षा शहर :** भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खण्डवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी एवं उज्जैन
4. **परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/-
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रु. 250/-
केवल सीधी भर्ती- बैकलॉग पदों हेतु	कोई शुल्क नहीं
ऑनलाइन आवेदन : कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश :

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोडने की अनुमति नही होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नही किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 04/2026

संचालक
मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
Madhya Pradesh Employees Selection Board (MPESB)
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-0755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/125584/2026

दैनिक जागरण
भोपाल, 1 मई 2026

राजधानी जागरण

05

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 43.6°c न्यूनतम 26.6°c
राजधानी में गर्मी शबाब पर है। आज भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

संस्कृति यात्रा
- स्थान: रवींद्र भवन
- समय: शाम 7 बजे

कवि सम्मेलन
- स्थान: पिपलानी पेट्रोल पंप
- समय: शाम 8:00 बजे

आर्ट कैंप
- स्थान: ध्रुपद संस्थान
- समय: सुबह 9:30 बजे से

गीत पाठशाला
- स्थान: दुष्यंत संग्रहालय
- समय: शान 5:30 बजे

कला प्रदर्शनी
- स्थान : मानव संग्रहालय
- समय: शाम 5 बजे

स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026
- स्थान: गौहर महल
- समय: दोपहर 12 बजे से

हमीदिया व एम्स में आज से कई डॉक्टर छुट्टी पर, बढ़ेगी परेशानी

मई व जून में रहते हैं ज्यादातर चिकित्सक अवकाश पर • दो महीने चलता है समर हॉलीडे • पारा चढ़ते ही बढ़ता है बीमारियों का ग्राफ

नगर संवाददाता, भोपाल। शहर के दो बड़े अस्पतालों में शुक्रवार से इलाज की प्रक्रिया थोड़ी बाधित होने वाली है। इसका कारण है दोनों अस्पतालों के चिकित्सकों का लंबी छुट्टी पर जाना। दरअसल मई व जून महीने में मेडिकल कॉलेजों में समर होलीडे कैलेंडर लागू होता है। इस कैलेंडर का लाभ ज्यादातर चिकित्सक उठाते हैं। इन दो महीनों में करीब 80 प्रतिशत से अधिक चिकित्सक अवकाश लेते हैं। इसमें 15 दिन छुट्टी मिलती है, साथ में डॉक्टर 15 दिन की छुट्टी अपनी इच्छा से ले सकते हैं। इस तरह एक डॉक्टर एक साथ पूरे महीने छुट्टी पर रह सकता है। इस सुविधा का चिकित्सक भरपूर उपयोग करते हैं और लंबे अवकाश पर चले जाते हैं। यह व्यवस्था हर साल मई व जून में लागू होती है। इसलिए अगले दो महीने हमीदिया व एम्स में चिकित्सक अवकाश पर रहेंगे। इससे मरीजों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ सकता है।

गर्मी में बढ़ते हैं मरीज, आएगी दिक्कत

मौसम का पारा चढ़ते ही बीमारियों का ग्राफ भी बढ़ता है। एम्स, हमीदिया और जेपी अस्पताल में अप्रैल के महीने में तीन लाख से ज्यादा मरीज ओपीडी में पहुंच चुके हैं। इनमें से 60 फीसदी से ज्यादा मरीज मौसमी बीमारियों से पीड़ित थे। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में यह ग्राफ और भी बढ़ सकता है। लेकिन अगले दो महीने हमीदिया और एम्स में मरीजों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ सकता है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीजों को परेशानी ना हो इसके लिए एक महीने पहले ही तैयारी कर ली जाती है।

नए सिरे से तैयार होता है रोस्टर

समर वेकेशन कैलेंडर की तैयारी पहले से की जाती है। किसी विभाग के सभी डॉक्टरों को एक साथ छुट्टी नहीं दी जाती। आधे डॉक्टर एक मई से 31 मई और बाकी आधे एक जून से 30 जून तक अवकाश पर रहते हैं। इस दौरान बाकी बचे डॉक्टर ओपीडी के साथ ऑपरेशन भी करते हैं। यही नहीं पीजी डॉक्टरों की ड्यूटी भी ओपीडी में लगाई जाती है। इसके लिए नए सिरे से ड्यूटी रोस्टर तैयार किया जाता है। हालांकि जिस विभाग में एक ही डॉक्टर हैं वहां परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हमीदिया में कुल 350 डॉक्टर

सबसे ज्यादा तकलीफ मेडिसिन और रेस्पीरेटरी डिपार्टमेंट के मरीजों को होगी। गर्मियों में मौसमी बीमारियां जैसे डायरिया, वायरल या सांस की तकलीफ ज्यादा होती है। इसके साथ ही ही ऑपरेशन के लिए मरीजों की वेटिंग हो सकती है। हमीदिया अस्पताल के क्लीनिकल डिपार्टमेंट में कुल 350 डॉक्टर हैं। इनमे से मई में 175 तो बाकी 175 डॉक्टर जून में छुट्टियों पर रहेंगे। एम्स मेडिकल कॉलेज से मिली जानकारी के मुताबिक यहां करीब 300 चिकित्सक हैं जिसमें से आधे यानी 150 चिकित्सक मई में बाकी जून से 30 दिनों की छुट्टी पर रहेंगे। डॉक्टरों के ना होने पर मरीजों को यहां भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा ।

मरीजों को यहां होगी परेशानी

- ओपीडी मे आधे डॉक्टर ही रहेंगे, जिससे दिखाने के लिए लंबी कतार लगेगी।
- सुपर स्पेशलिटी विभागों में एक या दो डॉक्टर ही रहेंगे। उन्हें ओपीडी में
- मरीजों का इलाज करने के अलावा सर्जरी भी करना होगी। ऐसे में ज्यादा जरूरी नहीं होने पर सर्जरी टाली जा सकती है।
- ऑन कॉल ड्यूटी के लिए भी डॉक्टर कम हो जाएंगे।

"यह हर साल की व्यवस्था है, लेकिन मरीजों को परेशानी न हो हम इसकी पूरी तैयारी करते हैं। जो डॉक्टर ड्यूटी पर रहते हैं उन्हें डबल काम करना होता और इस बीच फिर उन्हें एक भी छुट्टी नहीं दी जाती।
■ डॉ. कविता एन सिंह, डीन जीएमसी भोपाल

संक्षिप्त खबरें

गुनगा में ट्रैक्टर रिवर्स करते समय युवक की हुई मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गुनगा इलाके में ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बटाईदार की मौत हो गई। घटना के वक्त किसान ट्रैक्टर रिवर्स कर रहा था। तभी बटाईदार ट्राली की हुक लगा रहा था। पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय रवि अहिरवार रौंझिया गांव बैरसिया का रहने वाला था। वह इलाके के ही एक किसान के खेत में बटाईदार का काम करता था। बुधवार को वह गेहूं बेचने किसान के साथ गुनगा के बगराज सोसायटी में आया था। वह ट्रैक्टर ट्रॉली में बैठकर आए थे, जिसमें गेहूं रखा था। दोपहर के समय गेहूं के बारों के बिक जाने के बाद ट्रैक्टर को रिवर्स कर वापस ले जाना था। रवि ट्रैक्टर और ट्रॉली के बीच लगे हुक को ठीक से लगा रहा था। किसान ने ध्यान नहीं दिया। ट्रैक्टर को तेजी से रिवर्स कर दिया। इससे रवि ट्रैक्टर और ट्रॉली की चपेट में आने के बाद पहिए के नीचे आ गया। उसे तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

जागरण, भोपाल। खजूरी इलाके में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार 50 वर्षीय संतोष बंशकार पिता दमोदीलाल दोराहा जोड़, राम नगर कॉलोनी में रहते थे। वह खेती किसानी करते थे। बुधवार दोपहर वह बिलकिसगंज झागरिया में बहू को मायके छोड़कर बाइक से घर जा रहे थे। जहां बुधवार देर रात तूमड़ा जोड़ के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कार में सवार चालक समेत चार अन्य आरोपी मौके से भाग गए।

जमीन पर कब्जे को लेकर प्रापर्टी डीलर पर केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। खजूरी सड़क इलाके में ढाई एकड़ जमीन पर कब्जा को लेकर प्रापर्टी डीलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी अनुबंध के आधार पर जमीन पर अपना बोर्ड गाढ़ रहे थे। जबकि पीड़ित अनुबंध की राशि लौटाकर जमीन का सौदा करने से मना कर चुके थे। खजूरी सड़क थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने बताया कि बैरागढ़ निवासी नरेंद्र केसवानी प्रापर्टी डीलर हैं। उनकी और उकने परिवार के नाम से भौंरी जोड़ के पास करीब ढाई एकड़ जमीन है। करीब डेढ़ साल पहले नरेंद्र ने इस जमीन को बेचने के लिए प्रापर्टी डीलर आशीष सिंगरौली ने अनुबंध किया था। इसके एवज में आशीष ने 50 लाख रुपए दिए थे। बाद में नरेंद्र ने जमीन बेचने से मना कर दिया। इसके बाद ही 50 लाख रुपए आनलाइन लौटा दिए। लेकिन इस बात के लिए आशीष राजी नहीं थे। उनका कहना था कि जमीन का अनुबंध मुझ से हुआ है। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद चल रहा था। बुधवार को आशीष, जमीन पर अपना बोर्ड लगाने पहुंच गए। इसकी जानकारी लगते ही नरेंद्र व पुलिस मौके पर पहुंची।

दसवीं में सप्लीमेंट्री आने पर छात्र ने लगाई फांसी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में दसवीं कक्षा में सप्लीमेंट्री आने से दुखी होकर छात्र ने फांसी लगा ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। 17 वर्षीय लक्की यादव अहीर मोहल्ला जहांगीराबाद में अपनी मां के साथ रहता था। उसके पिता का पूर्व में निधन हो चुका है। लक्की दसवीं कक्षा का छात्र था। इस वर्ष उसकी परीक्षा में किसी विषय में सप्लीमेंट्री आई थी। तब से वह तनाव में रहता था। बुधवार रात करीब नौ बजे वह घर में अकेला था। तभी उसने यह कदम उठा लिया। मां ने उसे फंदे पर लटका देखा तो पड़ोसियों की मदद से नीचे उतारा। उसे पास स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अवैध हथियार खरीदकर भोपाल में बेचने वाले सरगना समेत 8 आरोपी गिरफ्तार

3 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 5 जिंदा कारतूस और 8 मोबाइल फोन जब्त

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बड़वानी जिले के सिगलीगर से अवैध हथियार खरीदकर भोपाल में बेचने वाला सरगना खरगौन निवासी अली खान समेत 8 आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से 3 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 5 जिंदा कारतूस और 8 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। आरोपियों से बरामद माल की कीमत 4 लाख रुपए है। अधिकांश आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकार्ड है। सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है। क्राइम ब्रांच पुलिस का कहना है कि बीएनएसएस की धारा 107 के अनुसार आरोपियों की संपत्ति की जब्ती और कुर्की की जाएगी। क्राइम ब्रांच पुलिस के मुताबिक, मुखबिर की सूचना पर सीआई कालोनी स्थित जदा कब्रिस्तान के पास से एक युवक की घेराबंदी की गई थी। संदिग्ध युवक की पहचान दानिश उर्फ दन्नी खान (20) पिता शरीफ खान निवासी हाईलाइट अपार्टमेंट, सेकंड ब्लॉक रेतघाट के रूप में हुई। तलाशी लेने पर

आरोपी के पास से एक देशी पिस्टल मैगजीन सहित बरामद हुई। मैगजीन में एक जिंदा कारतूस मिला। पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर अवैध पिस्टल, कारतूस व मोबाइल जब्त किया।

निशानदेही पर दी दबिश

आरोपी की निशानदेही पर अन्य स्थानों पर पुलिस ने दबिश दी। टीटीनगर स्टेडियम के पास पार्क की बाउंड्री क्षेत्र से अमन (24) निवासी इस्लामी गेट कबीटपुरा, मुस्तफा (20) निवासी रेतघाट को गिरफ्तार किया। इसके पास से एक जिंदा कारतूस, एक देशी कट्टा एवं मोबाइल जब्त किया। खटलापुरा रोड स्थित जल क्रीड़ा केंद्र के पास से तालिब (19) निवासी अशोका गार्डन को पिस्टल एवं जिंदा कारतूस समेत गिरफ्तार किया। करिश्मा पार्क एमवीएम कालेज के पास अरशान खान (21) निवासी डेयरी फार्म, खानूगांव एवं सरफराज पठान (26) निवासी बिस्मिल्ला मस्जिद के पास खानूगांव को गिरफ्तार किया। जिसके पास से जिंदा कारतूस एवं मोबाइल फोन जब्त किए।

अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के प्रयास

पुलिस की जांच में सामने आया है कि अधिकांश आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट, आर्म्स एक्ट एवं अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। विशेष रूप से मोहम्मद अमन, मोहम्मद मुस्तफा एवं गुफरान के खिलाफ कई आपराधिक रिकार्ड पाए गए हैं। मुख्य तस्कर अली खान निवासी खरगौन ने अवैध हथियार बड़वानी जिले के सिकलीगर से खरीदना बताया। अन्य गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में भोपाल शहर में अन्य तस्करों को अवैध हथियार बेचना बताया है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

बुद्ध पूर्णिमा आज

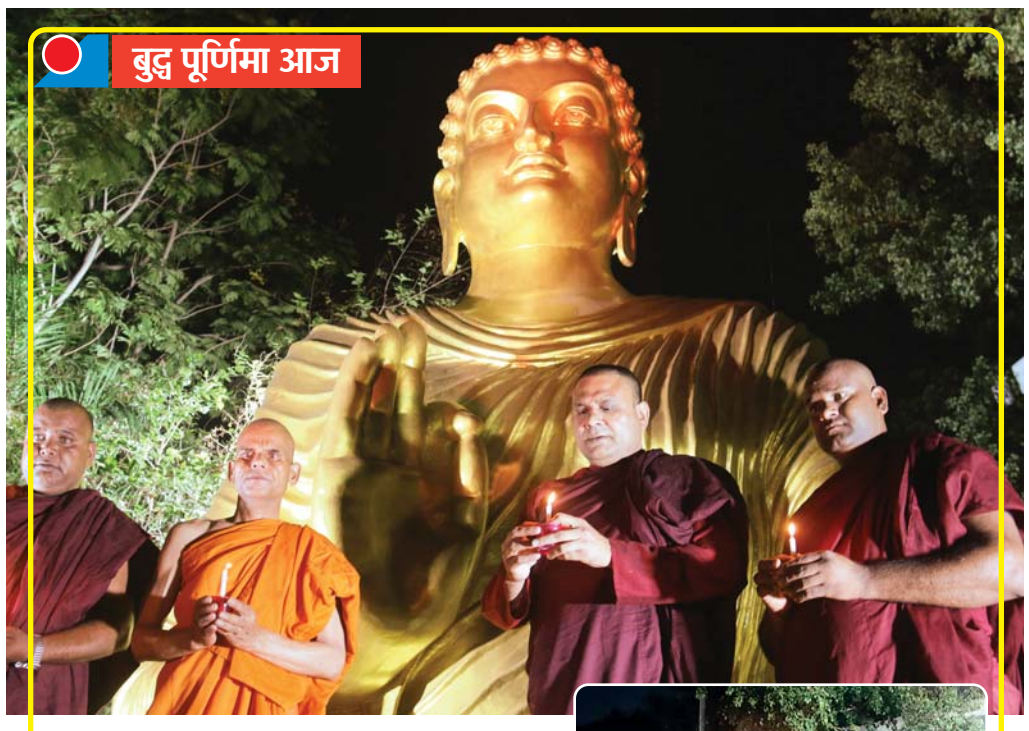

शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध की जयंती करुणा बुद्ध विहार में दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मनाई जायेगी। करुणा बुध्द विहार को सजाया गया है। जयंती की पूर्व संध्या पर विश्व शांति, समता, सद्भाव, करुणा और भाचारी स्थापित करने के लिए मोमबत्ती रैली निकाली गई। भगवान गौतम बुद्ध की जन्म से अर्हंत तक के कटआउट को रैली मे शामिल कर डीजे के साथ बुद्धम सरण गच्छामि की धुन के साथ प्लेटिनम प्लाजा, माता मंदिर चौराहा, पंचशील नगर चौराहा, सेकंड स्टाप होते हुये करुणा बुध्द विहार मे समापन किया गया।

दवा कंपनी में निवेश के नाम पर 40 लाख की धोखाधड़ी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दवा कंपनी में निवेश के नाम पर 40 लाख रुपए की ठगी सामने आई है। कंपनी के कर्मचारियों ने किए वायदे पूरे नहीं किए, जिससे निवेशक की रकम डूब गई। मामले में बागसेवनिया पुलिस ने आधा दर्जन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है। यह ठगी स्टार होम्स रोहित नगर बावड़िया निवासी राजकुमार गुप्ता के साथ हुई। उन्होंने पुलिस को बताया

कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर

कि फेसबुक पर मैंने टास्कर ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड का विज्ञापन देखा था जो कि हेल्थ केयर मॉल (दवाइयों) की फ्रेंचाइजी से संबंधित था। दिए गए नंबर पर उन्होंने कॉल किया, लेकिन किसी ने रिसीव नहीं किया। एक-दो दिन बाद उस कंपनी से उनके पास कॉल आया। कॉलर ने अपना नाम सूर्यकांत मिश्रा और स्वयं को मप्र क्षेत्र का सेल्स मैनेजर बताया। उन्होंने कंपनी के सीनियर अधिकारी विनय कुमार से बात कराई। कंपनी मुख्यालय लखनऊ एवं देश में कई जगह कंपनी के कार्यालय खुले होना बताया। भोपाल में आकर इन दोनों ने कंपनी में बारे में बहुत प्रशंसा की एवं फ्रेंचाइजी के लाभ बताए। झांसे में आकर उन्होंने कंपनी की फ्रेंचाइजी ले ली और 40 लाख रुपए निवेश किए। कंपनी के कर्मचारियों ने अपनी शर्तों को पूरा नहीं किया, जिससे उन्हें 40 लाख रुपए घाटा लग गया। इस मामले में पुलिस ने प्रसून पाल, विकास पाल, सौरभ, सूर्यकांत, विनय कुमार, उत्कर्ष समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है।

थाने में युवकों को पीटा, पैर में चुभाई आलपिन, एसआई बोले- आरोप निराधार

पुलिस कमिश्नर से की शिकायत, पीड़ित के खिलाफ 12 अपराध हैं दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। टीटीनगर थाने में दो युवकों को पीटने और पैर में आलपिन चुभोने का आरोप लगा है। मारपीट से एक युवक के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। इस संबंध में पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर संजय कुमार से शिकायत कर पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। मारपीट का आरोप एसआई राघवेंद्र सिंह सिकरवार समेत अन्य पुलिसकर्मियों पर लगा है। एसआई का कहना है कि आरोप निराधार है। पीड़ित का पूर्व आपराधिक रिकार्ड है। एक संदेही जगह पर सिक्यूरिटी गार्ड ने देर रात उन्हें पकड़कर दिया था। इसी इलाके में चोरी हुई थी।

जानकारी के अनुसार, 21 वर्षीय आयुष गोलाइत नालंदा बुद्ध विहार, अंबेडकर नगर में रहता है। उसका कहना है कि बीती 25 अप्रैल को अपने दोस्तों के साथ कोलार में एक मित्र की हल्दी रस्म में शामिल होने गया था। देर रात करीब ढाई बजे वह अपने दोस्त अतुल चोटाले के साथ वापस लौट रहा था। कटसी सेकंड स्टाप के साथ दोनों नल पर हाथ-मुंह धो रहे थे, तभी डायल 112 पुलिस वहां पहुंची। दोनों को हिरासत में लेकर टीटी नगर थाने ले गई। इसके बाद पुलिस दोनों युवकों को अंजली कॉम्प्लेक्स स्थित एक घर में ले गई, जहां कुछ समय पहले चोरी हुई थी। लेकिन फरियादी ने दोनों को पहचानने से इनकार कर दिया। इसके बावजूद पुलिस उन्हें वापस थाने ले आई। जहां रातभर लाठी-डंडों से पीटा गया। उससे आयुष की हालत बिगड़ गई। उसे जेपी अस्पताल ले जाया गया। उसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया।

20-30 हजार रुपए मांगे

परिजनों का आरोप है कि घटना के करीब 12 घंटे बाद भी उन्हें न तो हिरासत की सूचना दी और न ही अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी गई। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने 20-30 हजार रुपए मांगे। इसके बाद दोनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर दी। आयुष को एसीपी टीटी नगर कोर्ट से जमानत मिल गई, जबकि उसके दोस्त अतुल चोटाले को जेल भेज दिया गया है।

गार्ड ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

इस मामले में टीटीनगर थाने के एसआई सिकरवार का कहना है कि एक कालोनी के गार्ड ने पकड़कर दोनों को पुलिस को सौंपा था। रात्रि अधिकारी नीतेश काकोड़िया ने पूरे मामले की जांच की। मैं तो रात में थाने पर भी नहीं था। अगले दिन मामला सामने आया था। शिकायत जांच में पूरे मामले की सत्यता सामने आएगी। आयुष के खिलाफ आर्म्स एक्ट, मारपीट, पाक्सो एक्ट जैसे 12 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोप निराधार हैं। मामले की जाचं की जा रही है।

युवक को निर्वस्त्र कर पीटने और पेशाब करने वाले तीन गिरफ्तार

फुटेज के आधार पर आरोपियों की हुई पहचान

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कमला नगर इलाके में वर्चस्व को लेकर युवक को निर्वस्त्र कर पीटने तथा पानी मांगने पर पेशाब करने वाले तीन आरोपियों को हनुमानगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस को अभी नामजद तीन आरोपियों की तलाश है। फुटेज के आधार पर पुलिस ने अन्य आरोपियों की पहचान की है। पीड़ित ने चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट की थी। जांच में अभी छह आरोपी सामने आए हैं। हनुमानगंज थाना प्रभारी अवधेश सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले की जैसे-जैसे विवेचना बढ़ेगी, वैसे-वैसे आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। आरोपी और पीड़ित पक्ष दोनों एक-दूसरे को जानते हैं। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीम जुटी है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रेम थापा समेत रितिक यादव और प्रिंस यादव को गुरुवार को डीआईजी बंगला से गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रेम में चप्पलों से मारपीट की थी और पीड़ित पर पेशाब की थी। रितिक यादव और प्रिंस यादव छोला मंदिर के रहने वाले हैं। वे हत्या के आरोपी भी हैं। फुटेज में आरोपी रितिक व प्रिंस, पीड़ित को अपने साथ ले जाते हुए कैद हुए हैं। मामले में अभी आरोपी गट्टू पिस्टल, रोहित पवार और दिव्यांश की तलाश है। आरोपी कमला नगर थाना क्षेत्र के बदमाश हैं। उनका आपराधिक रिकार्ड है। प्रेम थापा दो महीने पहले केंद्रीय जेल भोपाल से रिहा हुआ है। नाबालिग आरोपी भी 20 दिन पहले बाल संप्रेक्षण गृह सिवनी से रिहा हुआ है। गट्टू पिस्टल 10 दिन पहले जमानत पर बाहर आया है। आरोपी दिव्यांश कोतवाली थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

बहाने से बुलाकर की वारदात

22 वर्षीय पीड़ित युवक कमला नगर के शबरी नगर में रहता है। वह निजी काम करता है। उसके खिलाफ अपराध दर्ज हैं। रविवार की रात आरोपियों ने पीड़ित युवक को बहाने से नादरा बस स्टैंड बुलाया। जहां से उसे अपने साथ ले गए। देर रात भानपुर ब्रिज के आगे जंगल में ले गए। जहां उसे जमीन पर पटककर मारपीट की। उसके कपड़े उतारे। चप्पलों, बेल्ट, लात-मुक्कों से उसे बेरहमी से पीटा। उस पर छुरी से हमला किया। युवक ने पानी मांगा तो उसके चेहरे पर पेशाब कर दी। इसका वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

विरोध आउटसोर्स कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, महिला कर्मचारी हुई बेहोश

समान काम-समान वेतन की मांग को लेकर हल्लाबोल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नीलम पार्क में गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदेश भर से आए लगभग तीन हजार आउटसोर्स कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। ऑल आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के बैनर तले आयोजित इस बड़े आंदोलन में आशा और ऊषा कार्यकर्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रदर्शन के दौरान गर्मी और नारेबाजी के बीच एक महिला कर्मचारी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी, जिसे साथी कर्मचारियों ने तत्काल संभाला। विभिन्न विभागों में तैनात लगभग ढाई लाख आउटसोर्स कर्मचारियों का मुख्य आक्रोश ठेकेदारों के शोषण और कम वेतन को लेकर है। कर्मचारियों का आरोप है कि कई जगहों पर ठेकेदार उनका आधा वेतन रख लेते हैं और उनके पास जॉब सिक्योरिटी के नाम पर कुछ भी नहीं है।

नौकरी से बाहर निकालने का भी खतरा

आस आउटसोर्स कर्मचारी संगठन ने विरोध के दौरान दावा किया कि ठेकेदार जब चाहते हैं, उन्हें नौकरी से बाहर कर देते हैं। वर्तमान में इन कर्मचारियों को राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अकुशल, अर्धकुशल और कुशल श्रेणियों के हिसाब से मात्र 10 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह मिल रहे हैं, जो इस महंगाई के दौर में नाकाफी हैं। जबकि उन्हें कम से कम 26 हजार रुपए सैलरी मिलनी चाहिए। आंदोलनकारी कर्मचारियों की दो टूक मांग है कि उन्हें ठेकेदारों के शोषण से मुक्ति दिलाई जाए और समान काम-समान वेतन के सिद्धांत पर केंद्रीय दरों के अनुसार न्यूनतम वेतन दिया जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किरने पर वे 6 जुलाई को जबलपुर में हाईकोट के सामने प्रदर्शन करेंगे।

10 नंबर मार्केट में छापामार कार्रवाई, दो दुकान संचालकों से प्रतिबंधित गोगो पेपर किया जब्त

जागरण, भोपाल। हबीबगंज पुलिस ने दो पान दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई कर प्रतिबंधित गोगो पेपर बरामद किया। टीम ने बुधवार को 10 नंबर फुलवारी के आल-इन-वन पान भंडार में दबिश दी। जहां गोगो, स्मोकिंग कोन बेचते हुए दुकानदार पाया गया। उसने संतोष जनक जवाब नहीं दिया। इस पर पुलिस ने दुकान संचालक पवन कुमार साहू (32) निवासी अशोका गार्डन पर एफआईआर दर्ज की। इस दौरान टीम ने 10 नंबर मनोहर डेयरी के सामने चौरसिया पान भंडार में

छापा मारा। जहां तलाशी लेने पर दुकान के अंदर स्टैश-प्रो के कुल 62 नग गोगो पेपर के 32 नग, बोंगची के कुल 12 नग, गोगो पेपर के कुल 10 नग एवं को-एन-को के 28 नग बरामद किए गए। आरोपी दुकान संचालक की पहचान रामस्वरूप चौरसिया (39) निवासी अशोका गार्डन के रूप में हुई। पुलिस ने सामान को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

संस्थापक ♪ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

वी2वी से पहले सड़कों को बेहतर बनाने की जरूरत

कई मायनों में, भारत बदलाव से गुजर रहा देश है और इसलिए उसे 'पहले मुर्गी या पहले अंडा' वाली आम समस्या का तरह-तरह से सामना करना पड़ता है: वह ऐसे समाधान अपनाता है जो केवल बड़े पैमाने पर संभव हैं, लेकिन उस पैमाने को क्रियान्वित कर पाने में मुश्किलें पेश आती हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय वाहन-से-वाहन (वी2वी) संचार तकनीक लाने की तैयारी में है। यह तकनीक सड़क पर वाहनों को अपनी लोकेशन और आवाजाही के पथ के बारे में डेटा भेजने और प्राप्त करने की सुविधा देगी, ताकि सड़क सुरक्षा में सुधार आए। ऐसे समय में जब भारत में सड़क हादसे लगातार बढ़ रहे हैं, यह तकनीक विश्वसनीय लगती है। अप्रैल में कर्नाटक, महाराष्ट्र, और उत्तर प्रदेश में हादसों की झड़ी में 50 से ज्यादा लोग मारे गये। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में दो एक जैसी घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया और 26 अप्रैल को कहा कि राज्य को जीवन के संवैधानिक अधिकार को सक्रियतापूर्वक लागू करना चाहिए और राजमार्गों के मार्गाधिकार में किसी भी तरह के अवरोधों को हटाना चाहिए। हालांकि, वी2वी से मदद मिलने की उम्मीद कम है क्योंकि इसकी हार्डवेयर संबंधी मांग मौजूदा उपलब्धता की तुलना में काफी ज्यादा है, फिर भी यह महत्वपूर्ण है।

वी2वी उस ज्यादा व्यापक वी2एक्स या व्हीकल-टू-एवरीथिंग तकनीकी योजना का हिस्सा है जिसमें वाहन वी2वी के अलावा, ट्रैफिक लाइट और पथकर प्रणाली जैसे दूसरे बुनियादी-ढांचे से (वी2आई), और पदयात्रियों से (वी2पी) संचार करते हैं। हालांकि, इसे क्रियान्वित करने के लिए भारत में अभी अंतर-संचालनीयता और बैकएंड प्रणालियों का अभाव है। दरअसल, मंत्रालय ने अभी तक यह निर्दिष्ट नहीं किया है कि भारतीय वी2वी किस कुंजी (वाहनों द्वारा प्रसारित 'भाषा' के समान) - डीएसआरसी या सी-वी2एक्स - का उपयोग करेगा और स्वाभाविक रूप से इसने सार्वजनिक चिंता को जन्म दिया है।

वाहन मालिक पहले ही तेज बढ़ती अनुपालन लागतों का सामना कर रहे हैं, जिसमें वाहन लोकेशन ट्रैकिंग उपकरण और उच्च-सुरक्षा रजिस्ट्रेशन प्लेट के लिए भुगतान शामिल है। अनुमोदित उपकरणों की ऊंची लागत का बोझ घटाने के लिए सब्सिडी या प्रतिस्पर्धी वेंडर बाजार भी नहीं है। वी2वी नेटवर्क में, प्रत्येक वाहन एक 'नोड' होता है जहां ड्राइवर के लिए डेटा को प्रॉसेस और व्याख्यायित किया जाता है। हालांकि, बहुत से कॉमर्शियल ड्राइवर इंटरफेस वाले ड्राइविंग वातावरण के अभ्यस्त नहीं हैं और वाहन अलर्ट को व्याख्यायित करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित नहीं हैं। यह मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल की गैरहाजिरी में बुरे तत्वों द्वारा झूठी चेतावनी भेजने के लिए संचार को इंटरसेप्ट करने या अनावश्यक ब्रेकिंग शुरू कराने का, और नेटवर्क चैनल कन्जेशन (अंतरराष्ट्रीय मानक 5.9 गीगाहर्ट्ज) और 'पैकट लॉस' का खतरा पैदा करता है। ज्यादा बुनियादी बात करें तो देश में समुचित सड़क डिजाइन, रूटिंग, और गति नियंत्रण का अभाव है जबकि सड़कों के इस्तेमाल में दो-पहिया वाहनों, पदयात्रियों, और गैर-मोटर यातायात का दबदबा रहता है। अगर कोई शहर 'स्मार्ट' नहीं है तो वी2वी जैसे 'स्मार्ट सिटी' वाले समाधान का प्रभाव तमाम कोशिशों के बाद भी बहुत थोड़ा होगा। यह तभी ज्यादा उपयोगी होगा जब ज्यादा उपयोगकर्ता इसे अपनाएं, लेकिन फिलहाल, इसे शुरुआत में अपनाने वालों को मामूली फायदों के साथ पूरी लागत वहन करनी होगी। अगर यह तकनीक भारतीय सड़कों का जानलेवापन कम करने में मददगार होती है, तो मंत्रालय को पहले धीरे-धीरे बुनियादी ढांचा बनाना और प्रशिक्षण शुरू करना चाहिए, वह भी चरणबद्ध आदेशों और सब्सिडी के साथ।

प्रसंगवश

सेहत और जेब दोनों पर राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी।

निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है। निश्चित रूप से निगरानी ढांचे और समन्वित राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई पर अदालत की पहल सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी अनुपालन की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त पोषण और प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करेगी। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है। निश्चित रूप से आईसीयू के लिए एकसमान मानदंड लागू करने का प्रयास स्वास्थ्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने और तर्कसंगत निर्णय लेने को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष

गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष पहली बार भारतीय भूमि पर दर्शन के लिए आ रहे

महाबोधि ध्यान केंद्र, जहाँ बुद्ध घर लौटते हैं

गजेन्द्र सिंह शेखावत

भारत के इतिहास में पहली बार, तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष अपने स्थायी संरक्षण-स्थल से उस भूमि को आशीर्वाद देने निकले हैं, जिसने सदियों की कठिनाइयों, ऊँचाइयों और आस्था के बीच धर्म को जीवित रखा। यह एक सभ्यता का अपने आप को नमन है।

किसी राष्ट्र के जीवन में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जब इतिहास केवल खुद को दोहराता नहीं — बल्कि और गहरा हो जाता है। जब तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष पहली बार भारत में लद्दाख की धरती पर उतरे, तो मैं खुद को सरकारी भाषा की ओर नहीं, बल्कि श्रद्धा की ओर मुड़ते हुए पाता हूँ। सदियों से लद्दाख ने यह ज्योति संजोए रखी है। उन क्रूर सर्दियों में जो नदियों को जमा देती हैं, ऊँचाई की एकाकी दुनिया में और दूर-दराज़ के दर्रों की कठिनाइयों के बीच — लद्दाख के लोगों ने धर्म को ऐसी निष्ठा से जीवित रखा है जो हर संस्था और सरकार को नत-मस्तक कर दे। तो यह बिल्कुल उचित है कि भारत की पहली ऐतिहासिक सार्वजनिक प्रदर्शनी यहाँ हो रही है, जहाँ आस्था ही जीवन की बुनावट है। और सोचिए — ये अवशेष कहाँ से आ रहे हैं? वे पिपरहवा, उत्तर प्रदेश से आते हैं — वह स्थान जिसे ऐतिहासिक रूप से प्राचीन कपिलवस्तु से जोड़ा जाता है, सिद्धार्थ गौतम की जन्मभूमि। उन्हें लद्दाख लाना, शाब्दिक अर्थों में, एक घर-वापसी है।

तथागत के पवित्र अवशेषों की इस पावन प्रदर्शनी का आधिकारिक नाम भी एक घोषणा है: 'संघर्ष के समय में शांति।' एक ऐसी दुनिया में जो युद्ध, विखंडन और बढ़ती दुश्मनी से जूझ रही है, ये शब्द उस सोच को चुनौती देते हैं जो संघर्ष को अनिवार्य मानती है। बुद्ध ने ढाई हज़ार साल पहले इस चुनौती का जवाब दिया था। हम उनकी भौतिक उपस्थिति को वापस ला रहे हैं ताकि दुनिया को यह याद दिला सकें कि वह उत्तर आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना तब था।

गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष - जिन्हें अत्यंत पवित्रता के साथ संरक्षित किया गया है — पहली बार अपने स्थायी संरक्षण-स्थल से बाहर निकलकर इस पैमाने पर भारतीय भूमि पर दर्शन के लिए आए हैं। जिन्हे जेड श्रेणी की सुरक्षा के साथ, एक विशेष विमान के द्वारा लेह लाया गया है। पंद्रह दिनों तक, 1 से 15 मई तक, शुभ 2569वीं वेसाक बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर से आरंभ होकर, दुनियाभर के श्रद्धालुओं, भिक्षुओं, विद्वानों और तीर्थयात्रियों तथा सामान्य दर्शकों के लिए यह प्रदर्शनी सुलभ रहेगी।

स्थान भी अपने आप में बहुत कुछ कहते हैं। महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, इस प्रदर्शनी के आयोजन-स्थल होगा। यह ऐतिहासिक लेह पैलेस का धर्म केंद्र और जीवे-त्सल का शिक्षण स्थल है। वही पवित्र भूमि जहाँ परमपावन दलाई लामा ने अपनी शिक्षाएं दी हैं और अवशेष केवल लेह तक सीमित नहीं रहेंगे। 11 और 12 मई के बीच वे सुदूर ज़ांस्कर घाटी की यात्रा करेंगे,उस समुदाय तक बुद्ध की कृपा पहुँचाने के लिए, जिनकी बौद्ध परंपराएं उनके परिदृश्य की खाइयों जितनी गहरी हैं। यह समझने के लिए कि लद्दाख इस अवसर के लिए सही घर क्यों है, पहले लद्दाख को समझना होगा। यह केवल मठों और पहाड़ों का एक नाटकीय परिदृश्य नहीं है, चाहे वह परिदृश्य कितना भी मनोरम हो। यह धर्म का एक जीवित विश्वविद्यालय है। हेमिस मठ की शांत ऊँचाइयों से जिसका वार्षिक उत्सव समूचे हिमालयी संसार से तीर्थयात्रियों को खींचता है।

अलची के प्राचीन भित्तिचित्रों तक, जो 10वीं सदी में बने और आज भी भक्ति की प्रतिभा से जीवंत हैं; दिस्कित की विशाल मैत्रेय बुद्ध प्रतिमा से, जो श्योक नदी की ओर अनंत करुणा की दृष्टि से देखती है, थिकसे के बहुस्तरीय ज्ञान तक, जिसकी तुलना अक्सर तिब्बत के महान मठों से की जाती है। लद्दाख हज़ार वर्षों से अधिक समय से बौद्ध दर्शन, कला, पांडुलिपि परंपरा और जीवंत साधना के सबसे असाधारण भंडारों में से एक रहा है। ये मठ, इनमें रहने वाले भिक्षु उस परंपरा के सक्रिय वाहक हैं जो हिमालयी क्षेत्र के हर भू-राजनीतिक तूफान में टिकी रही। यह भारत की आधिकारिक स्वीकृति है कि लद्दाख हमेशा से नक्शे के किनारे पर एक सीमांत क्षेत्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की पहचान के केंद्र में धड़कता हुआ एक आध्यात्मिक हृदय रहा है ।

सभ्यतागत गहराई में निहित एक दृष्टि : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख को बौद्ध संस्कृति और आध्यात्मिकता के एक जीवंत केंद्र के रूप में निरंतर वर्णित किया है। पवित्र अवशेषों की यह यात्रा एक आध्यात्मिक आशीर्वाद भी है और बौद्ध विरासत को संजोने में लद्दाख की सदियों पुरानी भूमिका, तथा राष्ट्र की सेवा में यहाँ के लोगों के साहस और समर्पण की पहचान भी।

लद्दाख क्या सिखाता है : यह प्रदर्शनी भारत में अब तक की बौद्ध समुदायों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक बनने की संभावना रखती है। यह पवित्र प्रदर्शनी, जो ऐसे समय में आ रही है जब क्षेत्र में वसंत आ रहा है और ऊँचे दर्रों से बर्फ पिघलने लगी है, हर उस सीमा को पार करने का आमंत्रण है जो हमें बाँटती है — संप्रदाय की, राष्ट्रीयता की, भय की। 'अवशेष आस्थावानों को आशीर्वाद देते हैं। लेकिन वे एक देखती हुई दुनिया को यह भी याद दिलाते हैं कि शक्ति के सबसे शांत रूप हमेशा सबसे स्थायी रहे हैं।'

जीवंत विरासत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता : भारत सरकार लद्दाख को दुनिया में बौद्ध संस्कृति के सबसे महत्त्वपूर्ण जीवंत केंद्रों में से एक मानती है। हम प्रतिबद्ध हैं यहाँ के मठों के संरक्षण, बौद्ध अध्ययन के प्रोत्साहन, और इसकी अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा के लिए। इस प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में बड़ी संख्या में भिक्षुओं की एक विशाल बौद्ध जाप-सभा की योजना है,

जिसे आयोजक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड : केंद्र सरकार मठीय संस्थाओं और लद्दाख के लोगों के साथ मिलकर काम करती रहेगी ताकि यह समृद्ध विरासत फले-फूले और दुनिया तक पहुँचे। लद्दाख पर्यटन और स्वयं इस पवित्र प्रदर्शनी के लिए हाल ही में लॉन्च किए गए डिजिटल पोर्टल इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, और लद्दाख के स्थानीय संगठन — गोम्पा एसोसिएशन, बौद्ध एसोसिएशन, और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के नेतृत्व में केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन ने उसी एकता के साथ मिलकर काम किया है जो स्वयं अवशेषों की शिक्षा में निहित है।

एक ऐसा क्षण जो हम सबका है : यह अनुभूति है कि किसी सभ्यता के जीवन में कुछ चीज़ें किसी भी राजनीतिक मौसम के चक्र से बड़ी होती हैं। बुद्ध का करुणा का संदेश उन्हीं चीज़ों में से एक है। उस संदेश के प्रति लद्दाख की निष्ठा भी उन्हीं में से एक है।

बुद्ध के आशीर्वाद से लद्दाख के हर घर में शांति आए, सभी समुदायों में सद्भाव हो, और सभी प्राणियों को आध्यात्मिक जागृति मिले। और यह पवित्र प्रदर्शनी हम सभी को याद दिलाए कि मनुष्य की सबसे गहरी आकांक्षा हमेशा एक ही रही है: बिना पीड़ा पहुँचाए जीना, ज्ञान के साथ कार्य करना, और दुनिया को उससे थोड़ा अधिक शांत छोड़ जाना जितनी हमें मिली थी।

बुद्धं शरणं गच्छामि।
धम्मं शरणं गच्छामि।
संघं शरणं गच्छामि।

(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं।)

खुला मंच

श्रीमतियों का किस्सा ए लग्जरी बैग

ललित शर्मा

अब राजौरी गार्डन की श्रीमती ट्विंकल एक दिन एक अत्यंत महंगा, बोले तो अत्यंत ही महंगा पर्स ले आईं.. पूरे 800 रुपए का ... और ब्रांड था 'शेनेल' ... आते ही ट्विंकल जी बोलीं चैनल का बैग लाई हूं। तभी ग्रेटर कैलाश की श्रीमती बॉबी बोलीं... शीनेल बोलो 'शीनेल '... जब बोलना ही नहीं आता, खरीदना क्या खाक आएगा। .. हम लाए हैं शीनेल 8000 का... असली वाला यही सेम।

तभी वहां से खंबानी की बीवी गीता खंबानी गुजर रहीं थीं ... उनके हाथ में भी सेम शीलेन था। कसम से उन्होंने छुपा लिया। सड़क पर बातचीत मे गुत्थम गुत्था दिल्ली की दो महिलाओं से उनका क्या मुकाबला। और वो अपना 'शेनेल' पेरिस से लाई थीं 12 लाख का...! यहां ऐसे 800/8000 के किस्से आम हैं।

उस दिन शाम को मुम्बई में एक पार्टी में जाने से पहले वो अपना शीनेल घर में छोड़ गईं। बस उनको सनक चढ़ गई... अगले दिन शीलेन के मालिक डिसूज़ा को कॉल लगाया। बोलीं कुछ ऐसा बैग बनाओ की दुनिया में सिर्फ मेरे पास हो और न कॉपी हो पाए। डिसूज़ा साहब ने कहा - भाभी बन जाएगा, पर कीमत करोड़ों में होगी। बोलीं कितनी... 5 करोड़, दस करोड़, बीस करोड़... आप बनाओ। मुझे ट्विंकल ट्विंकल नहीं दिखना।

बैग बना... 4 पीस बने केवल। मगरमच्छ की स्किन से, खालिस सोने की चेन, हीरे जड़े हुए, साथ में गारंटी की सिर्फ 4 बने हैं... एक मडोना को बेचा है, एक फलां को एक ढ़िनकानी को और एक आपको। अब खंबानी मैडम खुश... अब कहां से लाएंगी ट्विंकल और श्वेता... 'शेनेल' ।

अगले रोज खंबानी फिर नजर आईं किटी पार्टी में... आज ट्विंकल और श्वेता 'प्राडा' के बैग पर बहस कर रहीं थीं ... मेरा 900 का तो तेरा 2500 का कैसे। खंबानी मैडम ने सर पकड़ लिया, बेहोश हो गईं। एक साधारण महिला ने पानी पिलाया और बताया... बैग तो बैग है। पैसे, सामान सम्भाल कर रखने वास्ते। अब चाहे कपड़े का बना लो या गुची का ले लो ... क्या फर्क है। खंबानी जी को कहां समझ आनी थी...उनकी शुगर लो होने लगी । उधर ट्विंकल और श्वेता पंचकुइया रोड पर गुलाब जामुन से उलझती देखी गईं, ह.. वहीं खंबानी मैडम 3000 के गुलाब जामुन खाकर खुश थीं।

ये माजरा देख सुन कर अपने राम की समझ मे ये बखूबी आ गया कि , ये 'शेनेल' ये गुची ये प्राडा और अब ये मीठी... बालूशाही खाने वाले और थैले में सामान लेकर चलने वालों को समझ नहीं आ सकते। ये दुनिया ही अलग है...!

श्रम दिवस

औपचारिक और संगठित व्यवस्था को बचाए रखने की कीमत असंगठित और अनौपचारिक मजदूरों ने चुकाई

असंगठित श्रम बाजार करा रहा कामगारों का पलायन

आलोक जोशी

आज की पीढ़ी ने पलायन की बस कहानियां ही पढ़ी थीं, जब तक कि कोरोना काल में बड़े पैमाने पर शहरों से भागते लोगों को अपनी आंखों से नहीं देख लिया। तब कौन सोच सकता था कि कुछ ही साल बाद वही नजारा फिर देखने को मिलेगा? हां, पैमाना उतना बड़ा नहीं है। इन दिनों फिर से पलायन होने लगा है। हालांकि, इस बार कारण कोई बीमारी नहीं, पेट की आग है। पिछले महीने ऐसा पहली बार हुआ कि देश के बड़े शहरों, औद्योगिक व व्यापारिक केंद्रों और बड़े-बड़े निर्माण-स्थलों पर बसे मजदूरों के लिए रोटी का इंतजाम मुश्किल हो गया और वे घर की ओर रवाना हो गए।

इस संकट की जड़ तो भारत से बहुत दूर है। भारत का 50 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। इस आपूर्ति के रुकने का पहला और सबसे गंभीर असर रसोई गैस पर दिखना शुरू हुआ है, लेकिन अब बात सिर्फ रसोई गैस की नहीं रह गई है। यह हमारे शहरी असंगठित श्रम बाजार, विकराल अनौपचारिक अर्थव्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा के दावों, आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा-निर्भरता की एक साथ विफलता का संकेत है। दिक्कत उन लोगों के लिए है, जिनके पास न पता है, न ठिकाना। जिनके पास गैस के कनेक्शन भी नहीं हैं। इस वक्त देश का सबसे बड़ा संकट या पलायन इन्हीं लोगों की वजह से हो रहा है।

दर्दनाक तस्वीरें गुजरात से आई हैं। पिछले दिनों सूरत स्टेशन पर हजारों प्रवासी मजदूरों की भीड़, लंबी-लंबी लाइनों और बेतरह भरी हुई ट्रेनों की खबरें आईं। अखबारों में भी खबरें आईं कि सूरत के टेक्सटाइल व पावरलूम उद्योगों में काम करनेवाले मजदूर वापस लौट रहे हैं, क्योंकि खाने की सामग्री भी महंगी हो गई है और गैस या तो मिल नहीं रही या उसके भाव आसमान पर हैं। साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी जिला प्रशासन से शिकायत की कि घरेलू गैस की कमी से प्रवासी मजदूर बहुत परेशान हैं। गुजरात के लिए यह समस्या बड़ी है, क्योंकि उसका विकास मॉडल पिछड़े इलाकों से आने वाले सस्ते मजदूरों पर ही टिका हुआ है। हालांकि, महाराष्ट्र के नासिक, पुणे, औरंगाबाद जैसे आर्थिक केंद्रों और तमिलनाडु के चेन्नई व कोयंबटूर जैसे शहरों से भी बहुत से मजदूर अपने-अपने गांव-शहरों की तरफ रवाना हुए हैं।

समझना जरूरी है कि यह दिक्कत क्यों हो रही है? गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए डिलिवरी ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया है। घरेलू गैस उपभोक्ता गवाही देंगे कि ये उपाय काम कर रहे हैं। किंतु यही उपाय उस अनौपचारिक गैस बाजार पर चोट करते हैं, जिस पर शहरों में बसे गरीबों की बड़ी आबादी निर्भर है। इनके पास अपने नाम पर कनेक्शन नहीं है और न ही खाना पकाने के लिए बिजली के हीटर या इंडक्शन जैसा कोई विकल्प है। मतलब साफ है, औपचारिक और संगठित व्यवस्था को बचाए रखने की कीमत असंगठित और अनौपचारिक मजदूर तबके ने चुकाई है। दिल्ली-एनसीआर और नोएडा में इसी किस्से का एक अलग अध्याय लिखा जा चुका है। मार्च के अंत में ही रिपोर्ट आने लगी थी कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के छोटे कारखानों से कई मजदूर गांव लौटने लगे हैं। उन्हें छोटे सिलेंडर मिल नहीं रहे थे या ब्लैक में कई गुना दाम पर मिल रहे थे। बाद में वही मजदूरी, महंगाई और काम की शर्तों को लेकर मजदूरों का गुस्सा सड़कों पर निकला। बात सिर्फ औद्योगिक मजदूरों पर भी नहीं रुकती। नोएडा में घरों में काम करने वाली महिलाओं ने जिस अंदाज में प्रदर्शन किए, वह साफ दिखाता है कि उनके लिए भी जिंदगी चलाना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही गरीबों की यह समस्या शहरी मध्यवर्ग की समस्या में बदल जाती है।

जिन परिवारों में दो या उससे ज्यादा सदस्य कमाने में लगे हैं और घर का काम पूरी तरह सहायकों के भरोसे है, उनके लिए तो यह बड़ा संकट है। अगर हाउस हेल्प गायब हो जाएं, तो जिंदगी की लय ही टूट जाती है। दूसरी तरफ, दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में 'पेइंग गेस्ट' बनकर रह रहे लाखों नवयुवक और नवयुवतियां भी ऐसी ही मुसीबत में हैं। उनके गैस सिलेंडर भी अक्सर ब्लैक में ही आते हैं।

जाहिर है, आपूर्ति श्रृंखला का टूटना भले ही नीचे से शुरू हो, लेकिन उसका असर ऊपर तक जा रहा है। एक तरफ, तमाम कारखानों के पास अब मजदूर नहीं हैं, दूसरी तरफ, शहरी मध्यवर्ग की लाइफलाइन, यानी उनके घरों में काम करने वाले सहायक गायब हो रहे हैं। एक तरह से देखें, तो यह एलपीजी की किल्लत नहीं, बल्कि शहरीकरण के भीतर छिपे अन्याय का पर्दाफाश है। शहरों में बसे भद्र लोग और नीति-नियंता यह मानकर चलते हैं कि सस्ते गरीब मजदूर हमेशा उनकी सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे, भले ही उन्हें जानवरों जैसी जिंदगी बितानी पड़े। सिलेंडर की किल्लत के एक झटके ने दिखा दिया कि यह मॉडल कितना कमजोर है।

भारत के ऊर्जा संकट का दीर्घकालीन हल क्या होगा, वह तो एक अलग और बड़ा सवाल है। हालांकि, इसके दो तात्कालिक उपाय हैं- एक, सरकार के यह हाथ में है कि उसे गैस की आपूर्ति बढ़ाने के काम के साथ-साथ छोटे सिलेंडरों के वितरण की स्थायी और लचीली व्यवस्था बनानी चाहिए। यह जरूरी है उन लोगों को सहारा देने के लिए, जिनके पास स्थायी पता नहीं है, कागजात नहीं हैं और शायद बड़े सिलेंडर को खरीदने और भरवाने के पैसे भी नहीं हैं। दूसरा उपाय खुद मध्यवर्ग के हाथ में है। आप देख सकते हैं कि जिन परिवारों में घरेलू सहायक के रहने-खाने का इंतजाम घर के साथ ही है, वहां पर ऐसा संकट नहीं दिख रहा। साफ है, आपको अपने लिए काम करने वालों की उतनी ही परवाह करनी होगी, जितनी वे आपकी करते हैं। यह मजबूत रिश्ता किसी भी सरकारी नियम और नीति से ज्यादा कारगर साबित होता है। यही फॉर्मूला फैक्टरी मालिकों पर भी लागू होता है। जो लोग अपने मजदूरों के रहने-खाने का इंतजाम करेंगे, उनके लिए ऐसी मुश्किलों से निपटना काफी आसान होगा।

जीवन दर्शन

खुशी कोई मंजिल नहीं बल्कि यात्रा का ढंग है

यदि यात्रा बेचैनी में कटे, तो मंजिल भी बेचैनी ही देगी। और यदि यात्रा सजगता, स्वीकार और संतुलन में कटे, तो रास्ता ही आनंदमय हो जाता है। यदि हमें स्थायी खुशी चाहिए, तो दिशा बदलनी होगी। बाहर से भीतर की ओर। पाने से समझने की ओर। दौड़ से ठहराव की ओर। जब यह परिवर्तन घटता है, तब जीवन अपने आप सरल, सहज और अर्थपूर्ण हो जाता है।

मनुष्य का स्वभाव है कि वह भविष्य से बहुत अपेक्षाएं बांध लेता है। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जो हमें अभी नहीं मिला है, वही हमें पूर्ण करेगा, और जो हमें मिल चुका है, वह बस एक सीढ़ी थी, मंजिल नहीं। मनुष्य का मन बहुत अजीब है। वह जिस चीज को पा लेता है, उसी से ऊब जाता है, और जिसे नहीं पाया, उसी को जीवन का सार समझ बैठता है। यही उसकी त्रासदी है। वह भविष्य में जीता है, वर्तमान को टालता रहता है। वह सोचता है कि जब यह मिल जाएगा, तब खुश हो जाऊंगा। और जब वह मिल जाता है, तो खुशी कहीं और खिसक जाती है। मन कहता है कि नहीं, यह नहीं, अगला चाहिए। यदि हम ईमानदारी से अपने जीवन की ओर देखें, तो एक सरल किंतु असहज सत्य सामने आता है कि हमारी अधिकांश उपलब्धियां हमें उतनी खुशी कभी नहीं दे पाईं, जितनी हमने उनसे अपेक्षा की थी। फिर भी

हम उसी भूल को बार-बार दोहराते हैं, केवल पात्र बदल जाते हैं, कभी पद, कभी धन, कभी सम्मान, कभी संबंध, और कभी कोई सपना। यही मन की चाल है, और यही दुख का जन्मस्थान। हम थोड़ा सा विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि हर उपलब्धि के साथ खुशी का एक छोटा-सा क्षण आता है, पर वह क्षण टिकता नहीं। जिस दिन हम उस लक्ष्य तक पहुंचते हैं, उस दिन मन थोड़ी देर के लिए तृप्त होता है, पर शीघ्र ही भीतर कोई नई आकांक्षा जन्म ले लेती है। मन फिर कहने लगता है 'अब इससे आगे।' यही मन की आदत है। वह वर्तमान को कभी पर्याप्त नहीं मानता। उसे हमेशा कुछ और चाहिए, कुछ बड़ा, कुछ अलग। समस्या उपलब्धियों में नहीं, समस्या इस मान्यता में है कि उपलब्धियां ही हमें स्थायी सुख दे सकती हैं। उपलब्धियों से संबंधित हमारी अपेक्षाएं ही हमारे दुख का मूल हैं। अपेक्षा यह मानकर चलती है कि भविष्य हमारे अनुसार चलेगा। पर जीवन कभी हमारे अनुसार नहीं चलता, वह अपने नियमों से चलता है। जब हम उपलब्धि को खुशी की शर्त बना लेते हैं, तब हम अनजाने में वर्तमान को त्याग देते हैं। हम आज को केवल एक माध्यम बना लेते हैं, कल के लिए। और यही सबसे बड़ी चूक है। क्योंकि जीवन कभी 'कल' में नहीं जिया जाता, वह हमेशा 'अभी' में ही घटित होता है। खुशी, दरअसल, कोई वस्तु नहीं है, जिसे पाया जा सके। वह कोई पुरस्कार नहीं है, जो मेहनत के बदले हमें दे दिया जाए। खुशी एक अवस्था है, एक भीतरी संतुलन, एक सहज स्वीकार, एक आंतरिक स्थिरता। मनुष्य यह नहीं समझ पाता कि खुशी कोई परिणाम नहीं है। वह किसी लक्ष्य के अंत में नहीं बैठी है। खुशी तो तभी होती है जब मन शांत हो, जब भीतर कोई खिंचाव न हो, जब इच्छा थोड़ी देर के लिए मौन हो जाए। लेकिन मन मौन से डरता है। वह शोर चाहता है, सपनों का, योजनाओं का, भविष्य का। खुशी को जब हम बाहरी परिणामों से जोड़ देते हैं, तब हम स्वयं को अस्थिर कर लेते हैं क्योंकि बाहरी परिणाम हमारे पूर्ण नियंत्रण में नहीं होते। आज जो मिला है, कल छिन भी सकता है और जो नहीं मिला, वह कल मिल भी सकता है। ऐसे में यदि हमारी खुशी का आधार ही उपलब्धि बन जाए, तो जीवन एक सतत असंतोष में बदल जाता है।

प्रमोद निर्वाण

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्!
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् !!

भावार्थ

विद्या हमें विनम्रता प्रदान करती है, विनम्रता से योग्यता आती है व योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है और इस धन से हम धर्म के कार्य करते है और सुखी रहते है।

ऊंची इमारतों के निर्माण की न दें परमिशन अधिकृत टैक्सी चालकों को ही मिले प्रवेश

एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। साल में दो बार होने वाली एयरपोर्ट अथॉरिटी सलाहकार समिति की बैठक में जहां अध्यक्ष सांसद आलोक शर्मा ने विमानतल पर केवल अधिकृत टैक्सी चालकों को ही प्रवेश देने के निर्देश दिए, ताकि यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न होने पाए, वहीं कलेक्टर ने एयरपोर्ट के आस-पास ऊंची इमारतों का निर्माण न होने पाए, इसके लिए नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया। गुरुवार को राजा भोज विमानतल पर सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सांसद आलोक शर्मा ने की। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, समिति के सदस्य मनोज मीक, सुनील जैन, सीआईएसएफ उप कमांडेंट अंकित दुबे, एयर इंडिया के स्टेशन इंचार्ज निरंजन सैन, इंडिगो के स्टेशन मैनेजर तेजस लालानी के अलावा एयरपोर्ट व पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

आरंभ में एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने भाजपा सांसद, कलेक्टर एवं अन्य सदस्यों का स्वागत किया। सांसद एवं अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधाओं का भी विस्तार से अवलोकन करते हुए उस पर संतोष व्यक्त किया। आलोक शर्मा ने एप्रोच रोड पर स्थित ब्लाइंड स्पार्ट की समस्या को शीघ्र दूर करने नगर प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए। इसी तरह कलेक्टर ने कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाए कि विमानतल के आस पास ऊंची इमारतों का निर्माण न होने पाए अगर किसी ने किया है तो उसकी एनओसी चैक की जाए और भविष्य में इस बात का ध्यान रखा जाए कि विमानों की आवजाही को बड़ी इमारतों से खतरा पैदा न हो। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने हाल के महीनों में एयरपोर्ट पर किए गए विस्तार एवं सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि यहां 24 घंटे सातों दिन संचालन की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा कस्टमर सैटिस्फैक्शन सर्वे में देशभर में एयरपोर्ट के प्रथम स्थान प्राप्त करने की जानकारी भी प्रदान की गई। मुंबई में आयोजित एयरपोर्ट 360 एक्सपो 2026 में उत्कृष्ट डोमेस्टिक एयरपोर्ट प्राप्त पुरस्कार से भी अवगत कराया गया। प्रणाली का कार्यान्वयन, नए आगमन हॉल का उद्घाटन, नए फायर स्टेशन का निर्माण, डिजी यात्रा, फ्लेब्राई तथा चेयर पर चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधाओं से भी अवगत कराया गया।

इसके अतिरिक्त विमानतल की हालिया उपलब्धियों को भी साझा किया गया। इतना ही नहीं अब विमानों को केवल 300 मीटर की कम दूरी पर भी विपरीत मौसम में लैंड किया जा सकेगा।

बैठक में यह मुद्दे उठे

बैठक में भोपाल एयरपोर्ट से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों जैसे यातायात भीड़ प्रबंधन, सुचारु वाहन संचालन तथा यात्री सुविधाओं के और सुदृढ़ीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सदस्यों ने विमानतल पर विमान मेंटेनेंस सुविधा के अभाव का मुद्दा उठाया। इस पर विमानपत्तन निदेशक ने अवगत कराया कि भोपाल विमानतल पर एमआरओ निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा निकट भविष्य में यह सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान में विमान मेंटेनेंस के लिए अस्थाई रूप से कवर्ड स्पेस उपलब्ध कराया जा रहा है। सलाहकार समिति सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए गए। बैठक के उपरांत सांसद आलोक शर्मा ने टर्मिनल भवन का निरीक्षण किया तथा विभिन्न यात्री सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए विमानपत्तन प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने सिक्योरिटी होल्ड एरिया में प्रारंभ किए गए पानी पुरी स्टॉल का भी अवलोकन किया।

एयरपोर्ट डायरेक्टर को मनोज मीक ने विस्तृत प्रतिवेदन सौंपा

राजा भोज एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक सांसद एवं कमेटी अध्यक्ष आलोक शर्मा की अध्यक्षता में हुई। कमेटी सदस्य एवं 'कमाल का भोपाल' अभियान के फाउंडर मनोज सिंह 'मीक' ने बैठक में नागरिकों और विभिन्न सामाजिक-व्यावसायिक समूहों से प्राप्त सुझावों सहित एक विस्तृत प्रतिवेदन एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी को सौंपा। प्रतिवेदन में राजा भोज एयरपोर्ट को राजधानी भोपाल की गरिमा के अनुरूप अधिक सुगम, स्वच्छ, सुविधाजनक, पहचान-संपन्न और भविष्य के अनुकूल विकसित करने के लिए बिंदुवार सुझाव शामिल किए गए। बैठक में एयरपोर्ट डायरेक्टर द्वारा कमेटी को राजा भोज एयरपोर्ट पर हाल के समय में हुए उन्नयन और सुविधाओं की जानकारी दी गई। इनमें नए घरेलू आगमन हॉल, आगमन और प्रस्थान की बेहतर व्यवस्था, डिजी यात्रा, उन्नत फायर स्टेशन, यात्री क्षमता में वृद्धि, किफायती भोजन सुविधा, बेहतर शौचालय व्यवस्था, कम दृश्यता में सुरक्षित संचालन के लिए तकनीकी सुधार और यात्री सुविधा से जुड़े अन्य कार्य शामिल हैं। मनोज मीक ने कहा कि इस दायित्व को उन्होंने सेवा के रूप में स्वीकार किया है।

युवाओं को अनुशासित और जिम्मेदार बनाता है एनसीसी : लेफ्टिनेंट वत्स

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में गर्ल्स कॉलेज की 34 छात्राओं ने लिया भाग

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। वैष्णवी कॉलेज में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की 34 छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें भूमि कुर्रे ने स्वीमिंग में सिल्वर मेडल हासिल किया। कॉलेज की डॉ. शांति शर्मा ने बताया कि समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स मुख्य अतिथि थे, उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाता है। यह आयोजन लेफ्टिनेंट कमांडर आयुष डोडानी के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दस दिवसीय शिविर में क्षेत्र भर से आए कैडेट्स ने भाग लिया और गहन प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं तथा नेतृत्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की। शिविर का आयोजन विभिन्न ऐसी गतिविधियों से भरा हुआ था, जो सहनशक्ति, अनुशासन और टीमवर्क की परीक्षा लेने के उद्देश्य से आयोजित की गई थीं। प्रमुख आकर्षण इस प्रकार रहे स्विमिंग प्रतियोगिता में कैडेट् ने अपनी तैराकी क्षमता और स्टैमिना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रोमांचक रेसों ने उनकी शारीरिक क्षमता और दृढ़ संकल्प को दर्शाया। इसी तरह ड्रिल प्रतियोगिता कैडेट्स ने सटीकता, तालमेल और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी ड्रिल प्रस्तुतियों ने एनसीसी प्रशिक्षण की उत्कृष्टता को उजागर किया।

खेल गतिविधियां

विभिन्न खेलों और एथलेटिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से आपसी सहयोग, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और खेल भावना को बढ़ावा मिला। शिविर का एक विशेष आकर्षण गुरुवार को हुए कार्यक्रम में एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम का दौरा रहा। उन्होंने कैडेट्स से संवाद कर उन्हें प्रेरित किया और एनसीसी की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो युवाओं को जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के नेता बनाने में महत्वपूर्ण है। उनकी उपस्थिति ने इस प्रकार के शिविरों के महत्व को और भी सुदृढ़ किया, जो युवाओं में अनुशासन, देशभक्ति और सेवा भाव विकसित करते हैं। यह शिविर न केवल कैडेट्स को प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर प्रदान करता है, बल्कि नेतृत्व क्षमता, दृढ़ता और एकता की भावना को भी विकसित करता है। यह अनुभवी अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

बैरसिया में 5 मई को कलेक्टर खुद सुनेंगे फरियाद

जागरण, बैरसिया। पांच मई मंगलवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर बैरसिया तहसील कार्यालय में जिला स्तरीय जनसुनवाई होगी। तहसील

कार्यालय में सुबह 10 बजे से कलेक्टर स्वयं आमजन की समस्याएं सुनेंगे और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान सभी जिला अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। खास बात यह है कि बैरसिया क्षेत्र से जुड़ी लंबित शिकायतों की पूरी अपडेटेड जानकारी अधिकारियों को साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लोगों को बार-बार चक्कर न लगाने पड़े और समस्याओं का त्वरित निपटारा हो सके। यह भी स्पष्ट किया गया है कि हर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में होने वाली नियमित जनसुनवाई पहले की तरह जारी रहेगी। नगर निगम, खाद्य विभाग, एमपीईबी और शिक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को अपने कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

नशे से दूरी है जरूरी, पर पुलिस का एक्शन, दुकानों पर बिक रहे गुटखों की जांच, बनाया प्रकरण

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। पुलिस ने विगत दिनों रात 2 बजे के बाद थाना प्रभारी अशोक गौतम की अगुवाई में जहां अनेक झुग्गी बस्तियों में औचक निरीक्षण कर नशे के आदी लोगों से पूछताछ कर उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया कि अगर वे चरस, भांग, गांजा या अन्य कोई नशीला पदार्थ सेवन करते या बेचते पाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी, के बाद अब नशे से दूरी है जरूरी नारे के साथ कई जगहों की जांच शुरू की गई है, जहां प्रतिबंधित गुटखा या अन्य नशे की वस्तुओं का सेवन एवं बिक्री की जा रही है।

थाना प्रभारी अशोक गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नर संजय कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी के आरोपियों की धड़पकड़ के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देशों के बाद इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं।

गोगो स्मोकिंग की जप्ती: पुलिस ने अलग अलग टीम गठित कर ऐसे इलाकों की जांच की जहां नशायुक्त पदार्थों की बिक्री की जा रही है। पुलिस के अनुसार उसने गोगो स्मोकिंग कोन, रोलिंग पेपर, परफेक्ट रोल बेचने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार एक गुमटी पर उक्त सामग्री बेची जा रही थी। राम सिंह उम्र 56 साल निवासी, मंदिर के पास ओल्ड डेयरी फार्म संत हिरदाराम नगर के पास इस तरह के 28 नग जब्त किए गए।

SUDOKU 22

3		6		1				9
	8			9		2		1
1			3		7		4	
	4				1		5	
		5		4		6		8
6		3			2			
					9			5
		2		3		4	8	
7		1	8					2

SOLUTIONS 21

1	7	5	2	4	3	9	8	6
9	3	2	5	6	8	7	4	1
6	8	4	9	7	1	3	2	5
4	1	7	6	8	9	2	5	3
3	2	9	4	1	5	6	7	8
5	6	8	3	2	7	1	9	4
2	4	3	8	9	6	5	1	7
7	9	6	1	5	4	8	3	2
8	5	1	7	3	2	4	6	9

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए फायदे की नई राह खोल सकता है। आपके फैसले सटीक बैठेंगे और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को सुकून देगी।

वृषभ : आज घर में सरप्राइज जैसा माहौल बनेगा और अपनों के साथ हंसी-खुशी का समय बीतेगा। छोटे बच्चों की सेहत पर ध्यान देना जरूरी है।

मिथुन : आज कुछ नया शुरू करने की हलचल आपके मन में रहेगी। शादीशुदा जीवन में सम्मान और समझ बनी रहेगी। उधार लेने से बचें।

कर्क : आज का दिन राहत और प्रगति लेकर आएगा। प्रॉपर्टी से जुड़े फैसले आपके पक्ष में रहेंगे और आपकी कला-कौशल में निखार दिखेगा।परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह : आज सुख-सुविधाओं में इजाफा आपको संतुष्टि देगा। राजनीति या नेतृत्व से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। किसी जोखिम भरे काम से दूरी बनाना ही बेहतर रहेगा।

कन्या : आज खुशियों और सुकून से भरा दिन है। परिवार का पूरा साथ मिलेगा, लेकिन संतान की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है।

तुला : आज बिजनेस में थोड़ी उलझनें आ सकती हैं, लेकिन परिवार के साथ समय बिताकर मन खुश रहेगा। आपकी मेहनत आखिरकार रंग लाएगी और उसका पूरा फल मिलेगा।

वृश्चिक : आज कमाई के नए रास्ते खुलेंगे और हर काम में सफलता आपके साथ होगी। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

धनु : आज आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। परिवार का सहयोग और माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके काम पूरे कराएगा।

मकर : आज अधूरे काम पूरे करने का समय है। नौकरी के नए अवसर आपके लिए दरवाजे खोल सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ : आज जिम्मेदारी निभाने का दिन है और आप इसमें सफल भी रहेंगे। सुख-समृद्धि बढ़ेगी और नया वाहन खरीदने का सपना पूरा हो सकता है।

मीन : आज का दिन शांति और आनंद से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

आज का पंचांग: 01 मई शुक्रवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** वैशाख पूर्णिमा, बुध पूर्णिमा। **भद्रा:** प्रातः 10 बजकर 01 मिनट तक। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, वैशाख मास शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 22 घंटे 53 मिनट तक तत्पश्चात प्रतिपदा स्वाति नक्षत्र 28 घंटे 36 मिनट तक तत्पश्चात विशाखा नक्षत्र सिद्धि योग 21 घंटे 14 मिनट तक, तत्पश्चात व्यतिपात योग तुला में चंद्रमा।

आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का प्रथम पट्टाचार्य दिवस मनाया

जागरण, औबेदुल्लागंज। आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक मुनिश्री विश्व सूर्य सागर एवं मुनि श्री साध्य सागर महाराज के मंगल सानिध्य में गुरुवार को नगर में

आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का प्रथम पट्टाचार्य दिवस मनाया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित नगर के कई गणमान्य नागरिक और समाजजन मौजूद रहे। इस दौरान सर्व प्रथम पचौरी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समय सार ग्रंथ के 17 भाग का हुआ विमोचन

दोनों मुनिश्री का पद प्रक्षालन और आचार्य विशुद्ध सागर महाराज की मंगल अष्ट द्रव्य से सामूहिक पूजन की। इस दौरान पचौरी ने कहा कि मैं आज धन्य हूं, जो मुनिश्री के चरणों में आकर आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के पट्टाचार्य दिवस में सम्मिलित होकर पूजा करने का सौभाग्य मिला। मुनिश्री साध्य सागर ने आचार्य गुरु विशुद्ध सागर की महिमा का वर्णन करते हुए उनके उपकारों के बारे में बताया और कहा कि आचार्य विशुद्ध सागर के गुरु आचार्य विराग सागर महाराज ने अपने ही मुखाग्र से आचार्य विशुद्ध सागर को अपना पद सौंपा था। मुनिश्री विश्व सूर्य सागर ने सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलने की बात कही। कार्यक्रम में पंकज कोठारी, सुरजीत सिंह बिल्ले, देवेंद्र सिंह राजू, समाज के अध्यक्ष सुनील जैन, मुकेश जैन, अनिल जैन, विजय जैन, राजीव जैन, मनोज जैन आदि मौजूद थे।

मंडीदीप में ग्रीष्मकालीन शिविर प्रारंभ

जागरण, मंडीदीप। नगर में सेवा समिति ने एक सराहनीय पहल करते हुए एक माह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर शुरू किया है। इसका उद्देश्य युवाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-मानसिक रूप से भी सुदृढ़ करना है। शिविर में कराटे, योग, ताइक्वांडो, तलवारबाजी व लाठी जैसे आत्मरक्षा एवं पारंपरिक खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर 29 अप्रैल से शुरू हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे व युवा भाग ले रहे हैं। समिति अध्यक्ष जीवन सिंह पाल के अनुसार, शिविर में प्रतिदिन नियमित अभ्यास से प्रतिभागियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और फिटनेस को बढ़ावा मिल रहा है।

-: जाहिर-सूचना :-

मैं अपने पक्षकार डी.सी.बी बैंक लि. शाखा एम.पी. नगर, भोपाल के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ, कि उक्त शाखा में मो. शाकिब अली पुत्र मो. रिजवान खान आयु वयस्क निवासी मकान नं 07, अजीज नूर उल्लाह कम्पाउंड, अहमदाबाद पैलेस रोड, जिला भोपाल द्वारा ऋण प्राप्ति हेतु उनकी माता श्रीमती यासमीन पत्नी मो. रिजवान खान के स्वत्व, स्वामित्व आधिपत्य के भवन मय भूखण्ड क्रं. 153 कुल क्षेत्रफल 90 वर्गमीटर जो सेक्टर सी, इन्द्रविहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड, तहसील हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) जिसकी चतुर्थ सीमाएं पूर्व-प्लाट नं 152, पश्चिम-प्लाट नं 154, उत्तर प्लाट नं 142, दक्षिण रोड, को बंधक करते हुए व्यक्त किया कि उक्त सम्पत्ति की लिंक दस्तावेज (चन रजिस्ट्री) जिसका विक्रय पत्र श्रीमती मीता त्रिपाठी पत्नी श्री एम एम त्रिपाठी के हित में दिनांक 05.10.2004 को उप पंजीयक कार्यालय भोपाल में पंजीबद्ध कराया गया, कही गुम हो गया है यदि उक्त सम्पत्ति अथवा पंजीयत विक्रय पत्र के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य के सम्बन्ध में किसी शासकीय/अर्द्धशासकीय सस्था, बैंक या किसी व्यक्ति या उसके उत्तराधिकारी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित कोई लेनदेन हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि उपरान्त कोई भी आपत्ति अमान्य होगी

भवदीय **प्रदीप मोदी** अभिभाषक
आफिस- पता-फ्लेट नं. एस-2, शिखर टॉवर,-II स्वागत गार्डन के सामने हलालपुर बस स्टेण्ड के पासस भोपाल
मो.न. 9826013951,8109595295

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शादाब खान आत्मज सदाकत उल्ला खान आयु 33 वर्ष निवासी-बी-244 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद हुजूर जिला भोपाल म.प्र. से उनके स्वत्व स्वामित्व का भवन प्लाट के 7 स्थित अराध्यम पर्ल बडवई तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है जिसका खसरा क्रं 243/244/1/1क/1 रकबा 0.1290 हे.खसरा क्रं 243/244/1/1/ख/1 पर रकबा 0.1290 हे. खसरा क्रं 243/244/1/1ग/1 पर रकबा 0.1290 हे. खसरा क्रं 243/244/1/1घ/1 पर रकबा 0.1290 हे. खसरा क्रं 243/244/1/1/ड/1 रकबा 0.1290 हे. खसरा क्रं 243/244/1/1च/1 पर रकबा 0.1290 हे. खसरा क्रं 243/244/1/2/1 पर रकबा 0.0550 हे. एवं खसरा क्रं 243/244/1/छ/1 पर रकबा 0.32 हे. इस प्रकार कुल रकबा 0.861 हे. का अंश भाग होकर ग्राम बडवई प.ह.नं.-5/07 रा.नि.मं-01 विकास खंड फंदा तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है उक्त भूखंड की नाप 6.71 मीटर गुणित 11.85+11.77 मीटर बराबर 79.20 वर्गमीटर है कुल क्षेत्रफल 852 स्क्वायर फिट है जिसकी चतुर्थ सीमाएँ पूर्व में-भूखड क्रं 08, पश्चिम में-भूखंड क्रं 06, उत्तर में-अन्य की भूमि, दक्षिण में-कॉलोनी का रोड, स्थित है। का विक्रय अनुबंध पत्र आज दिनांक को मेरी पक्षकारा ने निष्पादित किया है उपरोक्त आम सूचना के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भवन के क्रय विक्रय के संबंध में संव्यवहार किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, फर्म शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालय आदि के द्वारा भी अनुबंध पत्र या विक्रय पत्र उक्त भूमि के संबंध में निष्पादित कराया जाता है तो मेरे पक्षकारगण पर बंधनकारी नही है और कोई समयावधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी और मेरे पक्षकार उक्त वर्णित भूमि के विक्रय पत्र निरस्त कराने हेतु स्वतंत्र होगा।

बृजेश पचौरी एडवोकेट
कार्या.-96, मैन मार्केट, जहांगीराबाद, भोपाल
मो.9826609869,9893117948

आम सूचना का खण्डन

(दिनांक 03.04.2026 दैनिक जागरण समाचार पत्र में प्रकाशित)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहम्मद इलियास कुरैशी अधिवक्ता द्वारा उनके पक्षकार सलमान खान आत्मज श्री अनीस खान आयु वयस्क, निवासी मनं.-96, बी-सेक्टर, गली क्रं. 06, बाग उमराव दुल्हा सिकंदरी सराय तहसील हुजूर जिला भोपाल द्वारा मेरे पक्षकार श्री अतीक अंसारी पुत्र श्री अनीस अंसारी आयु लगभग 35 वर्ष निवासी - म.न.-41, गली क्रं. 04, डी-सेक्टर बाग उमराव दुल्हा चौराहा तहसील हुजूर जिला भोपाल म0प्र0 के स्वत्व स्वामित्व एंव अधिपत्य की भूमि खसरा क्रं. 86/2/9 (एस) रकबा 1.00 एकड जो कि ग्राम पाटनी तहसील सीहोर जिला सीहोर मुख्य मार्ग से अंदर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। तथा जिसकी चतुर्थ सीमाएं निम्नानुसार है। पूर्व में - सलमान खान की भूमि, पश्चिम में -अन्य की भूमि, उत्तर में -सिद्दीक खान की भूमि, दक्षिण में -रास्ता के संबंध में अनुबंध निरंतर जारी रहने एवं कोई भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, इत्यादि उपरोक्त भूमि के संबंध में क्रय विक्रय अथवा ऋण आदि संव्यवहार मेरे पक्षकार से ना करें इस संबंध में जाहिर सूचना प्रकाशित की गई है जिसके संबंध में लेख है कि मेरे पक्षकार श्री अतीक अंसारी द्वारा श्री सलमान खान से उपरोक्त भूमि का अनुबंध पत्र दिनांक 13.08.2025 को किया गया था परंतु श्री सलमान खान द्वारा उक्त अनुबंध पत्र का नियत समयावधि में पालन नही किया गया जिसके संबंध में उक्त सलमान खान को विधिक सूचना पत्र प्रेषित कराया गया इस प्रकार अब मेरा पक्षकार उक्त विक्रय अनुबंध पत्र दिनांक 13.08.2025 से बंधनकारी नही है एवं मेरे पक्षकार उसके स्वत्व स्वामित्व एंव आधिपत्य की उपरोक्त भूमि किसी भी व्यक्ति, संस्था बैंक अथवा ऋण आदि से विक्रय अथवा ऋण संबंधी संव्यवहार करने के लिये स्वतंत्र है।

भवदीय **मकबूल खान** अधिवक्ता
ऑफिस शॉप नं. 11, नया दशहरा मैदान नॉर्थ टी.टी. नगर, भोपाल (म.प्र.) पिन 462003 मो.: 9826075160

नाम परिवर्तन

मैं नैतिक मीणा पिता श्री कालूराम मीणा, मकान नंबर 41 गणपति गोल्ड माइन नियर RGPM कॉलेज कोलार भोपाल । मेरा पूर्व का नाम बन्टी मीणा (BANTI MEENA) था जोकि मेरे बैंक खाते व अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। वर्तमान में मेरा नाम नैतिक मीणा (NAITIK MEENA) है, मेरे आधार कार्ड ,पेन कार्ड में भी दर्ज है।

उपरोक्त दोनों नाम बन्टी मीणा एवं नैतिक मीणा एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही है, भविष्य में मुझे नैतिक मीणा के नाम से ही जाना-पहचाना जावे।

कार्यालय न्यू वल्लभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल

(पंजीयन क्रमांक/डी.आर.बी./346, दिनांक 11.05.1983)

क्रमांक/2026/निविदा/ भोपाल, दिनांक : 30.04.2026

निविदा आमंत्रण

न्यू वल्लभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, जिला भोपाल द्वारा विकसित कालोनी पूजाश्री कालोनी सी. टी. ओ. बैरागढ़ भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा क्रमांक 116/1/1/1 (एस) रकबा 0.2020 हेक्टेयर जो राजस्व अभिलखों में संस्था के नाम दर्ज है। उक्त भूमि नगर तथा ग्राम निवेश भोपाल द्वारा स्वीकृत मानचित्र है जिसमें से 1005 वर्गमीटर भूमि स्कूल हेतु आरक्षित की गई जिसको संस्था द्वारा केवल पंजीकृत शैक्षणिक संस्थाओं को ही विक्रय किया जाना प्रस्तावित है।

इच्छुक निविदाकर्ता दिनांक 30.04.2026 से 07.05.2026 तक उक्त भूमि को क्रय करने संबंधी दस्तावेज/भूमि/साईट का अवलोकन कर सकते हैं। निविदाकर्ता को उक्त भूमि क्रय करने हेतु न्यू वल्लभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल के नाम से धरोहर राशि का डिमांड ड्राफ्ट रुपये 50000/- (रुपये पचास हजार केवल) निविदा के साथ जमा करना अनिवार्य होगा । निविदा प्रपत्र का मूल्य 500 /- रुपये है जो संस्था के नाम डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करने पर जारी किया जायेगा । निविदा संस्था कार्यालय 31 श्यामला हिल्स, भोपाल में दिनांक 07.05.2026 दोपहर 03 बजे तक जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदाओं को निविदाकर्ताओं के समक्ष दिनांक 07.05.2026 को सायं 4 बजे संस्था कार्यालय में खोली जावेगी इस दिन निविदाकर्ता अथवा उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। किसी प्रकार की विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र जिला न्यायालय भोपाल होगा । निविदा स्वीकार करने अथवा अस्वीकार करने का अधिकार संस्था अध्यक्ष के पास सुरक्षित है। नियम एवं शर्तें लागू।

अध्यक्ष
न्यू वल्लभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, जिला-भोपाल (म.प्र.)

आम सूचना/जाहिर सूचना

भूखंड कमांक 01 जिसका क्षेत्रफल 5000 वर्गफुट एवं भूखंड क्रमांक 02 जिसका क्षेत्रफल 6715 वर्गफुट जो की खसरा कमांक 112 / 1 (एस) रकबा 0.100 हेक्टेयर एवं खसरा कमांक 112 / 2 रकबा 0.100 हेक्टेयर के अंश भाग पर ग्राम अमरावद कला, पटवारी हल्का अमरावद कलां 06, तहसील कोलार, जिला भोपाल (म.प्र.) के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री रामचरण जाति लोधी निवासी ग्राम अमरावद कला, तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.) के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का भूखंड कमांक 01 जिसका क्षेत्रफल 5000 वर्गफुट एवं भूखंड कमांक 02 जिसका क्षेत्रफल 6715 वर्गफुट जो की खसरा कमांक 112 / 1 (एस) रकबा 0.100 हेक्टेयर एवं खसरा कमांक 112/2 रकबा 0.100 हेक्टेयर के अंश भाग पर ग्राम अमरावद कला, पटवारी हल्का अमरावद कलां 06, तहसील कोलार, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, को क्रय करने हेतु टोकन राशि का भुगतान किया है। उक्त सम्पत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, शासकीय व गैर शासकीय कार्यालय का कोई ऋण, भार, दान, बंधक, विक्रय, विक्रय अनुबंध हो अथवा कोई आपत्ति हो तो वह व्यक्ति, बैंक, संस्था, विभाग / कार्यालय इस आम सूचना के प्रकाशन से 10 (दस) दिवस की अवधि में मय दस्तावेजों साक्ष्य सहित मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा एवं अवधि व्यतीत होने के पश्चात् मेरे पक्षकार उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन कराये जाने हेतु स्वतंत्र होंगे ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी।

विजेन्द्र शर्मा (अधिवक्ता)
कार्यालय : 423- लायर्स चेम्बर अरेरा हिल्स भोपाल म.प्र. 462027. फोन: 0755-4855467
मो. 7691913415, 7987603871
Email ID:vijendrasharmallb1@gmail.com

जैनमश्री मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
ई-5/47, अरेरा कालोनी, भोपाल म.प्र.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सार्वजनिक सूचना के माध्यम से जैनमश्री मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, ई-5/47, अरेरा कालोनी, भोपाल-(462016) द्वारा यह सूचित किया जाता है कि सरकार द्वारा निर्धारित दस्तावेज संरक्षण (Record Retention) नीति एवं लागू नियमों के अनुसार दिनांक 30 दिसम्बर 2020 से पूर्व के समस्त चिकित्सा अभिलेख (Medical Records) नियमानुसार नष्ट किए जाने प्रस्तावित हैं। अतः जिन किसी रोगियों/उनके अधिकृत प्रतिनिधियों/परिजनों को अपने उपचार से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन करना हो अथवा उनकी प्रमाणित प्रति प्राप्त करनी हो, वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से लेकर 1 जून 2026 तक अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड विभाग (एम.आर.डी.) में निर्धारित कार्यालय समय 10 बजे से सायं 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। निर्धारित अंतिम तिथि के उपरांत प्राप्त किसी भी आवेदन/अनुरोध पर कोई विचार नहीं किया जाएगा तथा अभिलेखों के नष्ट हो जाने के पश्चात अस्पताल किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा। यह सूचना भविष्य में किसी प्रकार के दावे, आपत्ति अथवा विवाद से बचाव हेतु जारी की जा रही है।

फॉर्म नं. 4
(नियम 5 के उप नियम (2ए) देखें)
अधिनियम की उपधारा 19 के तहत् समन, ऋण वसूली न्यायधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 1993 के नियम 5 के उपनियम (2ए) के साथ पढ़ा जाए।
ऋण वसूली न्यायधिकरण, जबलपुर, द्वितीय एवं तृतीय तल संचार विकास भवन,
(बी.एस.एन.एल. बिल्डिंग) पोस्ट आफिस के पास, रेसिडेन्सी रोड, जबलपुर मध्यप्रदेश 482001
केस संख्या ओए संख्या 185/2026

तारीख......
सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया आवेदक
बनाम
श्रीमति मांदा कमलेश बचाव पक्ष
नगर निगम भोपाल द्वारा कमिश्नर
पताः 3rd फ्लोर आईएसबीटी भवन, होशंगाबाद रोड हबीबगंज भोपाल म.प्र.- 462023
जबकि, ओए संख्या 185/26 माननीय पीठासीन अधिकारी के समक्ष 30/01/26
जबकि माननीय न्यायाधिकरण से निवेदन है कि अधिनियम की धारा 19 (4) के अंतगर्त आपके विरुद्ध दायर उक्त आवेदन (ओए) पर Rs. 31,45,331.85/- रुपये के ऋण की वसूली हेतु व्यय एवं भविष्य के ब्याज सहित समन/सूचना जारी की जाए।
अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (4) के अनुसार, आप प्रतिवादियों को निम्नलिखित निर्देष दिए जाते है।
1. समन की तामील के तीस दिनों के भीतर बताऐ कि मांगी गई राहत क्यों नही दी जानी चाहिए।
2. मूल आवेदन के क्रमांक 3ए के अंतगर्त आवेदक द्वारा निर्दिष्ट संपत्तियों और परिसंपत्तियों के अतिरिक्त अन्य संपत्तियों या परिसंपत्तियों का विवरण प्रकट करना।
3. आपको मूल आवेदन के 3ए के तहत प्रकट की गई सुरक्षित संपत्तियों या ऐसी अन्य संपत्तियों और संपत्तियों के निपटान से रोका जाता है जब तक कि संपत्तियों की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई और निपटान नहीं हो जाता।
4. बिक्री पट्टे या अन्यथा के माध्यम से अपने व्यवसाय के सामान्य क्रम को छोड़कर उन संपत्तियों में से किसी को भी हस्तांतरित नहीं करेगें जिन पर सुरक्षा हित बनाया गया है और/या अन्य संपत्तियां और संपत्तियां मूल आवेदन के क्रमांक 3ए के तहत् निर्दिष्ट या प्रकट की गई न्यायधिकरण की पूर्व स्वीकृति के बिनाः
5. आप व्यवसाय के सामान्य क्रम में सुरक्षित परिसंपत्तियों या अन्य संपत्तियों या परिसंपत्तियों और संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त विक्रय आय का हिसाब देने और ऐसी परिसंपत्तियों और सुरक्षा हित रखने वाले बैंक या वित्तीय संस्थानों के पास रखे गये खाते में ऐसी विक्रय आप जमा करने के लिए उत्तरदायी होंगें।
आपको लिखित बयान की एक प्रति भी दी जाती है जो आवेदक को उपलब्ध कराई गई है और आपको दिनांक 01/09/2026 को 10:30 बजे उपस्थित होना है। अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में आवेदन पर रजिस्ट्रार के समक्ष सुनवाई की जाऐगी।
इस पर मेरे हस्ताक्षर और न्यायधिकरण की मुहर के तहत यह दिनांक 20/04/2026 दिया जाता है।
न्यायाधिकरण के आदेश से
(मुहर) रजिस्ट्रार
ऋण वसूली न्यायाधिकरण, जबलपुर

फॉर्म संख्या IV
[नियम 5 का उप-नियम (2A) देखें]
समन-ऋण वसूली न्यायाधिकरण के नियम 5 के उप-नियम (2A) के साथ पठित अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत।
ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर म.प्र. के समक्ष
(द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), मुख्य डाकघर के पास, रेजीडेंसी रोड, जबलपुर 482001 मध्य प्रदेश)
OA/2324/2025

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ..... आवेदक
बनाम
मेसर्स त्रिशा मार्ट एवं अन्य प्रतिवादी
1. मेसर्स त्रिशा मार्ट, इसकी प्रोपराइटर, श्रीमति अर्चना मालवीय पत्नी श्री महेंद्र मालवीय के माध्यम से
पता- दुकान नंबर 02, कृष्णा नगर, खजूरी कलां, भोपाल म.प्र. 462022.
2. श्रीमति अर्चना मालवीय पत्नी श्री महेंद्र मालवीय
निवासी मकान नं. 248, खजूरी कलां, कृष्णा नगर हुजूर भोपाल म.प्र. 462022.
3. श्री महेंद्र मालवीय
निवासी मकान नं. 248, खजूरी कलां, कृष्णा नगर हुजूर भोपाल म.प्र. 462022.
...प्रतिवादीगण
चूंकि, मूल आवेदन संख्या **2324/2025** माननीय पीठासीन अधिकारी के समक्ष दिनांक **30/01/2026** को सूचीबद्ध किया गया था।
चूंकि, माननीय ट्रिब्यूनल एक्ट के सेक्शन 19 (4) के तहत इस एप्लीकेशन पर समन/नोटिस जारी करता है। आपके खिलाफ **रु. 25,51,923.83/- (रूपये पच्चीस लाख इक्यावन हजार नौ सौ तेईस और तिरासी पैसे मात्र)** के कर्ज की रिकवरी के लिय OA फाइल किया गया है, साथ ही कॉन्ट्रैक्ट के रेट पर ब्याज, पेनल्टी ब्याज और चार्ज भी।
अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (4) के अनुसार, आप प्रतिवादियों को निम्नानुसार निदेशित किया जाता हैं:-
1. समन की तामिली के तीस दिनों के भीतर कारण बताए कि मांगी गई राहत क्यों न प्रदान की जाए;
2. मूल आवेदन के कम संख्या 3A के तहत आवेदक द्वारा निर्दिष्ट संपत्तियो और परिसंपत्तियों के अलावा अन्य संपत्तियो या परिसंपत्तियो का विवरण प्रकट करें;
3. संपत्तियो कि कुर्की के आवेदन पर सुनवाई और निपटान लंबित रहने तक, आपको सुरक्षित परिसंपत्तियों (secured assets) या मूल आवेदन कि कंम संख्या 3A के तहत प्रकट कि गई ऐसी अन्य परिसंपत्तियो और संपत्तियों के लेन देन या निपटान से प्रतिबंधित किया जाता हैं:
4. आप न्यायाधिकरण के पूर्व अनुमोदन के बिना, उन संपत्तियो को जिन पर सुरक्षा हित (security interest) बनाया गया है और / या मुल आवेदन कि कम संख्या 3A के तहत निर्दिष्ट या प्रकट कि गई अन्य परिसंपत्तियों और संपत्तियों कों बिकी, पट्टे या किसी और तरीके से (सामान्य व्यावसायिक कार्यों के अलावा) हस्तांतरित नहीं करेंगे,
5. आप व्यवसाय के सामान्य कर्म में सुरक्षित परिसंपत्तियों या अन्य संपत्तियों कि बिकी से प्राप्त राशि का हिसाब देने और ऐसी बिकी राशि को उस बैंक या वित्तीय संस्थान के खाते में जमा करने के लिए उत्तरदायी होगें, जिसके पास ऐसा संपत्तियो पर सुरक्षा हित है।
आपको लिखित विवरण (Written Statement) दाखिल करने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसकी एक प्रति आवेदक को दि जाऐ और आप **18.08.2026** को प्रातः 10:30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित हों विफल रहने पर आवेदन पर आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।
आज दिनांक 27/04/26 को मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण कि मुहर के तहत जारी किया गया।
तारीख रजिस्ट्रार
(मुहर) ऋण वसूली अधिकरण

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

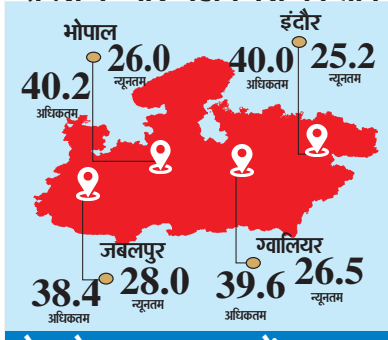

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
39.9 अधिकतम	25.4 न्यूनतम	34.3 अधिकतम	26.3 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
41.5 अधिकतम	24.5 न्यूनतम	28.2 अधिकतम	20.4 न्यूनतम

सूर्यास्त 6:48 PM
सूर्योदय 5:48 AM
चन्द्रोदय 5.43 PM
चन्द्रास्त 4:37 AM

प्रेमी को देख स्टेज से दौड़ी दुल्हन, दूल्हे के सामने गले में डाली वरमाला

छिंदवाड़ा में शादी के रंग में भंग, वर-वधु पक्ष के बीच हुई मारपीट

जागरण, छिंदवाड़ा। प्रदेश के छिंदवाड़ा में एक शादी समारोह में वरमाला के दौरान फिल्मी ड्रामे जैसा घटनाक्रम हुआ। शादी की रस्म के बीच दुल्हन ने प्रेमी को देखकर स्टेज से दौड़ लगा दी और दूल्हे को छोड़कर प्रेमी के गले में माला डाल दी। इसके बाद हंगामा मच गया। मामला जिले के उमरेठ में का है। गुरुवार को दुल्हन के स्टेज से भागने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। मालूम हो कि भलावी परिवार का दूल्हा सात फेरे लेने परासिया से मुजावर गांव पहुंचा था। यहां बारात का स्वागत हुआ, आतिशबाजी की गई। फिर मेहमान भोज के लिए स्टॉल्स पर पहुंचे। दूल्हा भी स्टेज पर आ गया और वरमाला रस्म की तैयारी होने लगी। कुछ देर में दुल्हन भी स्टेज पर आई और वरमाला हाथ में लेकर इधर-उधर देखा, फिर स्टेज से दौड़ लगा दी। वह पांडाल में मौजूद अपने प्रेमी के पास पहुंची और उससे लिपटकर उसके गले में माला डाल दी।

प्रेमी की हुई कुटाई, वर-वधु पक्ष भी भिड़े

अचानक घटनाक्रम को देखकर मेहमान और मौजूद अन्य लोग सकते में आ गए। दुल्हन के परिजन ने प्रेमी को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी और उसे पांडाल से बाहर भगा दिया। इसके बाद बाराती और घरातियों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हुई। दूल्हे ने शादी करने से इनकार कर दिया। बारात बिना शादी के ही वापस लौट गई।

दो साल से प्रेम प्रसंग, दबाव में राजी हुई थी

जानकारी अनुसार दुल्हन का प्रेम प्रसंग दो साल से चल रहा था। इसकी जानकारी परिवार के लोगों को थी। परिवार के दबाव में युवती शादी के लिए तैयार हो गई थी, लेकिन शादी के दिन प्रेमी को देखते ही उसने इरादा बदल लिया। फिलहाल, दुल्हन अपने परिजन के साथ घर पर ही है। मामले में वर पक्ष ने सामाजिक सम्मान और आर्थिक नुकसान होने की बात कही है। वधु पक्ष से गहने, अंगूठी और मोबाइल वापस ले लिए। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

दूसरा दूल्हा देखकर स्टेज से उतरी दुल्हन शादी ने इनकार के बाद बैरंग लौटी बारात

जागरण, शहडोल। प्रदेश के शहडोल जिले में एक दुल्हन ने वरमाला के दौरान शादी से इनकार कर दिया, उसने कहा- ये वो लड़का नहीं है, जिससे रिश्ता तय हुआ था। वर और वधु पक्ष के साथ शादी में मौजूद कई लोगों ने उसे समझाने की कोशिश की। लेकिन वह नहीं मानी। आखिर में बारात को शादी किए बिना ही बैरंग लौटना पड़ा। मामला ब्यौहारी इलाके का है। बारात गोहपारू से ब्यौहारी आई थी। दुल्हन के परिजन ने बारातियों का स्वागत किया। द्वारचार जैसी पारंपरिक रस्में पूरी की गईं। इसके बाद वरमाला की रस्म के लिए दूल्हा स्टेज पर पहुंचा। थोड़ी देर में ही दुल्हन भी सहेलियों के साथ स्टेज पर आई। दूल्हे ने दुल्हन को वरमाला पहनाई, जब दुल्हन की बारी आई, तो वह कुछ देर तक दूल्हे को गौर से देखती रही। फिर बिना माला पहनाए ही मंच से उतर गई। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को सूचना दी। समझाइश देने के बावजूद बात नहीं बनी तो दूल्हा-दुल्हन समेत दोनों पक्षों को थाने बुलाया। यहां दोनों पक्षों ने शादी नहीं करने पर लिखित सहमति दी। थाना प्रभारी जिया उल हक ने कहा- दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से शादी समारोह खत्म करने का निर्णय लिया और बिना किसी विवाद के अपने-अपने घर लौट गए।

शहडोल में दूल्हन, बोली- जिससे रिश्ता तय हुआ ये वो लड़का नहीं

धार में एक साथ जली 16 चिताएं, सभी की आंखें नम

जागरण, धार। इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। एक पिकअप वाहन के पलटने से 16 मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हैं। इस हादसे में सबसे हृदयविदारक पहलू यह रहा कि नयापुरा के एक ही डाबर परिवार के 8 सदस्यों की जान चली गई। सभी मृतकों का गुरुवार सुबह अंतिम संस्कार कर दिया गया। चार महिलाओं के शवों को एक ही चिता पर रखकर अंतिम संस्कार किया। श्मशान घाट पर दृश्य बड़ा ही करुण था, जहां हर किसी की आंखें नम थीं। वहीं पूरे गांव में मातम छाया है। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन में करीब 50 मजदूर सवार थे, जो बगगड़ से मजदूरी कर अपने गांव तिरला लौट रहे थे। वाहन में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। जैसे ही पिकअप जिओ पेट्रोल पंप के पास पहुंची, वह अनियंत्रित होकर तीन-चार बार पलटी खा गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डाबर परिवार के बच्चे और बड़े सभी काल के गाल में समा गए। हादसे में नयापुरा के 9, सेमलीपुरा के 5 और रामपुरा के 2 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 बच्चे शामिल हैं। अपनों को खोने वाले परिजन का बुरा हाल है। कोई पत्नी की तस्वीर हाथ में लेकर बैठा है तो कोई उनके कपड़े एकटक निहार रहा है।

बांधवगढ़ में मादा हाथी गायत्री की मौत एन्थ्रेक्स की आशंका से मचा हड़कंप

जानवरों से इंसानों में फैलती है एन्थ्रेक्स संक्रामक बीमारी, एसओपी के साथ हुआ अंतिम संस्कार

जागरण, उमरिया। प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मादा हाथी गायत्री की मौत से हड़कंप मच गया है। शुरुआती जांच में खतरनाक एन्थ्रेक्स संक्रमण की आशंका जताई जा रही है, जिसके बाद वन विभाग सतर्क हो गया है। साढ़े चार वर्षीय मादा कैंप हाथी गायत्री की अचानक मौत ने वन विभाग और वन्यजीव प्रेमियों को झकझोर दिया है। पहली नजर में यह एक सामान्य मौत नहीं लग रही, बल्कि इसके पीछे गंभीर संक्रमण की आशंका जताई जा रही है। गायत्री की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी थी। उसे दस्त डायरिया की समस्या हुई, जिसके बाद हालात और गंभीर हो गए। मृत्यु से पहले उसके मल द्वार से खून का बहाव भी देखा गया, जिसने चिकित्सकों को सतर्क कर दिया। यह लक्षण किसी सामान्य बीमारी के नहीं माने जा रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर से विशेषज्ञ वन्य जीव चिकित्सकों की टीम को तत्काल बुलाया। टीम ने बांधवगढ़ के स्थानीय पशु चिकित्सकों के साथ मिलकर जांच की। शुरुआती रिपोर्ट में इस घटना को संभावित एन्थ्रेक्स संक्रमण से जुड़ा माना जा रहा है। एन्थ्रेक्स एक खतरनाक संक्रामक बीमारी है, जो जानवरों से इंसानों तक फैल सकती है, इसलिए इसे बेहद संवेदनशीलता से लिया जा रहा है।

दाह संस्कार में एसओपी का सख्ती से पालन

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वन विभाग ने कोई जोखिम नहीं लिया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रोजेक्ट एलीफेंट प्रभाग द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का सख्ती से पालन किया। संक्रमण फैलने की आशंका को देखते हुए गायत्री के शव का वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित दाह संस्कार किया ताकि किसी भी तरह का खतरा आसपास के वन्यजीवों या इंसानों तक न पहुंचे। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी,

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के प्रतिनिधि, स्थानीय जनप्रतिनिधि और गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य मौजूद रहे।

पशु चिकित्सा विभाग को किया अलर्ट

एहतियात के तौर पर उमरिया जिले के स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा विभाग को भी अलर्ट कर दिया है। वन्यजीवों और पशुओं के संपर्क में आने वाले लोगों के लिए टीकाकरण और आवश्यक सावधानियों के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि अभी अंतिम पुष्टि पीएम और लैब रिपोर्ट के बाद ही होगी, लेकिन एन्थ्रेक्स की आशंका ने पूरे इलाके में चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल वन विभाग हालात पर नजर बनाए हुए है और हर जरूरी कदम उठाया जा रहा है, ताकि यह घटना किसी बड़े खतरे में न बदल जाए।

खुलासा : कान्हा में केनाइन डिस्टेंपर वायरस से हुई बाघों की मौत

फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट में सीडीवी की पुष्टि, 9 दिन में बाघिन और 4 शावकों की गई जान

जागरण, मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बाघिन और उसके चार शावकों की मौत मामले में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में इन मौतों का कारण घातक केनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) संक्रमण बताया है। कान्हा के डिप्टी डायरेक्टर प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ में हुए परीक्षणों में वायरस के संकेत मिले हैं। घटनाक्रम सरही परिक्षेत्र की बाघिन टी-141 और उसके परिवार से जुड़ा है। बाघिन के तीन शावकों की मौत 21 से 25 अप्रैल के बीच हुई थी। इसके बाद गंभीर रूप से बीमार बाघिन और उसके एकमात्र बचे शावक को रेस्क्यू कर मुक्की क्वॉरेंटाइन सेंटर में रखा गया, लेकिन 29 अप्रैल को दोनों ने दम तोड़ दिया। डिप्टी डायरेक्टर ने बताया कि केनाइन डिस्टेंपर वायरस एक संक्रामक बीमारी है जो मुख्य रूप से जंगली मांसाहारी जीवों के श्वसन, पाचन और तंत्रिका तंत्र को निशाना बनाती है। शुरुआत में शावकों के पीएम में पेट खाली मिलने और फेफड़ों में संक्रमण की बात सामने आई थी, जो इस वायरस के प्रमुख लक्षण हैं। यह वायरस बाघों के लिए अत्यधिक जानलेवा माना जाता है।

बंदूक और धारदार हथियारों के साथ भोपाल के पांच शिकारी गिरफ्तार

नीलगाय-भेड़की के मांस के साथ मिले प्राणियों के अंग

जागरण, गुना। जिले की वन परिक्षेत्र बीनागंज के अंतर्गत वन विभाग की टीम ने बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब साढ़े तीन बजे एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भोपाल से आए पाँच अंतरराज्यीय शिकारियों को पकड़ा। शिकारियों के कब्जे से एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी, अत्याधुनिक राइफल, जिंदा कारतूस और भारी मात्रा में वन्य जीवों का मांस बरामद किया है। वन परिक्षेत्राधिकारी सौरभ द्विवेदी को मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद स्कॉर्पियो में कुछ संदिग्ध व्यक्ति हथियारों के साथ जंगल में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही परिक्षेत्राधिकारी ने तत्काल कुंभराज और बीनागंज के वन अमले को सक्रिय कर ग्राम चौपना के पास नाकाबंदी की। संदिग्ध वाहन को रोककर जब तलाशी ली तो वन विभाग की टीम दंग रह गई। वाहन के अंदर से एक दूरबीन लगी हुई 30.06 बोर की राइफल, 07 जिंदा कारतूस, 02 खाली खोखे, छुरियां और कुल्हाड़ी बरामद हुई। इसके साथ ही शिकार किए गए हिरण, नीलगाय सहित वन्य जीवों का मांस एवं कटे हुए अंग भी मिले, जिसमें नीलगाय का कटा हुआ हिस्सा और दो टुकड़ों में बंटी हुई भेड़की जो हिरण की प्रजाति की होती है, शामिल थी। पुलिस ने मौके से मांस काटने के औजार और कलेजी भी जब्त की है। आरोपियों की पहचान मोइल अली, तनवीर जब्बार, फरहत खान, मोहसिन हकीम एवं सागर सिंह के रूप में हुई। सभी भोपाल के रहने वाले हैं। वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

बस हादसे में दूल्हे की दादी समेत तीन की मौत

जागरण, ब्यावरा। राजगढ़ जिले के ब्यावरा के पास आगरा-मुंबई एनएच पर गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। बारातियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें दूल्हे की दादी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र ट्रेवल्स की बस मुरैना जिले के रछेड़ गांव से उज्जैन में शादी समारोह में शामिल होने के लिए बारात लेकर रवाना हुई थी। बस में करीब 70 बाराती सवार थे, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल थे। सभी शादी में शामिल होने जा रहे थे, लेकिन रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। गुरुवार सुबह करीब छह बजे ब्यावरा के काचरी जोड़ के पास चालक को झपकी आने से बस अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खाई में पलटी मारते हुए उतर गई। चश्मदीदों के मुताबिक, बस करीब 20 मीटर तक पलटती गई और दूसरी लेन तक पहुंच गई। हादसे के बाद बस में सवार लोगों की चीख-पुकार दूर तक सुनाई दी।

दो भाइयों की हत्या करने वाले बाप-बेटे को फांसी की सजा

पन्ना कोर्ट ने मामले को 'जघन्य और सनसनीखेज' श्रेणी में रखा

जागरण, पन्ना। प्रदेश के पन्ना में दो भाइयों के बहुचर्चित हत्याकांड में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम की अदालत ने दो सगे भाइयों की हत्या और उनकी मां पर जानलेवा हमले के मामले में पिता चरन सिंह राजपूत और बेटे शुभम राजपूत को दोषी ठहराते हुए मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस मामले को 'जघन्य और सनसनीखेज' श्रेणी में रखते हुए दोनों आरोपियों को कड़ी सजा दी है। इस केस में सबसे बड़ी बात यह रही कि आरोपियों के माता-पिता और परिजनों ने ही उनके खिलाफ गवाही दी।

जन्मदिन पर आमंत्रित नहीं किया तो कर दी हत्या : घटना 27 मई 2023 की रात थाना देवेन्द्रनगर क्षेत्र के ग्राम गोल्डी मुड़िया में हुई थी। जानकारी अनुसार, नरेंद्र सिंह के बेटे का जन्मदिन था, जिसमें भूमि विवाद के चलते चरन सिंह और उसके परिवार को आमंत्रित नहीं किया था। इसी बात से नाराज होकर रात को चरन सिंह अपने बेटे शुभम के साथ वहां पहुंचा। घटना के समय घर के बाहर नरेंद्र सिंह, उनके भाई महेंद्र सिंह और परिवार के सदस्य मौजूद थे तभी पिता-पुत्र ने पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में नरेंद्र सिंह और महेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी मां फूलाबाई गंभीर रूप से घायल हो गईं। मामले की जांच तत्कालीन थाना प्रभारी शक्ति प्रकाश पांडेय ने की थी और आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक निदेशक अभियोजन डॉ. ज्योति जैन के मार्गदर्शन में वरिष्ठ सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्री राम यादव ने की।

आरोपियों के मां-पिता और परिजनों ने दिया सच का साथ

इस केस में सबसे पुख्ता कड़ी आरोपियों के अपने माता-पिता और परिजनों की गवाही बनी, जिन्होंने सच का साथ देते हुए दोषियों के खिलाफ बयान दिए। वहीं पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और अन्य भौतिक साक्ष्य भी बरामद किए थे, जिन्हें अभियोजन ने क्रमबद्ध तरीके से कोर्ट के सामने प्रस्तुत किया। कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों और न्यायिक दृष्टांतों से सहमत होते हुए माना कि यह अपराध क्रूरता की पराकाष्ठा है। सगे भाइयों का खून बहाना और अपनी ही मां पर जानलेवा हमला करना समाज के लिए एक बड़ा कलंक है, जिसके लिए मृत्युदंड ही उचित न्याय है।

डंपर ने कार को मारी टक्कर, चार की मौत

जागरण, कटनी। प्रदेश के कटनी में बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बसाडी गुरुवार अलसुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां एक अनियंत्रित हाईवा डंपर ने सामने से आ रही कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं दो युवक गंभीर घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, हालांकि उनकी स्थिति नाजुक है। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच शुरू कर दी हैं। दरअसल यह घटना के पास की है। जानकारी के अनुसार, नरसिंहपुर जिले के सगोरिया निवासी रघुवंशी परिवार के सदस्य एक विवाह समारोह में शामिल होने बरही थाना क्षेत्र के पिपरिया कला खिरहनी गए थे। कार्यक्रम होने के बाद रात 2 बजे पांचों सदस्य अनिल रघुवंशी, राकेश रघुवंशी, अरुण रघुवंशी, अभिषेक रघुवंशी

और गजेंद्र रघुवंशी कार से वापस नरसिंहपुर के लिए रवाना हुए थे। परिजन भैरव सिंह रघुवंशी ने बताया कि जैसे ही उनकी कार बसाडी चौराहे के समीप पहुंची। सामने से आ रहे डंपर के चालक ने कार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में चार लोग अनिल, राकेश, अरुण रघुवंशी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं इलाज के दौरान अभिषेक की भी जान चली गई।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र. : मप्रपुआअविनि/451/पयं/भोपाल-02/तशा/2026 भोपाल, दिनांक : 29.04.2026

प्रेस विज्ञप्ति

निर्माण कार्य 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक रनिंग ट्रेक (Top Layer) मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, लाल परेड ग्राउण्ड, भोपाल के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-02/2026-27 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No. 2026_MPPHC_504490_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 13.05.2026 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/125580/2026 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय तहसीलदार तहसील-हुजूर जिला भोपाल
प्रकरण क्रमांक /अ-20(2)/2025-26
मौजा-मेण्डोरी, तहसील हुजूर, भोपाल

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मेण्डोरी तहसील हुजूर जिला भोपाल की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 275, 276 कुल रकबा 0.3000 हे. भूमि मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड भोपाल (विद्युत विभाग) द्वारा प्रणाली सुदृणीकरण योजना अंतर्गत 2025-26 (SSTD Sheme) में प्रस्तावित नवीन 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र स्थापना हेतु आवंटन किये जाने के लिये आवेदन पत्र विचारार्थ लिया गया है। उक्त आवंटन में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह इस इश्तेहार जारी होने के दिनांक से प्रकरण में नियत आगामी दिनांक 07.05.2026 के पूर्व अथवा उक्त दिनांक को अपनी आपत्ति ऑनलाइन अथवा लिखित रूप से न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि पश्चात् प्रस्तुत आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 21.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी किया गया है।
म.प्र. माध्यम/125572/2026 पदमुद्रा **हस्ता/- तहसीलदार तहसील-हुजूर, भोपाल**

बिजनेस क्लास

सिनेमा से बिजनेस तक: अभिनेत्री दिविता जुनेजा की नई उड़ान

D'JANAÉ Attars के साथ दिविता जुनेजा की लक्जरी फ्रेग्रेंस की मार्केट में एंट्री

मुंबई। अंबाला व चंडीगढ़ के बीच पली-बढ़ी दिविता जुनेजा के जीवन में सिनेमा ने काफी जल्दी दस्तक दे दी थी। देश के जाने-माने उद्यमी संजीव जुनेजा की बेटी होने के नाते उन्हें बचपन से ही बिजनेस और ब्रांडिंग की बारीकियों को करीब से समझने का अवसर मिला। उनके पिता ने पेन रिलीफ और पेट केयर से जुड़े प्रोडक्ट्स के क्षेत्र में एक मजबूत और सफल बिजनेस खड़ा किया है, जिसका प्रभाव दिविता की सोच और विजन में साफ दिखाई देता है।

हाल ही में रिलीज हुई उनकी डेब्यू फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' में उन्होंने अनुभवी कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की, लेकिन दिविता की असली खासियत सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। उनका आफ-स्क्रीन विजन और उद्यमशीलता उन्हें अलग पहचान दिला रही है।

इसी कड़ी में, दिविता अब अपने पहले वेडिंग-थीम्ड पाप-अप इवेंट के साथ मुंबई के वर्ली स्थित एक स्टूडियो में कदम रखने जा रही हैं, जहां वह अपने लक्जरी फ्रेग्रेंस ब्रांड **D'JANAÉ Attars** को लान्च करेंगी। यह ब्रांड खास तौर पर शादियों और बड़े सेलिब्रेशन्स से जुड़े हाई-वैल्यू गिफ्टिंग सेगमेंट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

मास मीडिया में स्नातक दिविता का फ्रेग्रेंस को लेकर नजरिया बेहद स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। D'JANAÉ Attars का मतलब है 'डिवाइन एसेंस' यानी ऐसी खुशबू जो सिर्फ महक नहीं, बल्कि एक भावना और अनुभव बनकर उभरे। ब्रांड के अंतर्गत Shanti, Shringaar, Oud Al Malik और Oud Al Malika जैसे प्रोडक्ट्स शामिल हैं, जो पारंपरिक भारतीय खुशबूओं को आधुनिक और प्रीमियम टच के साथ प्रस्तुत करते हैं। D'JANAÉ की खासियत सिर्फ इसकी खुशबू तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कस्टमाइज्ड और पर्सनलाइज्ड गिफ्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करता है, जिसमें नाम, इनीशियल्स, खास संदेश और प्रीमियम पैकेजिंग शामिल हैं। यह ब्रांड उन लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो अपने खास पलों को और भी खास बनाना चाहते हैं। दिविता का लक्ष्य स्पष्ट है कि भारत की पारंपरिक खुशबूओं को एक ग्लोबल और लक्जरी पहचान देना, जो देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग छाप छोड़ सके। सिनेमा और बिजनेस, दोनों क्षेत्रों में अपने कदम मजबूती से रखते हुए, दिविता जुनेजा एक नई पीढ़ी की ऐसी युवा हस्ती के रूप में उभर रही हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के बीच एक खूबसूरत संतुलन बनाकर आगे बढ़ रही हैं।

पश्चिम रेलवे ने चलाई बंगाल के लिए चार वन-वे स्पेशल ट्रेनें

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए भुज-कोलकाता, राजकोट-कोलकाता, साबरमती-हावड़ा एवं वटवा-हावड़ा के बीच वन वे स्पेशल ट्रेनें विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया। ट्रेन संख्या 09401 भुज-कोलकाता वन-वे स्पेशल गुरुवार को भुज से निकली, जो तीसरे दिन 15.10 बजे कोलकाता पहुंचेगी। ये ट्रेन गांधीधाम, भचाऊ,जयपुर, बांदीकुई, इदगाह आगरा, सूबेदारगंज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, भागलपुर, कहलगाँव, साहिबगंज, बडहरवा,रामपुर हाट, बोलपुर, वर्धमान एवं बैंडेल स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन संख्या 09501 राजकोट कोलकाता वन-वे स्पेशल गुरुवार को राजकोट से निकली तथा तीसरे दिन 17.10 बजे कोलकाता पहुंचेगी। यह ट्रेन वांकानेर, सुरेंद्रनगर, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, अजमेर, मिर्जापुर, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किउल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, कहलगाँव, बडहरवा, रामपुर हाट, बोलपुर, वर्धमान एवं बैंडेल स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में स्लीपर तथा सामान्य श्रेणी कोच हैं। ट्रेन संख्या 09403 साबरमती-हावड़ा वन-वे स्पेशल 1 मई (शुक्रवार) को साबरमती से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 15.30 बजे हावड़ा जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, अजमेर, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, इदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किउल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगाँव, साहिबगंज, बडहरवा,रामपुर हाट, बोलपुर, वर्धमान एवं बैंडेल स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन संख्या 09481 वटवा-हावड़ा वन-वे स्पेशल 1 मई (शुक्रवार) को वटवा से 16.45 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 10ः00 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन छायापुरी, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बिना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, कोडरमा, धनबाद, आसनसोल तथा दुर्गापुर स्टेशनों पर ठहरेगी।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

583 ▼ 76,913

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Bajaj Auto	10,045.00	4.72%
Sun Pharma	1,815.00	1.66%
Infosys	1,189.80	1.22%
Tech Mahindra	1,482.00	0.94%
Bajaj Finance	975.00	0.75%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
TMPV	337.50	-3.16%
Eternal	242.65	-2.76%
HUL	2,211.60	-2.74%
Hindalco	1,030.40	-2.74%
Axis Bank	1,257.30	-2.17%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	94,9100
€ यूरो	110.98
¥ येन	0.5959
£ पौंड	128.14

तेल में उबाल: 2022 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर कच्चा तेल

अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी वैश्विक चिंता, कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक ऊर्जा बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। क्रूड ऑयल गुरुवार को करीब 7 फीसदी उछलकर 125-126 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जो 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि दिन के अंत में इसमें कुछ गिरावट आई और कीमतें लगभग 114 डॉलर के आसपास स्थिर हुईं। फिर भी बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। तेल की कीमतों में इस तेजी के पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी सेना डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य विकल्पों पर ब्रीफ करने वाली है, जिसमें 'तेज और सीमित हमलों' की योजना भी शामिल हो सकती है। इसके अलावा, ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर बातचीत ठप पड़ गई है, जिससे तनाव और बढ़ गया है। ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई सख्त चेतावनियों ने भी बाजार में अनिश्चितता को बढ़ावा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर अमेरिका-ईरान के बीच तनाव और बढ़ता है या हॉर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिति और बिगड़ती है, तो तेल की कीमतों में और तेजी आ सकती है। वहीं, अगर कूटनीतिक समाधान निकलता है, तो बाजार में कुछ स्थिरता लौट सकती है।

वैश्विक बाजार और आम लोगों पर असर

तेल की कीमतों में तेजी का असर पूरी दुनिया में दिखने लगा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। इसके अलावा, खाद्य पदार्थों, हवाई यात्रा और ऊर्जा बिल की लागत भी बढ़ने की आशंका है। उर्वरक की कीमतों में बढ़ोतरी से कृषि लागत पर दबाव बढ़ सकता है, जिसका असर आगे चलकर खाद्य महंगाई के रूप में सामने आ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतें बढ़ने से पूरी सप्लाई चेन प्रभावित होती है, जिससे रोजमर्रा की वस्तुएं भी महंगी हो जाती हैं।

भारत पर बढ़ेगा दबाव

भारत जैसे देश, जो अपनी जरूरत का 80त्न से ज्यादा कच्चा तेल आयात करते हैं, उनके लिए यह स्थिति ज्यादा चिंताजनक है।

- पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं
- महंगाई दर में तेजी आ सकती है
- आयात बिल बढ़ने से चालू खाते पर दबाव पड़ेगा
- रुपये की कीमत पर असर पड़ सकता है।

वर्ल्ड बैंक की बड़ी भविष्यवाणी

सोने में 26 में रिकॉर्ड तेजी 2027 में गिरावट के संकेत

नई दिल्ली, जेएनएन। अगर आप सोने में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो वर्ल्ड बैंक की ताजा रिपोर्ट आपके फैसले को प्रभावित कर सकती है। वर्ल्ड बैंक के कमोडिटी मार्केट आउटलुक के अनुसार, साल 2026 में सोने की कीमतें 37 फीसदी तक बढ़ सकती हैं, लेकिन 2027 में इसमें 8.5 फीसदी की गिरावट आने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में सोने की औसत कीमत करीब 4,700 डॉलर प्रति औंस (भारतीय मुद्रा में लगभग 1.44 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम) तक पहुंच सकती है। यह 2025 की तुलना में बड़ी बढ़त होगी। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार कोमेक्स गोल्ड पर सोना 4,600 डॉलर प्रति औंस के आसपास ट्रेड कर रहा है, जबकि घरेलू बाजार एमसीएक्स पर कीमतें 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब हैं। सोने में इस तेजी की सबसे बड़ी वजह वैश्विक अस्थिरता है। खासकर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव निवेशकों को सुरक्षित विकल्प की ओर धकेल रहा है। ऐसे हालात में सोना पारंपरिक रूप से 'सेफ हेवन' निवेश माना जाता है, जिससे इसकी मांग तेजी से बढ़ती है। इसके अलावा, सप्लाई चेन में बाधाएं और हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव भी कीमतों को ऊपर ले जा रहा है। वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि 2027 में सोने की कीमत घटकर औसतन 4,300 डॉलर प्रति औंस रह सकती है। अगर वैश्विक तनाव कम हुआ तो सुरक्षित निवेश की मांग घटेगी और प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं महंगाई नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरें बढ़ा सकती हैं। साथ ही ब्याज दर बढ़ने से सोना रखने की लागत बढ़ेगी, जिससे निवेशक दूर हो सकते हैं। ये अनुमान कई अनिश्चितताओं पर आधारित हैं। तनाव और बढ़ता है या सप्लाई बाधित रहती है, तो कीमतें अनुमान से भी ज्यादा ऊपर जा सकती हैं।

रिलायंस रिटेल ने प्रियंका चोपड़ा के एनॉमली का अधिग्रहण किया

मुंबई, जेएनएन। रिलायंस रिटेल ने अभिनेत्री-उद्यमी प्रियंका चोपड़ा जोनस के ग्लोबल हेयरकेयर ब्रांड एनॉमली का अधिग्रहण कर लिया है। इस डील के साथ रिलायंस रिटेल ने तेजी से बढ़ते ब्यूटी और पर्सनल केयर सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। हालांकि, सौदे की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है। कंपनी के अनुसार, इस अधिग्रहण के तहत एनॉमली के सभी ट्रेडमार्क, ब्रांड एसेट्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म अब रिलायंस रिटेल के स्वामित्व में आ गए हैं। इससे कंपनी को अपने व्यापक रिटेल नेटवर्क और ओम्नीचैनल प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड को तेजी से विस्तार देने में मदद मिलेगी। एनॉमली ब्रांड की शुरुआत 2021 में प्रियंका चोपड़ा ने की थी। यह ब्रांड क्लीन, वीगन और किफायती हेयरकेयर प्रोडक्ट्स के लिए जाना जाता है। इसकी खासियत उच्च गुणवत्ता वाले फॉर्मूले और सस्टेनेबल अप्रोच है, जिसने इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में अलग पहचान दिलाई। ईशा अंबानी ने कहा कि एनॉमली को अपने पोर्टफोलियो में शामिल करना कंपनी की नई पीढ़ी के ब्यूटी ब्रांड्स में निवेश की रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि रिलायंस अपने ऑफलाइन स्टोर्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे टीरा के जरिए इस ब्रांड को भारत और वैश्विक बाजारों में आगे बढ़ाएगा। अधिग्रहण के बाद भी प्रियंका चोपड़ा ब्रांड से जुड़ी रहेंगी। वे क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में प्रोडक्ट इनोवेशन और ब्रांड की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि यह एनोमली के लिए एक नया और महत्वपूर्ण चरण है, जो इसे वैश्विक स्तर पर और मजबूत बनाएगा। रिलायंस रिटेल ने संकेत दिया है कि भारत इस ब्रांड के विस्तार का प्रमुख केंद्र होगा। कंपनी भारतीय उपभोक्ताओं के बालों और स्कैल्प की जरूरतों के अनुसार नए प्रोडक्ट विकसित करने की योजना बना रही है।

आरबीआई ने 104 टन सोना किया शिफ्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में अपने गोल्ड रिजर्व को लेकर बड़ा रणनीतिक फैसला लिया है। केंद्रीय बैंक ने करीब 104 टन सोना विदेशों से भारत के घरेलू वॉल्ट में स्थानांतरित किया है। यह जानकारी आरबीआई की विदेशी मुद्रा भंडार पर जारी अर्धवार्षिक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 के अंत तक भारत में रखा गया सोना बढ़कर 680.05 टन हो गया, जो सितंबर 2025 में 575.82 टन था। यानी सिर्फ छह महीनों में 104 टन की बढ़ोतरी हुई है। इसके विपरीत, विदेशों में रखे गए सोने में बड़ी कमी आई है। बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक और इंटरनेशनल सैटलमेंट के पास रखा सोना घटकर 197.67 टन रह गया, जो पहले 290.37 टन था। मार्च 2026 तक आरबीआई के पास कुल 880.52 टन सोना था, जो सितंबर 2025 के 880.18 टन के करीब ही है। इससे साफ है कि यह बदलाव नई खरीद नहीं, बल्कि सोने के भंडारण की जगह बदलने का परिणाम है। इस बदलाव के बाद भारत में रखे गए सोने की हिस्सेदारी बढ़कर 77 फीसदी से ज्यादा हो गई है, जो पहले करीब 65 फीसदी थी।

शेयर बाजार में निराशा : सेंसेक्स 583 अंक तो निफ्टी 23,998 अंक लुढ़का

मुंबई, जेएनएन। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिखा। गुरुवार के कारोबारी सत्र में बीएससी सेंसेक्स 583 अंक गिरकर 76,913 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी-50 180 अंक टूटकर 23,998 पर आ गया। गुरुवार के कारोबार में आईटी सेक्टर ने बाजार को कुछ सहारा दिया। इंफोसिस और टेक महिंद्रा जैसे शेयरों में हल्की खरीदारी देखी गई। इसके उलट मेटल और सरकारी बैंकिंग सेक्टर में भारी बिकवाली रही। मेटल इंडेक्स करीब 2 प्रतिशत टूट गया। बाजार में आई इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान-इजराइल के बीच संघर्ष ने वैश्विक निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा कच्चे तेल में उछाल भी बड़ी वजह है।

प्रथम पृष्ठ के शेष

जबलपुर: बरगी डैम में...

गई तो सुरक्षित बाहर निकाले गए लोगों की संख्या भी डेढ़ दर्जन तक पहुंच चुकी थी। इनमें से दो लोग करीब तीन घंटे तक पानी में डूबे रहने के बाद सुरक्षित निकाले गए हैं।

हर आवाज पर दौड़ जाते हैं लोग: क्रूज में सवार हुए आधे लोगों का देर रात तक कोई पता नहीं चल सका है। उनके अपने अंधेरे में भी उन्हें खोज रहे हैं। जैसे ही किसी के सुरक्षित मिलने की आवाजें गूंजती हैं, घाट पर अनायास ही दौड़-भाग बढ़ जाती है। चार लोगों के निधन और 15 लोगों की सूचना तो घंटे भर बाद ही आ गई थी। ऑपरेशन के करीब तीन घंटे बाद जब क्रूज को कटर से काटकर घाट तक लाने की कोशिश की गई तो वहां से एक शख्स सांसें भरता हुआ मिल गया। इसके पहले दो घंटे के ऑपरेशन में भी एक युवक को सकुशल निकालने में टीम सफल रही थी। ऐसे में लापता लोगों की संख्या देर रात 19 तक पहुंच गई। हादसे की सूचना मिलते ही कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी संपत उपाध्याय सहित प्रशासन व पुलिस के तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। थोड़ी देर बाद जबलपुर के सांसद आशीष दुबे सहित विधायक व पीडब्लूडी मंत्री राकेश सिंह भी मौके पर पहुंच गए। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह को भी वहां पहुंचने के निर्देश दिए। जबलपुर संभाग प्रभारी एसीएस, एडीजी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी मौके पर पहुंचने के निर्देश भी उन्होंने दिए।

गुजरात की तरह समृद्ध

अब समय बदल रहा है और हमारे किसान दो नहीं, ग्रीष्मकाल में तीसरी फसल भी लेने लगे हैं। अब स्थिति ऐसी है कि कृषक परिवारों से आने वाले युवा डॉक्टर,इंजीनियर बनना चाहते हैं,लेकिन खेती को भी लाभ का जरिया बनाया जा सकता है,इसके लिए युवाओं को प्रेरित करने की आवश्यकता है। डॉ. यादव ने कहा कि इजरायल जैसे देशों में कम बारिश के बाद भी खेती के प्रति ललक देखते ही बनती है इजरायल ने अपनी क्षमता योग्यता के बल पर खेती को आधुनिक और आय का जरिया बनाया है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं. – टीआरएस-जी-आरटी-ओपीएन-06-आरएसपी-25-26, दिनांक : 28.04.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से सक्षम, स्थापित, अनुभवी ठेकेदारों/प्रतिष्ठानों जो इस प्रकार के कार्य का अनुभव रखते हो, से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेंडर (ओपेन) निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य का विवरण स्थान सहित : रिपेयरिंग/ओवरहौलिंग ऑफ शंटिग कॉन्टैक्टर & लाइन कॉन्टैक्टर 1500 Amp कैपेसिटी ऑफ कांवेंसनल लोकोमोटिव्स क्वांटिटी लाइन कॉन्टैक्टर 1500 नोस & शंटिंग कॉन्टैक्टर 1500 नोस। फर्म की कार्यशाला, अनुमानित लागत : ₹2,65,65,750/-, धरोहर राशि : ₹5,31,300/-, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक : 25.05.2026 समय 13:00 बजे तक, दिनांक : 25.05.2026 समय 15.00 बजे। वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का विवरण का जहां से निविदा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है:वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर निविदा उपलब्ध है। निविदा की विस्तृत जानकारी वारिष्ठ मंडल बिजली इंजी./कचस्टा विद्युत लोको शेड पंडित दीन दयाल उपाध्याय के कार्यालय से ली जा सकती है।

मंडल रेल प्रबन्धक/कचस्टा/
पूमरे/पं दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/0147/डीडीयू/डीआरएम/टीआरएस/टी/26-27/36

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं. : 1. कार्य का नाम एवं स्थान : पाटलिपुत्र रेल परिसर दिघा पटना में नव-निर्मित ऑडिटोरियम और ब्लॉक C के लिए 04 नंबर पेसेंजर लिफ्ट (लिफ्ट) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। E-Tender No. EL-C-N-MHX-ETEN-13-25-26, **2. अनुमानित कार्य की लागत :** रू० 1,15,68,527.32, **3. जमा किए जाने वाले बयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य :** NIT के अनुसार एवं रु. शून्य, **4. कार्य पूर्ण करने का समय :** 06 माह, **5. निविदा बंद होने का तिथि एवं समय :** 18/05/2026 दोपहर 12:00 बजे तक, **6. वेबसाईट विवरण नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा की पूर्ण जानकारी देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है :** आई.आर.ई.पी.एस वेबसाईट www.ireps.gov.in पर निविदा डाउन लोड किया जा सकता है एवं सीईई/कॉन महेन्द्रूघाट, कार्यालय सीएओ/कॉन ईसीआर ऑफिस परिसर पटना 800004 में निविदा पट पर देखा जा सकता है। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगें एवं मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण/उत्तर महेंद्रूघाट/पटना के कार्यालय में देखा जा सकता है। निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पन्द्रह दिन पहले वेबसाईट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा। **उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर पू.म.रे./महेंद्रूघाट/पटना**

पीआर/0156/कॉन एसपीजे/सीओएनएसटी/टी/26-27/48

फॉर्म संख्या IV
[नियम 5 का उप-नियम (2A) देखे]
समन-ऋण वसूली न्यायाधिकरण के नियम 5 के उप-नियम (2A) के साथ पठित अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत।

ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर म.प्र. के समक्ष
(द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), मुख्य डाकघर के पास, रेजीडेंसी रोड, जबलपुर 482001 मध्य प्रदेश)
OA/2323/2025

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ..... आवेदक
बनाम
मेसर्स रिकी विलियम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड एवं अन्य ..... प्रतिवादी
1. मेसर्स रिकी विलियम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड
कार्यलिय पता- दूसरी मंजिल, ब्लॉक नंबर 8. फ्लैट नं. 4. सौम्य पार्कलैंडस अवधपुरी रोड, अवधपुरी, भोपाल म.प्र. 462022.
2. श्रीमति प्रियंका गोस्वामी पत्नी श्री आशुतोष गिरी गोस्वामी
निवासी 99, सुरभि मोहिनी होम्स, बरखेडा पठानी, विधा सागर कॉलेज के पास, हुजूर, गोपाल म.प्र. 462022
3. श्री आशुतोष गिरी गोस्वामी पुत्र श्री नवल किशोर गिरी गोस्वामी
निवासी 99, सुरभि मोहिनी होम्स, बरखेडा पठानी, विधा सागर कॉलेज के पास, हुजूर, भोपाल म.प्र. 462022
...प्रतिवादीगण

चूंकि, मूल आवेदन संख्या 2323/2025 माननीय पीठासीन अधिकारी के समक्ष दिनांक 30/01/2026 को सूचीबद्ध किया गया था।
चूंकि, माननीय ट्रिब्यूनल एक्ट के सेक्शन 19 (4) के तहत इस एप्लीकेशन पर समन/नोटिस जारी करता है। आपके खिलाफ रू. 48,32,204.08/- (रूपये अड़तालीस लाख बत्तीस हजार दो सौ चार रूपये और आठ पैसे मात्र) के कर्ज की रिकवरी के लिय OA फाइल किया गया है, साथ ही कॉन्ट्रैक्ट के रेट पर ब्याज, पेनल्टी ब्याज और चार्ज भी।
अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (4) के अनुसार, आप प्रतिवादियों को निम्नानुसार निदेशित किया जाता हैं:-
1. समन की तामिली के तीस दिनों के भीतर कारण बताए कि मांगी गई राहत क्यों न प्रदान की जाए;
2. मूल आवेदन के कम संख्या 3A के तहत आवेदक द्वारा निर्दिष्ट संपत्तियो और परिसंपत्तियों के अलावा अन्य संपत्तियो या परिसंपत्तियो का विवरण प्रकट करें;
3. संपत्तियो कि कुर्की के आवेदन पर सुनवाई और निपटान लंबित रहने तक, आपको सुरक्षित परिसंपत्तियों (secured assets) या मूल आवेदन कि कंम संख्या 3A के तहत प्रकट कि गई ऐसी अन्य परिसंपत्तियो और संपत्तियों के लेन देन या निपटान से प्रतिबंधित किया जाता हैं:
4. आप न्यायाधिकरण के पूर्व अनुमोदन के बिना, उन संपत्तियो को जिन पर सुरक्षा हित (security interest) बनाया गया है और / या मुल आवेदन कि कम संख्या 3A के तहत निर्दिष्ट या प्रकट कि गईं अन्य परिसंपत्तियों और संपत्तियों कों बिकी, पट्टे या किसी और तरीके से (सामान्य व्यावसायिक कार्यों के अलावा) हस्तांतरित नहीं करेंगे,
5. आप व्यवसाय के सामान्य कर्म में सुरक्षित परिसंपत्तियों या अन्य संपतियों कि बिकी से प्राप्त राशि का हिसाब देने और ऐसी बिकी राशि को उस बैंक या वित्तीय संस्थान के खाते में जमा करने के लिए उत्तरदायी होगें, जिसके पास ऐसा संपत्तियो पर सुरक्षा हित है।
आपको लिखित विवरण (Written Statement) दाखिल करने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसकी एक प्रति आवेदक को दि जाऐ और आप 18.08.2026 को प्रातः 10:30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित हों विफल रहने पर आवेदन पर आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।
आज दिनांक 27/04/26 को मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण कि मुहर के तहत जारी किया गया।
तारीख — रजिस्ट्रार
(मुहर) — ऋण वसूली अधिकरण

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN COMPANY LTD.
(A Govt. of M.P. Undertaking)
OFFICE OF THE DY. GENERAL MANAGER (SOUTH) CITY DIVISION, BHOPAL
Office Add. SECOND STOP, TULSI NAGAR, BHOPAL
Phone No. : 0755-2678306, E-Mail : citysouthbpl@gmail.com
No. : DGM/CDS/PUR/473 — Bhopal, Dated : 29.04.2026

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations.

Name of Unit/Office	Particulars	EMD (Rs.)	Due Date of Submission of Offer	Opening Date & Time
Manger M.P. Nagar zone Under City Division South, Bhopal	Type G3 : Light Commercial Vehicle Non-AC 3 to 5 metric ton Truck or equivalent (For Single shift)	3000/-	05.05.2026 Up to 3.00 P.M.	05.05.2026 at 03.30 P.M.

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/125574/2026 — **DGM (SOUTH)**

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
होर्डिंग शाखा
मुख्यालय, सेकेंड स्टॉप, तुलसी नगर, लिंक रोड नं.- 2, भोपाल
Email-hording.shakha@gmail.com

क्र. 836/हो.शा./2026 — **:: ई-निविदा आमंत्रण सूचना ::** — भोपाल, दिनांक 30/04/2026

नगर पालिक निगम, भोपाल 'नगर निगम भोपाल सीमांतर्गत चिन्हित स्थलों पर स्थापित स्मार्ट नेविगेशन डिवाइस (दिशासूचक गेंट्री) के निर्धारित भाग पर विज्ञापन के अधिकार प्रदान करने हेतु एजेंसी के चयन हेतु ई-निविदा (Engagement of Agency For Operation, Maintenance And Award of Display Rights On Smart Navigation Devices in Bhopal Municipal Corporation Control Area)" के अंतर्गत ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करता है :

क्र.	गेंट्री पैकेज क्र.	निविदा क्रमांक	न्यूनतम वार्षिक ऑफसेट राशि रु.	5% निक्षेप निधि (EMD) राशि रु.
1	BMCSNDG-A	2026_UAD_500419_1	51,54,184/-	2,57,709/-
2	BMCSNDG-B	2026_UAD_500423_1	51,35,825/-	2,56,791/-
3	BMCSNDG-C	2026_UAD_500427_1	59,15,674/-	2,95,784/-
4	BMCSNDG-D	2026_UAD_500431_1	48,00,000/-	2,40,000/-

निविदा से संबंधित समस्त जानकारी ई-निविदा पोर्टल www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा से संबंधित समस्त संशोधन (Corrigendum) ऑनलाइन टेंडर पोर्टल www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित किए जाएंगे तथा इस संबंध में किसी समाचार पत्र में संशोधित विज्ञप्ति (Corrigendum) प्रकाशित नहीं की जाएगी।

नि.क्र. 141/026/027 — उपायुक्त, नगर निगम भोपाल

कार्यालय नगर पालिका परिषद् ब्यावरा जिला राजगढ़ (म.प्र.)

क्रमांक/504/निर्माण/2026 — **(ऑनलाईन निविदा सूचना)** — ब्यावरा, दिनांक : 29/04/2026

एतद द्वारा नवीन केन्द्रीकृत प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पालिका ब्यावरा जिला राजगढ़ में नगर पालिका सीमा क्षेत्र में नीचे लिखित अनुसार निर्माण कार्य कराये जाने हेतु एस.ओ.आर. दर आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। अतः इच्छुक निविदादाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपनी ऑनलाईन निविदा दर ई-टेण्डरिंग प्रणाली के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी ई टेण्डर वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा एवं उसकी तिथियों में किसी भी प्रकार संशोधन/परिवर्तन/परिवर्धन होने की दशा में सूचना ऑनलाइन ही जारी की जावेगी, पृथक से कोई सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

क्र.	जावक क्रमांक	ऑन लाईन निविदा	कार्य का नाम/विवरण	अनुमानित लागत लाख में	धरोहर राशि	निविदा पत्रक शुल्क	ठेकेदार सप्लायर्स की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	अन्य विवरण
1	504	2026_UAD_504033_1	निकाय क्षेत्रांतर्गत ऑडिटोरियम इंटीरियर निर्माण कार्य	1,10,03,508/-	55,018/-	12,500	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत लाइसेंसधारी ठेकेदार	अनुबंध दिनांक से 6 माह (वर्षाकाल सहित)	एस.ओ. आर. रेट

KEY DATES

No.	Work Departmen Stage/ Bidder's Stage	Start Date	Start Time	Expiry Date	Expiry Time	Envelops
1	2	3	4	5	6	7
1	Purchase of Tender Online	30/04/2026	10.30 AM	29.05.2026	17.30 PM	-
2	Prebid meeting Date and Time	Not required	-	-	-	-
3	Bid Submission start	30/04/2026	10.30 AM	29.05.2026	17.30 PM	-
4	Bid Submission End	-	-	29.05.2026	17.30 PM	
5	Physical Submission of Municipal Office End date			-	-	only online submission
6	Mandatory Submission Open			01.06.2026	09:00 AM	

शर्तें :- विभागीय वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

श्रीमति लीलादेवी फूल सिंह कुशवाह, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद ब्यावरा — अतुल जगताप, उपाध्यक्ष, नगर पालिका परिषद ब्यावरा — इकरार अहमद, मु. न. पा. अधिकारी, नगर पालिका परिषद ब्यावरा

फॉर्म नं. 4
(नियम 5 के उप नियम (2ए) देखे)
अधिनियम की उपधारा 19 के तहत् समन, ऋण वसूली न्यायधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 1993 के नियम 5 के उपनियम (2ए) के साथ पढ़ा जाए।
ऋण वसूली न्यायधिकरण, जबलपुर, द्वितीय एवं तृतीय तल संचार विकास भवन, (बी.एस.एन.एल. बिल्डिंग) पोस्ट आफिस के पास, टेसिडेन्सी रोड, जबलपुर मध्यप्रदेश 482001
केस संख्या ओए संख्या 186/2026

तारीख......
सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया — आवेदक
बनाम
श्रीमति शुभांगनी श्रीवास्तव — बचाव पक्ष
1. श्रीमति शुभांगनी श्रीवास्तव पत्नि श्री विशाल श्रीवास्तव
पता: 2/14 छत्रसाल नगर, जे. के. रोड, भोपाल (म.प्र.)
अन्य पता- बी-483, F-1 कोलार रोड हुजूर भोपाल (म.प्र.) 462042
अन्य पता- 165, डी. के. काटेजेस, रोहित नगर, भोपाल (म.प्र) 462039
अन्य पता - ए/196, पीसी कालोनी, कंकर बाग, लोहिया पार्क, संपतचक, पटना (बिहार)
2. मे. अर्थ डेकोर द्वारा प्रो. श्री शुभांगनी श्रीवास्तव
पता: 2/14 छत्रसाल नगर, जे. के. रोड, भोपाल (म.प्र.)
3. विशाल श्रीवास्तव पिता श्री नवीन श्रीवास्तव
पता: 2/14 छत्रसाल नगर, जे. के. रोड, भोपाल (म.प्र.)
अन्य पता - प्लाट नं. 304, थर्ड फ्लोर, शकुन समृद्धि मल्टी यूनिट, प्लाट नं. 2, प्लाट नं. 214 और 215, ग्राम- नयापुरा, प.ह.नं. 38, विकास खण्ड फन्दा, कोलार रोड भोपाल म.प्र.
अन्य पता - 165, डी. के. काटेजेस, रोहित नगर, भोपाल (म.प्र) 462039
जबकि, ओए संख्या 186/26 माननीय पीठासीन अधिकारी के समक्ष 30/01/26
जबकि माननीय न्यायाधिकरण से निवेदन है कि अधिनियम की धारा 19 (4) के अंतगर्त आपके विरुद्ध दायर उक्त आवेदन (ओए) पर Rs. 44,55,805.58/- रूपये के ऋण की वसूली हेतु व्यय एवं भविष्य के व्याज सहित समन/सूचना जारी की जाए।
अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (4) के अनुसार, आप प्रतिवादियों को निम्नलिखित निर्देष दिए जाते है।
1. समन की तामील के तीस दिनों के भीतर बताऐ कि मांगी गई राहत क्यों नही दी जानी चाहिए।
2. मूल आवेदन के क्रमांक 3ए के अंतगर्त आवेदक द्वारा निर्दिष्ट संपत्तियों और परिसंपत्तियों के अतिरिक्त अन्य संपत्तियों या परिसंपत्तियों का विवरण प्रकट करना।
3. आपको मूल आवेदन के 3ए के तहत प्रकट की गई सुरक्षित संपत्तियों या ऐसी अन्य संपत्तियों और संपत्तियों के निपटान से रोका जाता है जब तक कि संपत्तियों की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई और निपटान नहीं हो जाता।
4. बिक्री पट्टे या अन्यथा के माध्यम से अपने व्यवसाय के सामान्य क्रम को छोड़कर उन संपत्तियों में से किसी को भी हस्तांतरित नहीं करेगें जिन पर सुरक्षा हित बनाया गया है और/या अन्य संपत्तियां और संपत्तियां मूल आवेदन के क्रमांक 3ए के तहत् निर्दिष्ट या प्रकट की गई न्यायधिकरण की पूर्व स्वीकृति के बिना:
5. आप व्यवसाय के सामान्य क्रम में सुरक्षित परिसंपत्तियों या अन्य संपत्तियों या परिसंपत्तियों और संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त विक्रय आय का हिसाब देने और ऐसी परिसंपत्तियों और सुरक्षा हित रखने वाले बैंक या वित्तीय संस्थानों के पास रखे गये खाते में ऐसी विक्रय आप जमा करने के लिए उत्तरदायी होंगें।
आपको लिखित बयान की एक प्रति भी दी जाती है जो आवेदक को उपलब्ध कराई गई है और आपको दिनांक 02/09/2026 को 10:30 बजे उपस्थित होना है। अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में आवेदन पर रजिस्ट्रार के समक्ष सुनवाई की जाऐगी।
इस पर मेरे हस्ताक्षर और न्यायधिकरण की मुहर के तहत यह दिनांक 20/04/2026 दिया जाता है।
न्यायाधिकरण के आदेश से
(मुहर) — रजिस्ट्रार, ऋण वसूली न्यायाधिकरण, जबलपुर

मध्य प्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
(अधीक्षण शाखा)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
दूरभाष क्र.- 0755-2512077, 2512076
क्रमांक एफ 2/2/15/0005/2025/12-1 / नाजिर/946 — भोपाल, दिनांक 13/04/2026

// तृतीय ई-निविदा सूचना //

मध्यप्रदेश राज्य मंत्रालय अंतर्गत सामान्य प्रशासन विभाग/मुख्यमंत्री कार्यालय एवं विभागीय अधिकारियों के शासकीय उपयोग के लिए 26 वाहन किराये पर लिये जाने हेतु ऑनलाईन तृतीय ई-निविदा ई-प्रोक्योरमेंट प्रोर्टल https://mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

1	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं निविदा प्रोसेसिंग फीस	रुपये 1000/- + प्रोसेसिंग शुल्क
2	निविदा फार्म ऑनलाईन क्रय करने की प्रारंभ तिथि व समय	दिनांक 16/04/2026 समय अपरान्ह 12:00 बजे से
3	निविदा फार्म ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 07/05/2026 समय अपरान्ह 12:00 बजे तक
4	निर्धारित अवधि में प्राप्त ऑनलाईन निविदाओं को खोलने की तिथि एवं समय	1. टेक्निकल बिड- दिनांक 08/05/2026 समय अपरान्ह 12:00 बजे 2. फायनेंशियल बिड - दिनांक 08/05/2026 समय अपरान्ह 12:30 बजे
5	प्राप्त निविदाएं खोले जाने का स्थान	मंत्रालय स्थित कक्ष क्रमांक-116 (समिति कक्ष)
6	निविदाओं को खोलते समय निविदाकारों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।	मंत्रालय स्थित कक्ष क्रमांक-116 (समिति कक्ष)

ई - निविदा सूचना में कोई भी संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित न किया जाकर वेबसाईट पर ही जारी किये जायेंगे। निविदा की विस्तृत शर्ते एवं जानकारी उपरोक्त वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

(मनोज श्रीवास्तव)
अवर सचिव (अधीक्षण)
मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

जी-12230/26

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हराकर लिया पिछली हार का बदला

बेंगलुरु की प्लेऑफ उम्मीदों को लगा झटका, गुजरात ने 16वें ओवर में चेज किया टारगेट

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने अनुशासित और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को गुरुवार को 155 रन पर समेट दिया। यह इस सीजन में पहली बार था जब आरसीबी की टीम ऑलआउट हुई। इसके बाद 156 रन के टारगेट को गुजरात टाइटंस ने 16वें ओवर में चेज कर लिया और 4 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। मौजूदा सीजन में गुजरात की यह 5वीं जीत है। वहीं आरसीबी को तीसरी बार हार का मुंह देखना पड़ा है। इससे उनकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को प्लेऑफ की उम्मीदों को झटका लगा है।

शुभमन गिल ने दी तेज शुरुआत

गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल ने आतिशी शुरुआत दी। वह आते ही गेंदबाजों पर बरस पड़े। गिल ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहे थे इस बीच साई सुदर्शन (6) अपना विकेट गंवा बैठे। हालांकि, गिल भी फिफ्टी की करीब पहुंचकर विराट कोहली को कैथ थमा दिए। कप्तान गिल ने 18 गेंदों पर 43 रन की पारी खेली। गिल के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए जोस बटलर ने रन गति को नहीं रुकने दिया। बटलर ने 4 हवाई फायर करने के साथ ही 2 चौके लगाए। भुवनेश्वर कुमार ने एक सटीक यॉर्कर पर उनका स्टंप उखाड़ दिया। बटलर ने 19 गेंदों पर 39 रन बनाए।

भुवी को 3 सफलता: 11वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने गुजरात को 2 झटके दिए। पहली गेंद पर उन्होंने शाहरुख खान (8) और तीसरी गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर (12) को आउट किया। इसके बाद होल्डन ने 12 रन बनाए। राहुल तेवतिया ने 27 और राशिद खान ने 07 रनों का योगदान दिया। आरसीबी की ओर से भुवनेश्वर ने 3 विकेट चटकाए। रोमारियो शेफर्ड को 2 सफलताएं मिलीं। आरसीबी की शुरुआत हालांकि शानदार रही। विराट कोहली (28) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए तेज रन बनाए और शुरुआती ओवरों में गुजरात के प्रमुख तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा को एक ओवर में 21 रन जड़ दिए, जिसमें लगातार पांच चौके शामिल थे। उस समय ऐसा लग रहा था कि आरसीबी बड़ा स्कोर खड़ा करेगी। लेकिन गिल ने अपने स्ट्राइक गेंदबाज पर भरोसा बनाए रखा।

रजत पाटीदार के कैच आउट पर हुआ बवाल

कप्तान रजत पाटीदार ने 15 गेंद में 19 रन का योगदान दिया। उनके कैच आउट पर काफी बवाल हुआ। कोहली और कोच फ्लावर मैदान के बाहर मैच आधिकारी से बहस करते दिखे। जितेश ने एक और टिम डेविड ने नौ रन बनाए। क्रुणाल ने चार और देवदत्त पडिकल 24 गेंद में 40 रन बनाकर आउट हुए। जोश हेजलवुड (शून्य) को जोस बटलर और शुभमन गिल ने रन आउट कर 155 के स्कोर पर आरसीबी की पारी का अंत कर दिया। मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाड़ा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। गुजरात टाइटंस के लिए अरशद खान ने तीन जबकि जेसन होल्डर और राशिद खान ने दो दो विकेट झटके। मोहम्मद सिराज और कागिसो रबाडा को एक एक विकेट मिला।

कोहली-रबाडा टक्कर रही खास आकर्षण

इससे पहले अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने का फैसला गुजरात के कप्तान शुभमन गिल के लिए पूरी तरह सही साबित हुआ, क्योंकि उनके गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटकते हुए विपक्षी टीम को संभलने का मौका ही नहीं दिया। इस मैच में कोहली और रबाडा के बीच की टक्कर खास आकर्षण रही। शुरुआत में कोहली हावी रहे, लेकिन अंततः रबादा ने बाजी मारते हुए उनका विकेट लिया, जो गुजरात के अनुशासित गेंदबाजी प्रदर्शन की झलक थी।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

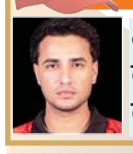

अभिषेक (हैदराबाद)	425
क्लासैन (हैदराबाद)	414
वैभव (राजस्थान)	400

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरु)	17
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	15
अंशुल कंबोज(चेन्नई)	14

बाउंड्री मीटर

765 छक्के
1317 चौके
81 अर्धशतक

राशिद खान ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 19 रन दिए और दो विकेट लिए। राशिद ने रन गति पर पूरी तरह लगाम लगाई।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	8	6	1	13	1.043
बेंगलुरु	9	6	3	12	1.420
हैदराबाद	9	6	3	12	0.832
राजस्थान	9	6	3	12	0.617
गुजरात	9	5	4	10	-0.192
चेन्नई	8	3	5	6	-0.121
दिल्ली	8	3	5	6	-1.060
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	8	2	6	4	0.784
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

खेल एक नजर

एशियाई अंडर-15 और अंडर-17

मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लेगा 56 सदस्यीय भारतीय दल

नयी दिल्ली, जेएनएन। भारत का 56 सदस्यीय मुक्केबाजी दल उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत इस प्रतिष्ठित आयु-वर्ग टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में मजबूत टीम के साथ उतर रहा है। भारतीय अंडर-17 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में 13-13 मुक्केबाज़ शामिल होंगे। ये मुक्केबाज 44-46 किग्रा से लेकर +80 किग्रा तक के अलग वजन वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। वहीं अंडर-15 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में 15-15 मुक्केबाज़ शामिल हैं। ये मुक्केबाज 30-33 किग्रा से लेकर +70 किग्रा तक के वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे और प्रत्येक टीम के साथ पांच कोच और एक फिजियो होगा। यह चैंपियनशिप अगली पीढ़ी के बेहतरीन मुक्केबाजों की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए एक अहम मंच का काम करती है।

ड्रेसिंग रूम में वेपिंग : रियान पर आईपीएल ने ठोंका जुर्माना

नई दिल्ली, जेएनएन। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को आईपीएल के नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है। आईपीएल ने रियान पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। इतना ही नहीं, उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जुड़ गया है। आरआर के कप्तान को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच नंबर 40 के दौरान ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते पाए जाने पर उन्हें दोषी ठहराया गया। आईपीएल की आधिकारिक मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, पराग ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.21 का उल्लंघन किया, जो ऐसा व्यवहार जो खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने से जुड़ा है। ये घटना मैच की दूसरी पारी के दौरान हुई, जब रियान ड्रेसिंग रूम में वेपिंग का इस्तेमाल करते नजर आए।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले लेग में एटलेटिको-आर्सनल का मैच हुआ ड्रा

लंदन में होने वाले दूसरे लेग से फाइनलिस्ट का होगा फैसला

नई दिल्ली, जेएनएन। यूईएफए चैंपियंस लीग के पहले सेमीफाइनल में बुधवार रात एटलेटिको मैड्रिड और आर्सनल का मैच 1-1 से बराबर रहा। मेट्रोपॉलिटानो स्टेडियम में खेले गए मैच में दोनों गोल पेनल्टी से आए। विक्टर ग्योकेरेस ने आर्सनल को बढ़त दिलाई। जूलियन अल्वारेज ने एटलेटिको के लिए बराबरी की। अब दोनों टीमों की नजरें अगले मंगलवार लंदन में होने वाले दूसरे लेग पर हैं। जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी।

दोनों गोल पेनल्टी से हुए

मैच के 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस को बॉक्स में गिराया गया और आर्सनल को पेनल्टी मिली। ग्योकेरेस ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया। 56वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे के शॉट पर बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) रिव्यू से एटलेटिको को पेनल्टी मिली। जूलियन अल्वारेज ने गोल कर बराबरी की। 78वें मिनट में आर्सनल को एक और पेनल्टी मिली थी, लेकिन वीएआर रिव्यू के बाद फैसला बदल दिया गया।

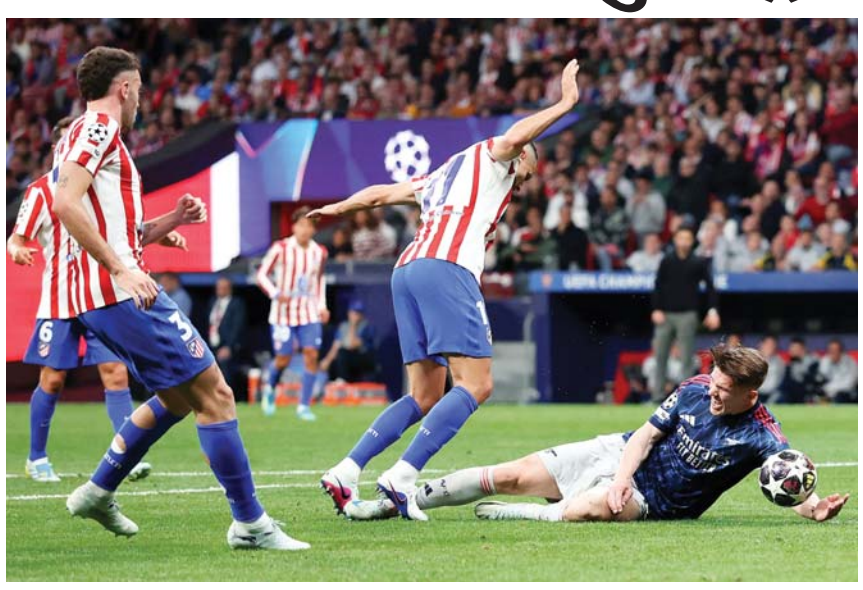

20 साल बाद फाइनल में पहुंचने की कोशिश में आर्सनल

आर्सनल 2006 में आखिरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा था, जहां उसे बार्सिलोना से हार मिली थी। एटलेटिको मैड्रिड 2016 में आखिरी बार फाइनल में पहुंचा था और रियल मैड्रिड से हार गया था। दोनों क्लबों ने अब तक चैंपियंस लीग नहीं जीती है। दूसरे लेग का विजेता फाइनल में पीएसजी या बायर्न म्यूनिख से भिड़ेगा।

जयपुर में शाम 7.30 बजे से शुरू होगा

आत्मविश्वास से लबरेज राजस्थान से होगा दिल्ली का कड़ा मुकाबला

जयपुर, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है क्योंकि टीम को शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया वहीं दूसरी तरफ वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सिर्फ 75 रन पर ऑल आउट हो गए।

गुजरात मिली 1 रन की हार से आहत है दिल्ली : इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली एक रन की हार ने दिल्ली को भावनात्मक रूप से काफी चोट पहुंचाई है। तीन जीत और चार हार के साथ वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर हैं और उन्हें जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है। दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चिंता उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है। लोकेश राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी जैसे खिलाड़ियों ने बीच-बीच में अच्छा योगदान दिया है लेकिन पूरी टीम मिलकर एक साथ अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही है।

स्टार्क की हुई वापसी गेंदबाजी के मोर्चे पर दिल्ली के लिए अच्छी खबर है। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क एक मई से खेलने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मंजूरी मिलने के बाद टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। लुंगी एनगिडी के उपलब्ध नहीं होने के कारण स्टार्क का टीम में शामिल होना दिल्ली के लिए एक बहुत ही जरूरी और सही समय पर मिला सहारा साबित हो सकता है। उम्मीद है कि वे काइल जैमीसन या दुष्मंता चमीरा में से किसी एक की जगह लेंगे।

आईपीएल 'बिग बिजनेस' का खेल मुकाबले फेयर नहीं: मुरलीधरन

मुंबई, जेएनएन। सनराइजर्स हैदराबाद के चीफ कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा कि गेंदबाजों को मान लेना चाहिए कि उन्हें मार पड़ेगी। उनके अनुसार खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुक चुका है, इसलिए गेंदबाजों को इस स्थिति के साथ खुद को ढालना होगा। उन्होंने बुधवार को मुंबई में सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में आईपीएल में बल्ले और गेंद के संतुलन पर पूछे गए सवाल पर कहा कि यह टूर्नामेंट दर्शकों के मनोरंजन और स्पॉन्सरशिप के बिजनेस पर टिका है।

बल्लेबाजों का पलड़ा रहेगा भारी: उन्होंने कहा, अगर हम बॉलिंग फ्रेंडली विकेट देंगे, तो दर्शक इसे बोरिंग कहेंगे। लोग चौके-छक्के देखना चाहते हैं, इसीलिए इम्पैक्ट प्लेयर जैसे नियम लाए गए हैं। अगर खेल से मनोरंजन खत्म हुआ तो स्पॉन्सर्स और लोगों की दिलचस्पी कम हो जाएगी। फिलहाल बल्लेबाजों का पलड़ा भारी रहेगा, गेंदबाजों को खुद को अपडेट करने में समय लगेगा।

पावरप्ले का गणित बदला: प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुरलीधरन ने खेल के बदलते स्वरूप पर बात की। उन्होंने कहा, आजकल एक गेंदबाज के लिए परफॉर्म करना बहुत मुश्किल है। जब हम खेलते थे, तब पावरप्ले के 6 ओवरों में 40 से 50 रन को अच्छा स्कोर माना जाता था, लेकिन अब यह औसत 70 से 80 रन तक पहुंच गया है। अब हर टीम के पास ऐसे ओपनर्स हैं जो सिर्फ अटैक करना जानते हैं। उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती कि गेंद अंदर आ रही है या बाहर।

नाबालिग फुटबॉल प्लेयर से कोच ने की अश्लील हरकत

चंडीगढ़, जेएनएन। चंडीगढ़ में एक नाबालिग फुटबॉल प्लेयर से भरे स्टेडियम में यौन उत्पीड़न हुआ। यौन उत्पीड़न करने वाला कोई और नहीं बल्कि एक नामी फुटबॉल कोच है। प्लेयर का कहना है कि टूर्नामेंट के दौरान 2 टीमों में झगड़ा हुआ। इसी दौरान कोच ने उसके पीछे अंगुली डाल दी। इस मामले में पुलिस ने करीब डेढ़ महीने बाद केस दर्ज किया लेकिन आरोपी कोच को अभी तक अरेस्ट नहीं किया। फुटबॉल प्लेयर की तरफ से इस बारे में चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया और चीफ सेक्रेटरी को शिकायत भेजी गई है। जिसमें उन्होंने कहा कि पुलिस आरोपी को पकड़ने के बजाय गवाहों और शिकायत करने वालों को धमका रही है। उन पर दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि उन्हें एफआईआर की कॉपी तक नहीं दी जा रही। यही नहीं, बार-बार नोटिस भेज परेशान किया जा रहा। पुलिस की टीमें सीधे एकेडमी के अंदर आकर दहशत का माहौल बना रही हैं।

थॉमस कप : क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगा भारत आयुष की फॉर्म और सात्विक-चिराग की जोड़ी से उम्मीदें

हॉर्सेंस (डेनमार्क), जेएनएन। भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम का सामना थॉमस कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को डेनमार्क के हॉर्सेंस में सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। भारत ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहा। टीम ने कनाडा को 4-1 से और ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया। इसके बाद उसे चीन से 2-3 से हार मिली। दूसरी ओर चीनी ताइपे ग्रुप-सी में पहले स्थान पर रही। पहला मैच उसने स्वीडन से 5-0 से जीता। इसके बाद दक्षिण कोरिया से 3-2 से हार मिली। फिर आखिरी मुकाबले में मेजबान डेनमार्क को 3-2 से हराया।

चीनी ताइपे की टीम मजबूत

चीनी ताइपे की टीम भी काफी मजबूत है। विश्व रैंकिंग में छठे नंबर के चाउ तियन चेन, विश्व नंबर 8 और ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी, जबकि विश्व नंबर 21 ची यू जेन सिंगल्स में गहराई देते हैं। डबल्स में चियू हिसयांग चिए और वांग ची-लिन (विश्व नंबर 14), दूसरे डबल्स ली झे-हुई और यांग पो-हसुआन (विश्व नंबर 16) की जोड़ी खतरनाक है भारत की नजरें दूसरे खिताब पर है। टीम ने चार साल पहले 2022 में थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था। इससे पहले टीम 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक जीत चुकी है।

आयुष शेट्टी ने तीनों मैच जीते डबल्स का भी अच्छा प्रदर्शन

भारत के युवा आयुष शेट्टी ने अपने तीनों मैच जीते। एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत तीसरे सिंगल्स की कमान संभाल रहे हैं। श्रीकांत ने चीन के खिलाफ कमबैक जीत दर्ज की। लक्ष्य सेन दो रोमांचक मुकाबले हार गए, लेकिन प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। सात्विक साईराज रंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी ने शुरुआती दो मैच जीते, जबकि चीन से हार मिली। दूसरी डबल्स जोड़ी हरिहरन एएमएस और एमआर अर्जुन ने भी दो मैच जीते हैं।

विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप: भारत ने वापसी कर स्लोवाकिया को 2-3 से दी शिकस्त

लंदन, जेएनएन। भारत की पुरुष टीम ने यहां आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के रोमांचक ग्रुप सात मुकाबले में वापसी करते हुए स्लोवाकिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ग्रुप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और ग्वाटेमाला के खिलाफ अगले मुकाबले से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली। स्लोवाकिया के खिलाफ मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा लेकिन अंत में भारत ने दबाव में धैर्य और दृढ़ता दिखाते हुए जीत हासिल की। स्लोवाकिया ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली जब दुनिया के 149वें नंबर के खिलाड़ी लुबोमीर पिस्टेज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 51वीं रैंकिंग वाले मानुष शाह को पांच गेम में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हरा दिया।

भारत के दुनिया के 42वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने इसके बाद याकूब जेलिंका को सीधे गेम में 11-6, 11-8, 11-6 से हराकर मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि तीसरे मुकाबले में स्लोवाकिया ने फिर से बढ़त बना ली जब वांग यांग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरमीत देसाई को 16-14, 11-5, 11-9 से हराया। भारत ने 1-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की। मानव एक बार फिर संकटमोचक बनकर उभरे और उन्होंने लुबोमीर को 11-3, 11-3, 11-3 से करारी शिकस्त देकर मुकाबला फिर से बराबर कर दिया। बाएं हाथ के खिलाड़ी मानुष ने निर्णायक मुकाबले में दबाव के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया और याकूब को 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर भारत को 3-2 की महत्वपूर्ण जीत दिलाई। पुरुष और महिला टीम बृहस्पतिवार को ही अपने अंतिम ग्रुप मैच खेलेंगी।

सिटी स्पोर्ट्स

दो दिवसीय मल्टी स्पोर्ट्स सुपर और डिस्टेंस स्विमिंग प्रतियोगिता

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। भोपाल ट्रायथलॉन संघ के तत्वावधान में दो दिवसीय मल्टी स्पोर्ट्स सुपर स्प्रिंट ट्रायथलॉन, एक्वाथलोन एवं स्प्रिंट डिस्टेंस स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन आरपीएम कैंपस, रातीबड़ में किया जा रहा है। संघ के सचिव आर. डी. झा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में भोपाल जिले के लगभग 300 खिलाड़ी भाग लेकर विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता के अंतर्गत स्विमिंग की चारों प्रमुख विधाओं—फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक एवं बटरफ्लाई—में 50 मीटर एवं 100 मीटर की व्यक्तिगत स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही एक्वाथलॉन एवं ट्रायथलॉन इवेंट्स भी प्रतियोगिता का हिस्सा होंगे। 02 मई 2026 — ट्रायथलॉन प्रतियोगिता और 03 मई 2026 — एक्वाथलॉन एवं स्विमिंग प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी, जिनमें माइक्रो मिनी, सब जूनियर, जूनियर, सीनियर एवं मास्टर्स कैटेगरी शामिल हैं। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। सचिव आर. डी. झा ने कहा कि यह आयोजन खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने एवं मल्टी-स्पोर्ट्स में उत्कृष्टता हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा तथा जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रदेश की मुक्केबाज अंजलि और माही का चयन राष्ट्रीय कैंप में

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। मध्य प्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी की खिलाड़ी अंजली सिंह और माही लामा का चयन इंडियन बॉक्सिंग के प्रतिष्ठित कोचिंग कैंप के लिए हुआ है। यह कैंप 1 मई से 15 जुलाई 2026 तक एनआईएस पटियाला में आयोजित किया जाएगा, जहां देशभर के चुनिंदा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। अंजली सिंह 57 किलोग्राम और माही लामा 60 किलोग्राम भार वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगी। इन दोनों मुक्केबाज़ों का चयन हाल ही में आयोजित नेशनल प्रतियोगिता में उनके शानदार प्रदर्शन और पदक जीतने के आधार पर किया गया है।

आरकेडीएफ के छात्र काजिम का ऑल यूनिवर्सिटी वुशु चैंपियनशिप में चयन

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के छात्र काजिम का चयन प्रतिष्ठित ऑल इंडिया नेशनल यूनिवर्सिटी वुशु चैंपियनशिप के लिए हुआ है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर द्वारा किया जा रहा है। काजिम ने अपने निरंतर अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह उपलब्धि प्राप्त की है। उनका यह चयन न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि विश्वविद्यालय में खेलों के प्रति बढ़ते प्रोत्साहन और उत्कृष्ट वातावरण को भी प्रतिबिंबित करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर ने काजिम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। काजिम ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से यह सिद्ध किया है कि निरंतर प्रयास से राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। हमें आशा है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि, काजिम का चयन विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण है।

हेलिकॉप्टर से पहली बार एक साथ 2 मिसाइल लॉन्च

नई दिल्ली, जेएनएन। डीआरडीओ और नौसेना ने बुधवार को बंगाल की खाड़ी में हेलिकॉप्टर से शॉर्ट रेंज नेवल एंटी-शिप मिसाइल को सफल लॉन्च किया। इस दौरान एक हेलिकॉप्टर से कुछ ही सेकेंड के अंतर पर दो मिसाइलें दागी गईं। दोनों ने समुद्री जहाज के निचले हिस्से पर सटीक निशाना लगाया। इसके जरिए भारत ने साल्वो लॉन्च क्षमता को परखा। यह तकनीक दुश्मन के रडार सिस्टम को चकमा दे सकती है। ओडिशा के चांदीपुर की टेस्ट रेंज में लगे रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री के जरिए मिसाइल की पूरी उड़ान और निशाने को ट्रैक किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के बनने से सेना की ताकत काफी बढ़ेगी। मिसाइल ने समुद्री जहाज के उस हिस्से को निशाना बनाया, जहां हमला होने पर ज्यादा नुकसान होता है।

वर्ष 2025-2026 के लिए ब्रह्मोस एयरोस्पेस का राजस्व 5200 करोड़ रुपये से अधिक हुआ: डीआरडीओ

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने कहा है कि वर्ष 2025-2026 के लिए ब्रह्मोस एयरोस्पेस का राजस्व पांच हजार दो सौ करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। संगठन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लखनऊ में नये केन्द्र में परिचालन शुरू होने के एक वर्ष के भीतर ही मिसाइलों का उत्पादन शुरू हो गया है। संगठन ने कहा कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस को वर्ष 2025-26 में चार हजार करोड़ रुपये के दो निर्यात अनुबंध मिले हैं। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रक्षा निर्यात का महत्वपूर्ण लक्ष्य पूरा हो रहा है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने गुरुवार को इस बात पर जोर दिया कि वेपन सिस्टम में परंपरागत और आधुनिक दोनों ही तकनीकों का संतुलन बनाकर चलने की जरूरत है। उनका मानना है कि लंबे समय तक प्रभावी बने रहने के लिए फाइटर जेट को ड्रोन और नई मिसाइलों वाली टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ने की जरूरत है।

प्रिंस का सलाहकार बनना चाहता था एपस्टीन

कैरेबियन द्वीप पर 'मस्जिद' बनवाई उसमें सोने का गुंबद, मक्का से कपड़े मंगवाए

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। सेक्स अपराधी जेफ्री एपस्टीन सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का सलाहकार बनना चाहता था। उसने पश्चिम एशिया में कई साल तक अपने संबंध बनाए। वह एक तरफ बिजनेस के मौके ढूंढ रहा था, और दूसरी तरफ इस्लाम से जुड़ी दुर्लभ और धार्मिक चीजें भी इकट्ठा कर रहा था। उसने इन चीजों को अपने कैरेबियन द्वीप पर बनी एक विवादित इमारत को सजाने में इस्तेमाल किया, जिसे वह 'मस्जिद' कहता था। उसने मक्का की काबा से किस्वा मंगवाई। किस्वा वह कपड़ा होता है जिस पर सोने से कुरान की आयतें कढ़ी होती हैं और इसे काबा पर चढ़ाया जाता है। इसके अलावा उज्बेकिस्तान की एक मस्जिद से हाथ से बनी टाइल्स लाई गईं। सोने का गुंबद भी बनाया गया, जिसकी डिजाइन पुराने सीरिया की इमारतों जैसी थी।

नार्वे राजदूत के जरिए संपर्क बनाया

एपस्टीन का मकसद सिर्फ इस्लामी चीजें जुटाना नहीं था, बल्कि ताकतवर और अमीर लोगों से अपने रिश्ते भी मजबूत करना था। नॉर्वे के राजनयिक टेरजे रोड-लार्सन के जरिए एपस्टीन को सऊदी अरब के खास लोगों तक पहुंच मिली। इनमें क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, सलाहकार राफत अल सब्बाग और शाही सहयोगी अजीजा अल अहमदी शामिल थे। इसी नेटवर्क की मदद से उसे काबा से जुड़े खास कपड़े भी मिले थे। 2014 की एक फोटो में एपस्टीन न्यूयॉर्क में अपने घर के अंदर फर्श पर फैले ऐसे ही एक कपड़े को देख रहा है। उसके साथ अमीरात के बड़े कारोबारी सुल्तान अहमद बिन सुलयेम भी मौजूद थे। बाद में एपस्टीन से जुड़े होने की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा और उन्हें दुबई की बंदरगाह कंपनी डीपी वर्ल्ड के प्रमुख पद से इस्तीफा देना पड़ा।

एपस्टीन की इस्लामिक डिजाइन में काफी दिलचस्पी थी

दस्तावेजों से उसके प्राइवलेंट आइलैंड लिटिल सेंट जेम्स पर बनी एक रहस्यमयी इमारत का सच भी सामने आया। पहले इसे म्यूजिक रूम, मंडप, चैपल या कोई रहस्यमयी मंदिर कहा जाता था, लेकिन उसके ईमेल और साथ काम करने वाले कलाकार की बातों से पता चला कि वह इसे 'मस्जिद' कहता था, हालांकि इसका इस्तेमाल कभी धार्मिक इबादत के लिए हुआ हो, इसका कोई सबूत नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर काम करने वाले रोमानियाई कलाकार आयन निकोला ने भी बताया कि एपस्टीन इसे मस्जिद ही कहता था। इस मस्जिद की दीवारों या हिस्सों पर अरबी लिखावट (जैसे अल्लाह) लिखने का प्लान था।

संक्षिप्त समाचार

भारी बारिश से दीवार ढही 7 लोगों की मौत

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में बुधवार को बड़ी अनहोनी हो गई। शहर में एक सरकारी अस्पताल परिसर की दीवार ढहने से उसकी चपेट में आकर तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा बोरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल में हुआ। पुलिस ने बताया कि भारी बारिश और तेज हवाओं की वजह से सातों पीड़ितों ने दीवार के पास शरण ली थी। तभी वह अचानक ढह गई। दीवार के मलबे में दबने से सातों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस और आपातकालीन सेवा कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को बाहर निकाला।

मान सरकार के खिलाफ हरभजन पहुंचे हाईकोर्ट

चंडीगढ़, जेएनएन। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हरभजन सिंह ने अपनी सुरक्षा हटाए जाने के मुद्दे पर पंजाब सरकार के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है। उन्होंने इस मामले में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हरभजन सिंह ने अपनी याचिका में सवाल उठाया है कि उनकी सुरक्षा आखिर क्यों हटाई गई। उन्होंने कोर्ट से इस मामले में पंजाब सरकार से जवाब मांगने की अपील की है। उन्होंने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है, जिन्होंने उनके घर की दीवार पर 'गद्दार' लिखकर विरोध जताया था।

इंडिगो की रायपुर में आपात लैंडिंग

रायपुर, जेएनएन। रायपुर के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर गुरुवार को इमरजेंसी के हालात पैदा हो गए। कोलकाता से पुणे जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई-135 की यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक एक महिला यात्री की तबियत खराब हो गई। वह अचानक बेहोश हो गई। जिसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला लिया गया। एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक महिला की हालत अचानक खराब होने के कारण विमान के क्रू मेंबर्स ने तुरंत रायपुर के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया। दोपहर लगभग 12:00 फ्लाइट को रायपुर एयरपोर्ट में सुरक्षित उतारा गया।

विधानसभा चुनाव: तृणमूल ने उठाए एग्जिट पोल पर सवाल, 4 मई का इंतजार

ममता का दावा: जीतेंगे 226+ सीटें भाजपा बनाएगी 'काउंटिंग रणनीति'

कोलकाता/नई दिल्ली, जेनएन। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सभी पार्टियों ने अपनी अपनी जीत के दावे किए हैं, वहीं अपने विपक्षियों पर आरोप भी लगाए हैं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं ने स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना शुरू कर दिया है। वहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि नतीजों के बाद ही टीएमसी के साथ संभावित गठबंधन पर फैसला लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल के बाद अपना पहला बयान जारी करते हुए जनता का आभार जताया और जीत का भरोसा व्यक्त किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी वीडियो संदेश में ममता बनर्जी ने कहा कि कठिन परिस्थितियों और दबाव के बावजूद बंगाल की जनता ने लोकतंत्र में अपना विश्वास दिखाया है। उन्होंने कहा, 'हम मां, माटी और मानुष की सरकार बना रहे हैं,' और दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस इस बार 226 से ज्यादा सीटें जीतेगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत जनता को प्रणाम करते हुए की और कहा कि भीषण गर्मी और तमाम चुनौतियों के बावजूद लोगों ने लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान किया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का भी धन्यवाद किया।

स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर टीएमसी का धरना

बंगाल में मतदान की प्रक्रिया समाप्त होने के अगले दिन कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में कथित छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर गुरुवार को वहां जबर्दस्त उत्तेजना फैल गई। स्ट्रॉन्ग रूम में बाहरी लोगों के कथित रूप से घुसने और ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी व पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष और मंत्री व प्रत्याशी शशि पांजा शाम में खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए। देखते ही देखते वहां तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ताओं की भी भारी भीड़ जुट गई। बाद में पुलिस व केंद्रीय बल ने रात साढ़े नौ बजे वहां से लोगों को हटाया।

रणनीति: 2 मई को कोलकाता में भाजपा की अहम बैठक, काउंटिंग डे पर मंथन

भारतीय जनता पार्टी ने 2 मई को कोलकाता में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाने का फैसला किया है। इस बैठक में काउंटिंग डे की रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश पदाधिकारी और चुनाव प्रबंधन से जुड़े प्रमुख कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसमें मतगणना के दौरान एजेंटों की तैनाती, बूथ स्तर पर निगरानी और संभावित विवादों से निपटने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। भाजपा नेतृत्व का फोकस इस बात पर रहेगा कि मतगणना के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी या अनियमितता पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और एजेंटों को विशेष निर्देश देने की तैयारी कर रही है। साथ ही काउंटिंग सेंटर के बाहर और भीतर की स्थिति पर नजर रखने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया जा सकता है।

विवाद: कोलकाता में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पहुंचीं ममता बनर्जी

विवाद के बीच मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी रात करीब आठ बजे भवानीपुर के शेखावत मेमोरियल स्कूल में बनाए गए मतगणना केंद्र पर पहुंचीं। ममता वहां काफी देर तक रूकी रही। इस दौरान मंत्री फिरहाद हकीम भी वहां पहुंचे, लेकिन उन्हें पुलिस ने अंदर जाने की इजाजत नहीं दी। बाहर आकर ममता ने मीडिया को बताया- 'केंद्रीय बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोका गया। मैं परमिशन लेने के बाद अंदर गई थी। ईवीएम लूटने की कोशिश की जा रही है, लेकिन मैं ऐसा होने नहीं दूंगी।' इधर, भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना केंद्रों की सुरक्षा कड़ी कर दी है।

77 ईवीएम से छेड़छाड़ की शिकायतें

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि दूसरे चरण के मतदान के दौरान 77 ईवीएम में छेड़छाड़ की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने संकेत दिया कि जरूरत पड़ने पर इन बूथों पर दोबारा मतदान कराया जा सकता है।

जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस ने पकड़ा आईएसआई नेटवर्क, 3 गिरफ्तार

सेना के संवेदनशील ठिकानों की फुटेज पाक भेजते थे

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित जासूसी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने आईएसआई समर्थित दो अलग-अलग जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इन मॉड्यूल के जरिए संवेदनशील सैन्य ठिकानों की निगरानी कर उनकी लाइव फुटेज पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों तक पहुंचाई जा रही थी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर की टीम ने पहले मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए फिरोजपुर के गांव सहांके निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुखा को गिरफ्तार किया।

कपूरथला पुलिस के साथ चला संयुक्त अभियान

वहीं दूसरे मॉड्यूल का खुलासा कपूरथला पुलिस ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान के दौरान किया। इस मामले में दो आरोपियों सोना निवासी दोना मट्टर और संदीप सिंह उर्फ सोनू निवासी छांगा खुर्द को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से चार मोबाइल फोन, एक सिम आधारित सीसीटीवी कैमरा और एक वाई फाई सेट बरामद किया है। जांच में सामने आया है कि ये आरोपी विभिन्न स्थानों पर रणनीतिक तरीके से सिम आधारित और सौर ऊर्जा से चलने वाले कैमरे लगा रहे थे। इन कैमरों के जरिए सेना से जुड़े प्रतिष्ठानों और अन्य संवेदनशील स्थानों की निगरानी की जा रही थी। इसके बाद मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से यह फुटेज पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों को भेजी जाती थी।

नशा और हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश

अमृतसर, जेएनएन। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से संचालित नशा और हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 4.108 किलो हेरोइन, चार आधुनिक पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान तरनतारन के गांव लहूका निवासी 21 वर्षीय अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श तथा जसवंत सिंह नगर निवासी 31 वर्षीय तरसेम सिंह के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, जो आस्ट्रिया निर्मित हैं, तथा दो .30 बोर पिस्तौल, जो चीन निर्मित बताए जा रहे हैं, शामिल हैं।

जिद पर अड़े सलमान, तब 'शिवाजी' में 'छत्रपति' बने रितेश देशमुख

रितेश देशमुख ने कई साल पहले मराठा साम्राज्य के वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर फिल्म बनाने का सपना देखा था। 1 मई को उनका यह सपना साकार होने वाला है, क्योंकि उनकी ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' रिलीज हो रही है। महाराष्ट्र दिवस के खास मौके पर रितेश देशमुख अपनी सबसे मचअवेटेड फिल्म 'राजा शिवाजी' के साथ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। एक तरफ जहां इस फिल्म में रितेश देशमुख खुद लीड रोल में हैं तो वहीं संजय दत्त, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे सितारों ने इसकी चमक और बढ़ा दी है। लेकिन इन सबके बीच खुलासा हुआ है कि उनके कैमियों के लिए जिसे पाने के लिए खुद 'भाईजान' ने रितेश के सामने जिद पकड़ ली थी। रितेश ने बताया फिल्म कि 'वेद' और 'लाई भारी' जैसी फिल्मों में साथ काम करने के बाद सलमान उनकी आने वाली फिल्म में कैसे शामिल हुए। अपनी पुरानी दोस्ती के बारे में बात करते हुए, देशमुख ने याद किया कि कैसे सुपरस्टार ने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने की जिद की थी, तब, जब उनके लिए कोई रोल तय नहीं हुआ था। रितेश देशमुख स्टेज पर भावुक हो गए, जेनेलिया देशमुख ने उन्हें संभाला।

मंत्री राजभर के खिलाफ गैर जमानती वारंट

मऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के खिलाफ मऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट जारी किया है। अदालत में लगातार अनुपस्थित रहने के चलते यह कार्रवाई की गई। मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा बाजार में हुई एक चुनावी सभा से जुड़ा है। आरोप है कि उस दौरान राजभर ने मंच से भाजपा नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें जूता मारने जैसी धमकी दी थी। कई तारीखों पर पेश न होने के कारण अदालत ने सख्ती दिखाते हुए गैर-जमानती वारंट जारी किया। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 16 मई की तारीख तय की है। इस दिन राजभर की पेशी और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

इजराइल पर बादलों की चोरी का आरोप

इराकी सांसद बोले- इससे पश्चिम एशिया में सूखा पड़ता था, अब बारिश वापस आई

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान युद्ध के बीच इराकी सांसद अब्दुल्ला अल-खैखानी ने अमेरिका और इजराइल पर पश्चिम एशिया में बादल चुराने का आरोप लगाया है। अब्दुल्ला अल-खैखानी ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका और इजराइल कई सालों से विमानों की मदद से पश्चिम एशिया में बादलों को चुराते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण क्षेत्र में लंबे समय से सूखा पड़ रहा था। सांसद ने दावा किया कि अब अमेरिका और इजराइल ईरान के साथ युद्ध में मसरूफ हैं, इसलिए बारिश फिर से लौट आई है। बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस दावे को लेकर चर्चाएं और अफवाहें तेज हो गईं। मौसम विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसी कोई तकनीक मौजूद नहीं है, जिससे बादलों की चोरी की जा सके। इराक मौसम विभाग के प्रवक्ता अम्र अल-जबीरी ने इस दावे को न वैज्ञानिक बताया और न ही तार्किक। उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में ही अनुमान लगा लिया गया था कि 2026 इराक के लिए बारिश वाला साल रहेगा। विशेषज्ञों ने मौसम से जुड़े झूठे दावों और साजिश की थ्योरी से बचने की अपील की है।

वायुमंडल में बदलाव कर सूखा पैदा करने का आरोप

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, खैखानी ने कहा कि 'एटमॉस्फेरिक मॉडिफिकेशन वेपन' का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस तकनीक से वायुमंडल में बदलाव कर पश्चिम एशिया में सूखा पैदा किया गया। तुर्किये में भारी बारिश को भी कुछ लोगों ने इसी कथित साजिश से जोड़ दिया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि युद्ध के कारण अमेरिकी विमान तुर्किये के एयरस्पेस में नहीं जा पा रहे, इसलिए वहां बारिश हो रही है। यह पोस्ट 10 लाख से ज्यादा बार देखा गया।

एक्सपर्ट्स- मौसम को नियंत्रित करने वाली तकनीक मौजूद नहीं

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऐसे दावे भरोसे की कमी और जलवायु की समझ की कमी से पैदा होते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि मौसम की दिशा या तीव्रता को सीधे नियंत्रित करने वाली कोई तकनीक मौजूद नहीं है। इसके उलट, पश्चिम एशिया में बढ़ते चरम मौसम के पीछे जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार बताया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र यूनिवर्सिटी के कावेह मदानी के मुताबिक, क्लाउड सीडिंग को राजनीतिक हथियार की तरह पेश किया जा रहा है। क्लाउड सीडिंग में बादलों पर छोटे कैमिकल कण डाले जाते हैं, ताकि बारिश हो सके।

तकनीक

4 करोड़ रुपये है एक हेलमेट की कीमत, बिना सिर घुमाए 360 डिग्री देख सकते हैं

'जादुई हेलमेट' से पारदर्शी हो जाता है जेट

नई दिल्ली, जेएनएन। एफ 35 फाइटर जेट का लाइटनिंग 2 वर्जन दुनिया का सबसे आधुनिक स्टेल्थ फाइटर जेट है। इस जेट के पायलट जो हेलमेट पहनते हैं, वह दुनिया का सबसे सोफिस्टिकेटेड वीयरेबल टेक्नोलॉजी है जो बड़े पैमाने पर सैन्य उपयोग के लिए बनाया गया है। एक हेलमेट की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये यानी 4 लाख डॉलर है। यह सिर्फ सिर की सुरक्षा नहीं करता, बल्कि पायलट के लिए पूरा कॉकपिट उसके चेहरे पर ला देता है। इस हेलमेट को हेलमेट माउंटेड डिस्प्ले सिस्टम (एचएमडीएस) या जनरेशन 3 हेलमेट कहलाता है। इसमें छह कैमरे जेट के शरीर के चारों ओर लगे होते हैं। ये कैमरे 360 डिग्री का पूरा नजारा लेते हैं और उसे एक सिंगल, सीमलेस फीड में बदलकर हेलमेट के वाइजर पर प्रोजेक्ट कर देते हैं। इसका मतलब है कि पायलट अगर नीचे देखे तो उसे जेट के फ्लोर के पार से जमीन दिखाई देती है, जैसे जेट का फर्श पारदर्शी हो। पायलट बिना सिर घुमाए चारों तरफ देख सकता है। हेलमेट पर नाइट विजन, टारगेटिंग डेटा, फ्लाइट की स्पीड, ऊंचाई, खतरे की चेतावनी और अन्य जरूरी जानकारी सीधे वाइजर पर दिखाई देती है। एफ 35 फाइटर जेट में पारंपरिक हेड अप डिस्प्ले(एचयूडी) नहीं है। सारी जानकारी हेलमेट के जरिए आती है।

हेलमेट की कीमत क्यों इतनी ज्यादा?: एक हेलमेट की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये है। यह कीमत इसलिए है क्योंकि हर हेलमेट पायलट के सिर के साइज के हिसाब से कस्टम बनाया जाता है। इसमें हाई-रेजोल्यूशन लेजर स्कैनिंग, 3डी मॉडलिंग और स्पेशल फिटिंग की प्रक्रिया होती है, जिसमें दो दिन लग सकते हैं। इसमें इस्तेमाल होने वाले एडवांस्ड कैमरा, सेंसर, कंप्यूटर प्रोसेसिंग और डिस्प्ले टेक्नोलॉजी बहुत महंगी है।

सैन्य तकनीक में आएगी क्रांति

यह हेलमेट फाइटर पायलटों के साथ जेट के इंटरैक्शन को पूरी तरह बदल देता है। पहले कॉकपिट पायलट के चारों ओर होता था, अब पूरा कॉकपिट पायलट के चेहरे पर है। पायलट को स्थिति का 360 डिग्री अवेयरनेस मिलता है, जो दुश्मन को आसानी से ट्रैक कर सकता है। मिसाइल लॉन्च कर सकता है। जटिल मैन्यूवर कर सकता है, बिना नीचे-ऊपर देखे। एफ 35 फाइटर जेट का यह हेलमेट सैन्य तकनीक में एक क्रांतिकारी बदलाव है। यह दिखाता है कि भविष्य में पायलट कितनी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करेंगे। हालांकि इसकी ऊंची कीमत और तकनीकी चुनौतियां चर्चा का विषय बनी रहीं।

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
Contact : 9713068681
OUR SERVICES
24/7 Hours Service
HOUSE HOLD SERVICE
LOADING/UNLOADING
MOVING & SHIFTING
PACKING SERVICE
OFFICE SHIFTING
TRANSPORTATION PAN INDIA
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

वर्गीकृत
जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
अण्डा
BHOPAL EGG RATE 515/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.
सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

गांव-गांव जाकर पुलिस ने सुनी जनता की समस्याएं

जागरण, रीवा। पुलिस ने जनता से सीधा जुड़ाव बढ़ाने जिले के सभी थानों में एक साथ जन चौपाल-आपकी पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम चलाया। इस अभियान के तहत पुलिस अफसर खुद गांवों और वार्डों में पहुंचे और लोगों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान, एएसपी आरती सिंह और संदीप मिश्रा समेत अन्य अफसरों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाई। थाना प्रभारियों के साथ पुलिस टीम गांवों में पहुंची।

मनरेगा कर्मचारियों को पांच माह से नहीं मिला वेतन

जागरण, डिंडोरी। मनरेगा कर्मचारियों ने गुरुवार को कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया और जिपं सीईओ को ज्ञापन सौंपा है। कर्मचारियों ने पिछले पांच महीने से वेतन न मिलने के कारण सामूहिक अवकाश पर जाने की मांग की है। जिला अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने बताया कि इंजीनियर, एडीपीओ सहित सभी मनरेगा कर्मचारी शासन की योजनाओं और कार्यों को निष्ठापूर्वक कर रहे हैं। वेतन न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक दिक्कतें हो रही हैं।

''ट्वीट ऑफ द डे''

अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

सपा एकता, समावेशिता और समान विकास में विश्वास करती है। पार्टी ने हमेशा लोगों को जोड़ने का काम किया है। हमारा नाम ही संविधान से प्रेरित है। हम भेदभाव खत्म करने और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। पार्टी गंगा-जमुनी तहजीब और हिंदुस्तानियत की पक्षधर है तथा ऐसी राजनीति का समर्थन करती है, जो जाति और धर्म से ऊपर उठकर लोगों को साथ लाती है। उप्र के श्रमिकों को कम से कम दिल्ली और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों के बराबर वेतन मिलना चाहिए।

भोपाल में प्री-मानसून की एंट्री, 40 की रफ्तार से चली हवाओं ने कराई बारिश

तापमान में गिरावट आने से गर्मी से राहत, टीकमगढ़ में ओलावृष्टि, कई जिलों में छाए बादल

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार को सुबह तेज धूप थी, लेकिन दोपहर होते होते आसमान बादल छा गए। आसमान पर छाए यह बादल शाम पांच साढ़े चार बजे से साढ़े पांच बजे के बीच बरस गए। शहर के अलग अलग क्षेत्रों में बारिश का समय अलग अलग रिकार्ड किया गया है।

एमपी नगर, साकेत नगर, न्यू मार्केट, बैरागढ़, करोंद सहित पूरे शहर में बारिश दर्ज की गई है। भोपाल मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक वीरेन्द्र सिंह यादव के अनुसार यह एक प्री मानसून एक्टिविटी है। मानसून से पहले जो भी बारिश होती है, उसे प्री मानसून कहा जाता है। भोपाल में बादल छाने और बारिश के बीच तेज गति से हवा भी चली। मौसम केंद्र द्वारा बताया गया कि भोपाल में हवा की गति 40 किलो मीटर प्रति घंटा दर्ज की गई है।

3.5 डिग्री कम रहा तापमानः बुधवार तक शहर में भीषण गर्मी का दौर था। दिन का अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री तक पहुंच गया था, जो बीते दस साल में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा था। इस भीषण गर्मी के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा था। लेकिन गुरुवार को मौसम में आए बदलाव ने गर्मी को कम कर दिया। शहर का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो कि बुधवार की तुलना में 3.5 डिग्री कम है। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि अगले दो से तीन ऐसा ही मौसम रहने वाला है, गर्मी से राहत रहेगी। इसके बाद फिर बदलाव देखने को मिल सकता है और तेज गर्मी पड़ेगी।

यहां गरज-चमक की चेतावनी

ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर।

आज यहां बिगड़ सकता है मौसमः सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज

अरब सागर से आई नमी बारिश के लिए जिम्मेदार

वर्तमान में अरब सागर की ओर से दक्षिण-पश्चिमी हवाएं नमी लेकर आ रही हैं। जब ये नम हवाएं मध्य प्रदेश के गर्म मैदानी इलाकों में पहुंचती हैं, तो तापमान अधिक होने के कारण ये ऊपर उठती हैं और बादलों का निर्माण करती हैं। यही कारण है कि भोपाल, इंदौर और उज्जैन जैसे पश्चिमी और मध्य जिलों में गुरुवार को बारिश हुई।

टीकमगढ़ में 1 इंच से ज्यादा बारिशः बारिश का दायरा सिर्फ भोपाल तक ही सीमित नहीं रहा। बल्कि यह पश्चिमी मप्र के कई जिले और उत्तरी मप्र के कुछ जिलों तक पहुंच गया। जानकारी अनुसार सबसे ज्यादा बारिश टीकमगढ़ में हुई, यहां बारिश का आंकड़ा 30 मिली मीटर रहा, यानि एक इंच से भी ज्यादा। इतना ही नहीं टीकमगढ़ में बारिश के साथ साथ ओले भी गिरे। इसके अलावा श्योपुर में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। यहां एक होटल का शेड उड़ने से करीब 15 लोग घायल हो गए। सतना, मैहर, उमरिया, सागर, रायसेन, बालाघाट, दमोह, ग्वालियर समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश दर्ज की गई।

सभी जगह गिरा पारा, सीधी में 12.2 की गिरावटः प्रदेश में मौसम बदलने से सबसे ज्यादा असर दिन के तापमान पर देखने को मिला। प्रदेश के सभी जिलों में दिन का अधिकतम तापमान बुधवार की तुलना में गुरुवार को कम रहा। सबसे ज्यादा गिरावट सीधी में रही। यहां गुरुवार को अधिकतम पारा 31.6 डिग्री रहा, जो कि बुधवार के मुकाबले 12.2 डिग्री कम था। यहां दिन व रात के तापमान में महज 6 डिग्री का अंतर देखा गया। इसके अलावा खरगोन में 42.6, रायसेन में 42, बैतूल में 41.5, गुना में 41.1 और श्योपुर में 41 डिग्री दर्ज किया। बड़े शहरों में भोपाल 40.2, इंदौर-उज्जैन 40, ग्वालियर 39.6 और जबलपुर 38.4 डिग्री दर्ज किया गया।

जीवित को मृत बताकर 2.5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी

दो केस दर्ज, पहली बार सीआईडी को सौंपी जांच

मुख्य संवाददाता, भोपाल। गरीबों के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में सेंध लगाकर करोड़ों रुपये डकारने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले की प्रारंभिक जांच के बाद गिरोह के खिलाफ अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने भोपाल मुख्यालय में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर ली हैं। स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव के अनुसार जालसाजों ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्रों के जरिए बीमा कंपनियों से करीब ढाई करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। इस गिरोह ने ग्वालियर, मुरैना और रतलाम सहित प्रदेश के कई जिलों में अपना जाल फैला रखा था। सीआईडी अब इन मामलों की विस्तार से जांच के साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के सभी प्रकरणों की जांच कर यह भी पता लगाएगी कि इस रैकेट के अलावा अन्य संगठित गिरोहों ने प्रदेशभर में अन्य कितने घोटालों को अंजाम दिया है।

जिन्हें कागजों पर मृतक बताकर हड़पा क्लेम, वो जांच में मिले जिंदाः सीआईडी की प्रारंभिक जांच में यह उजागर हुआ है कि इस गिरोह की कार्यप्रणाली बेहद शातिर थी। इन्होंने बैंकों में फर्जी नामों से सैकड़ों संदिग्ध खाते खुलवाए और उन्हीं के जरिए बड़ी संख्या में बीमा पॉलिसियां लीं। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि गिरोह ने कई लोगों की जानकारी के बिना ही उनके नाम पर बीमा करा लिया और एक महीने से एक साल के भीतर ही उन्हें कागजों पर मृत घोषित कर दिया। इसके लिए नगरीय निकायों से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाए गए और क्लेम की राशि हड़प ली गई। हद तो तब हो गई जब पुलिस को कई ऐसे व्यक्ति जीवित मिले, जिन्हें मृत बताकर बीमा राशि निकाली जा चुकी थी।

सवाई माधोपुर और श्रीगंगानगर में निकाली रकम, खाते होंगे फ्रीज

इस काले खेल को छिपाने के लिए गिरोह ने पैसों के लेन-देन का एक नेटवर्क बनाया था। ग्वालियर और मुरैना के खातों में जैसे ही क्लेम की राशि आती, उसे तत्काल रतलाम, राजस्थान के सवाई माधोपुर या गंगानगर के एटीएम से निकाल लिया जाता था। कई मामलों में तो एक ही परिवार के कई सदस्यों की एक ही महीने में प्राकृतिक मृत्यु दिखाकर क्लेम लिया गया। पुलिस अब ऐसे संदिग्ध खातों को चिह्नित कर फ्रीज करने की कार्रवाई शुरू कर चुकी है।

ग्वालियर-चंबल अंचल है घोटाले का केंद्र

मध्य प्रदेश में बीमा धोखाधड़ी का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ग्वालियर की जांच में सामने आया था कि एजेंटों ने जीवित लोगों को कागजों पर मृत दिखाकर उनकी बीमा राशि डकार ली थी। उस समय ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, शिवपुरी और दतिया जैसे जिलों में बीमा एजेंटों के साथ-साथ पंचायत सचिवों और सरपंचों को भी आरोपी बनाया गया था, क्योंकि उन्होंने फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। हाल ही में उज्जैन संभाग में भी इसी तरह का एक बड़ा घोटाला उजागर हुआ है, जिसमें ईओडब्ल्यू ने लगभग 30 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और वित्तीय हेराफेरी जैसी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जीवन च्योति बीमा योजना 18 से 50 वर्ष के गरीबों को 436 रुपये के सालाना प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का इंश्योरेंस कवर देती है। सीआईडी अब गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी के साथ बैंकिंग और बीमा नेटवर्क की भी बारीकी से जांच कर रही है। आने वाले दिनों में इस जांच के दायरे में कई अन्य राज्यों के नेटवर्क के नाम भी सामने आ सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय से कटौती का एरियर्स चुकाओः हाईकोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने 2019 से 2023 के बीच सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के मानदेय में की गई कटौती को गलत माना है। एकलपीठ ने आदेश में कहा कि जून 2019 से जून 2023 तक का जो बकाया यानी एरियर्स है, उसे सरकार को छह प्रतिशत ब्याज के साथ चुकाना होगा। न्यायालय ने 120 दिनों की समय सीमा तय की। इस अवधि के अंदर प्रशासन को 48 महीनों की एरियर्स राशि का भुगतान करना होगा। इसके साथ ही याचिकाकर्ताओं को ग्रेच्युटी एक्ट के दायरे में रखने का भी आदेश दिया है। दरअसल सीधी निवासी आंगनबाड़ी सहायिका कार्यकर्ता संघ की सचिव विभा पांडे की और से 2019 में याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 10 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता था। 2018 में केंद्र की भाजपा सरकार ने इसमें 1500 की वृद्धि की। लेकिन 2019 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो कार्यकर्ताओं का मानदेय 1500 कम कर दिया गया। सहायिकाओं का मानदेय भी 7000 से घटकर से 5500 कर दिया गया। अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि इसके बाद भाजपा सरकार ने इस कटौती को वापस कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं के मानदेय 2023 में बहाल कर दिए। लेकिन 2019 से 2023 तक का इन्हें एरियर्स नहीं मिला, इन्हें ग्रेच्युटी भी नहीं मिल रही है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

कफ सिरप कांड की हो सीबीआई जांच

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में छिंदवाड़ा के बहुचर्चित सिरप कांड की सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने को लेकर याचिका दायर की गई है। जस्टिस बीपी शर्मा की एकलपीठ ने सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले में लिप्त आरोपी डॉ प्रवीण सोनी, ज्योति सोनी व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जबलपुर निवासी अधिवक्ता अश्मिता चंद ने याचिका दायर कर पुलिस एवं प्रशासनिक तंत्र पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। अधिवक्ता केके पांडेय एवं सिद्धार्थ एस पांडेय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि छिंदवाड़ा जिले में जहरीले कफ सिरप के सेवन से लगभग 26 मासूम बच्चों की दर्दनाक मृत्यु हो गई, जबकि कई अन्य बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य हानि एवं स्थायी अंग क्षति का सामना करना पड़ा।

यूपी और बिहार में आंधी-बारिश से 18 मौतें, दिल्ली, मसूरी में गिरे ओले

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक घट भी गया। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। कई जिलों में पेड़ गिर गए। उत्तराखंड के मसूरी में गुरुवार को ओले गिरे। दिल्ली में गुरुवार को दोपहर बाद ओले गिरे। वहीं राजस्थान के कई जिलों में लगातार दूसरे दिन बारिश जारी है। कोटा में एक मकान पर बिजली गिरी।

एनजीटी के आदेश के बाद बड़े तालाब के कैचमेंट से हटाए गए अतिक्रमण

जिला प्रशासन ने सौरभ शर्मा की सास के फार्म हाउस का स्वीमिंग पूल भी ढहाया

जागरण, भोपाल। जिला प्रशासन ने बड़े तालाब के कैचमेंट में किए गए कब्जों पर एक बार फिर कार्रवाई शुरू कर दी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश के बाद प्रशासन ने तालाब के एफटीएल (फुल टैंक लेवल) से 50 मीटर के दायरे में कच्चे-पक्के निर्माणों पर बुलडोजर चलाया। गुरूवार को हुई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में आरटीओ के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा की सास रेखा तिवारी के फार्म हाउस और उसमें बने स्वीमिंग पुल को भी तोड़ दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा गुरुवार को सैवनिया गौंड इलाके में 11 अवैध निर्माण हटाए गए। दल-बल के साथ पहुंची टीम ने कार्रवाई से पहले संबंधित लोगों को सुनवाई का अवसर दिया गया था। इसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने बाउंड्री वॉल, टीन शेड और कच्ची-पक्की फेंसिंग को हटाया। इस अभियान में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा की सास रेखा तिवारी का फार्म हाउस भी शामिल रहा। सीमांकन के दौरान फार्महाउस का बड़ा हिस्सा 50 मीटर के प्रतिबंधित दायरे में पाया गया, जहां बने स्विमिंग पूल पर बुलडोजर चलाया गया। प्रशासन के अनुसार, 2026 के सर्वे में कुल 302 अतिक्रमण चिन्हित किए गए थे। जिनमें से अब तक 49 से अधिक हटाए जा चुके हैं। एसडीएम अर्चना शर्मा के मुताबिक यह कार्रवाई आगे भी चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगी। शुक्रवार को भी तालाब के अतिक्रमण हटाए जाएंगे। एनजीटी के निर्देश पर सबसे पहले करीब दो साल पूर्व भदभदा झुग्गी बस्ती से कुल 386 घरों को हटाया गया था। अभी भी कई सरकारी और निजी कब्जे तालाब किनारे हैं, जिन्हें जिला प्रशासन चिंहित कर चुका है। मगर रसूखदारों के आगे प्रशासन का बुलडोजर हर बार रुक जाता है।

सरकारी कब्जे भी तालाब में : राजधानी के दो सर्किल में सबसे अधिक कब्जे चिंहित किए गए हैं। इनमें बैरागढ़ सर्किल में 220 अतिक्रमण हैं। जबकि टीटी नगर में 127 अतिक्रमण मिलने पर नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इनमें 59 निजी और 78 सरकारी शामिल हैं। प्रशासन ने सेवनिया गोंड, प्रेमपुरा सहित अन्य क्षेत्रों में भी सीमांकन किया था।

वन विहार के पास मैरिज गार्डन, रेस्टोरेंटः नामचीन होटल, फूड जोन की 26 दुकानें, गेम जोन, कचरा कैफे, सुलभ कॉम्प्लेक्स और जिम सहित अन्य निर्माण शामिल हैं। नियमानुसार शहरी सीमा में 50 मीटर और ग्रामीण सीमा में 250 मीटर के दायरे में कोई निर्माण नहीं होना चाहिए, लेकिन एफटीएल मुनार से सटकर ही पक्के निर्माण बना दिए गए हैं। इन्हें लेकर एनजीटी लगातार आपत्ति जताते हुए निर्देश दे चुका है।

बैंक मीटिंग में सीईओ ने आधे घंटे तक की बात, बाद में पता चला वो एआई क्लोन था

भारत में भी एआई क्लोनिंग प्रोजेक्ट पर हो रहे काम

मुंबई, जेएनएन। कल्पना करें कि आप किसी से आधे घंटे बात कर लें और फिर पता चले कि सामने इंसान था ही नहीं। अमेरिका के कस्टमर्स बैंक के साथ यही हुआ। सीईओ सैम सिद्धू की तिमाही नतीजों की कॉन्फ्रेंस कॉल में विश्लेषक पूरे आत्मविश्वास के साथ 'उनसे' बात करते रहे। 30 मिनट तक कॉल चलती रही। बाद में सिद्धू ने खुद खुलासा किया कि वे बोल ही नहीं रहे थे। उनकी जगह था उनका एआई क्लोन बोल रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धू ने कहा, 'आज आप लोगों ने मेरी ओर से जो बातें सुनीं, वो मैंने नहीं, मेरे एआई क्लोन ने कही थीं।' कस्टमर्स बैंक का मुख्यालय पेन्सिलवेनिया के फोनिक्सविले में है। इस बैंक ने ओपनएआई के साथ बैंकिंग ऑपरेशन को ऑटोमेटेड करने के लिए कई वर्षों का करार किया है। सिद्धू के मुताबिक यह किसी लिस्टेड कंपनी की अर्निंग्स कॉल में पहली बार हुआ। यह घटना दरअसल एक बड़े बदलाव की एक झलक है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का एआई अवतार बनाया जा रहा है। उनकी बोलने की शैली, हाव-भाव और सार्वजनिक बयानों को सीख रहा है, ताकि कर्मचारी फाउंडर से जुड़ाव महसूस करते रहें। जुकरबर्ग एक अलग एआई एजेंट भी बना रहे हैं, जो उनके काम में मदद करेगा। सीईओ से लेकर आम इंसान तक, एआई क्लोन की दुनिया तेजी से फैल रही है। चीन में जहां लोग दिवंगत परिजन के एआई रेप्लिका खरीद रहे हैं वहीं दूसरी तरफ ठग इसी तकनीक से आवाज की नकल करके लोगों को लूट रहे हैं। दरअसल एआई क्लोन अब महज तकनीकी प्रयोग नहीं रहे। ये कॉरपोरेट रणनीति, व्यक्तिगत भावनाएं और आपराधिक हथकंड़े, तीनों का हिस्सा बन चुके हैं।

क्र.	भूखण्ड का प्रकार	भूखण्डों की संख्या	सामान्य वर्ग		अनु. जाति		अनु. जनजाति		पिछड़ा वर्ग		स्वतंत्रता संग्राम सेनानी	सैनिक/ भू.पू. सैनिक	मा. सांसद / विधायक	बुद्धिजीवी/ श्रमजीवी पत्रकार	विकलांग	मण्डल कर्मी
				म.		म.		म.		म.						
1	एच.आई.जी. (ए)	32	11	1	3	-	5	-	2	-	1	-	06	1	1	1
2	एच.आई.जी. (बी)	56	17	-	6	-	9	-	3	-	3	1	11	3	2	1
3	एच.आई.जी. (सी)	13	1	-	1	-	4	-	1	-	-	-	05	-	1	-
4	एच.आई.जी. (डी)	10	1	-	1	-	1	-	-	-	1	-	05	1	-	-
5	एच.आई.जी. (ई)	9	-	-	1	-	-	-	-	-	-	1	06	-	-	1

नियम एवं शर्तें-

1. ऑफर स्वीकृत होने पर ऑफर मूल्य की संपत्ति की शेष राशि 3 किस्तों में भुगतान करने की विशेष सुविधा। 2. संपत्ति के ऑफर स्वीकृति उपरांत ऑफरकर्ता द्वारा ऑफर निरस्त कराने पर मण्डल नियमानुसार धरोहर राशि की 50% राशि जब्त कर ली जावेगी। 3. ऑफर प्रस्तुत करने के पूर्व स्थल / संपत्ति का अवलोकन कर लें। 4. समस्त कर एवं जी.एस.टी. शासन / मण्डल के नियमानुसार पृथक से देय होगा। 5. शासन / मण्डल द्वारा निर्धारित लीजरेंट एवं भूखण्डों के मूल्य का 5% कार्पस फंड पृथक से देय होगा। 6. मण्डल / शासन के नियम व शर्तें लागू। 7. भूखण्ड का आकार कम/अधिक होने पर अपसेट मूल्य के अनुपात में राशि देय होगी।

आवेदन शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि 18/05/2026, ऑफर डालने की तिथि 19/05/2026 सायं 5.00 बजे तक। ऑफर दिनांक 20/05/2026 को सायं 3.00 बजे Online खोले जावेंगे। आवेदन फार्म का मूल्य एवं धरोहर राशि Online Portal से जमा होगी। रजिस्टर्ड मोबाइल पर BID-ID प्राप्त होंगी।

योजना की विस्तृत जानकारी www.mphousing.in पर उपलब्ध।

(एम.सी.घनघोरिया)
कार्यपालन यंत्री, संभाग-02, भोपाल

म.प्र. माध्यम/125567/2026

संपर्क सूत्र: मो. नं.- 9425148302, 9406639465, 9981619135, 9406638144

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।